Discover your divinity with us
A/C Showroom
ज्ञान गंगा ॐ मूर्ति माला केन्द्र
उजाला भवन स्टेशन रोड, दुर्ग
0788-4030383, 3293199
भगवान के वस्त्र, श्रृंगार मूर्तियां एवं समस्त पूजन सामग्री संगमरमर व पीतल की मूर्तियां राशि रत्न एवं उपरत्न उपलब्ध

राष्ट्र एवं राज्य के प्रगति पथ पर...

समय दर्शन

रायपुर, दुर्ग एवं जगदलपुर से प्रकाशित

ESTD : Since 2011

संस्थापक : स्व. श्रीमती निलिमा खड़तकर

निष्पक्ष निर्भीक खबरों के साथ

श्री
दुर्ग शहर में
सुप्रसिद्ध
ज्योतिषाचार्य
पं. एम.पी. शर्मा/
मो. 8109922001
फीस 251/- मात्र
पता:- श्री दुर्गा ज्योतिष कार्यालय
सिकोला भाठा, सब्जी मार्केट के
सामने, धमधा नाका, दुर्ग

वर्ष 15, अंक 139 पृष्ठ 8, मूल्य 3.00 रूपये दुर्ग, शनिवार 11 अप्रैल 2026 www.samaydarshan.in

संक्षिप्त समाचार

सैनिक स्कूल कपूरथला की कमान अब ग्रुप कैप्टन आई मनोज मेनन के हाथ

कपूरथला। ग्रुप कैप्टन आई मनोज मेनन ने सैनिक स्कूल , कपूरथला के 21 वें प्रधानाचार्य (प्रिंसिपल) के रूप में पदभार ग्रहण किया है। बताते चलें कि स्कूल एनसीसी की ओर से प्रस्तुत गार्ड ऑफ ऑनर का नव प्रधानाचार्य ग्रुप कैप्टन आई मनोज मेनन ने निरीक्षण किया और प्रसन्नता व्यक्त की। इस दौरान स्कूल बैंड टीम की ओर से प्रस्तुत बैंड धुन ने सबका मन मोह लिया। इसके पहले उन्होंने स्कूल अवस्थित सैकप स्मृति स्थल पर जाकर फूल- माला अर्पित करके शहीदों को नमन किया। इस क्रम में प्रधानाचार्य ग्रुप कैप्टन मेनन ने कहा कि मुझे बहुत ही गर्व और उत्साह है कि मैं सैनिक स्कूल कपूरथला में बतौर प्रिंसिपल की भूमिका निभा रहा हूँ। मैं उन मूल्यों और सिद्धांतों में पूरे दिल से विश्वास करता हूँ जिन्हें यह प्रतिष्ठित संस्थान कायम रखता है। मैं प्रत्येक कैडेट की प्रतिभा का पोषण करते हुए उसकी उत्कृष्टता और अनुशासन की विरासत को बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध हूँ।

मैं आतंकवादी हूं', मुंबई में बम ब्लास्ट होने वाला है, धमकी के बाद मचा हड़कंप

मुंबई । मुंबई में सुबह एक कथित बम धमकी भरे कॉल ने सुरक्षा एजेंसियों में कुछ समय के लिए हड़कंप मचा दिया। हालांकि, कुछ ही देर बाद मामले की जांच के बाद पता चला कि यह कॉल एपीएमसी में काम करने वाले एक 46 वर्षीय दिहाड़ी मजदूर ने की, जो फर्जी निकली। दरअसल, सुबह करीब 11:54 बजे, कॉलर ने बीट मार्शल सिस्टम पर फोन कर कहा, 'मैं आतंकवादी बोल रहा हूं। मुंबई में बम ब्लास्ट होने वाला है।' इस अस्पष्ट लेकिन गंभीर धमकी के बाद पुलिस तंत्र तुरंत अलर्ट हो गया। हालांकि, कुछ ही घंटों में पुलिस ने कॉल करने वाले की पहचान तूफान नूरलाल शेख के रूप में की, जो सेक्टर 19 स्थित एपीएमसी मार्केट इलाके में रहने वाला एक मजदूर है। अधिकारियों के अनुसार, आरोपी ने कोई ठोस जानकारी नहीं दी थी और उसके पास कोई वास्तविक योजना भी नहीं थी, जिससे यह स्पष्ट हुआ कि यह केवल दहशत फैलाने की कोशिश थी।

इजरायल के राजदूत ने पाकिस्तान की विश्वसनीयता पर सवाल उठाए

नईदिल्ली। अमेरिका और ईरान के बीच हुए 2 हफ्तों के युद्धविराम समझौते में मध्यस्थता करने वाले पाकिस्तान की भूमिका को लेकर भारत में इजरायल के राजदूत रूवेन अजार ने संदेह जताया है। उन्होंने कहा कि इजरायल इस्लामाबाद को एक विश्वसनीय पक्ष के रूप में नहीं देखता है। उन्होंने कहा कि वाशिंगटन ने अपने निजी कारणों से पाकिस्तान से संपर्क करके उसकी मध्यस्थता सेवाओं का उपयोग करने का निर्णय लिया होगा। अजार ने कहा, हम पाकिस्तान को एक भरोसेमंद खिलाड़ी नहीं मानते। मुझे लगता है कि अमेरिका ने अपने निजी कारणों से पाकिस्तान की मध्यस्थता का इस्तेमाल करने का फैसला किया है।

वृंदावन में मातम

यमुना नदी में नाव पलटने से पंजाब के 10 पर्यटकों की मौत

मथुरा / एजेंसी

मथुरा के वृंदावन में शुक्रवार को एक बड़ा हादसा हो गया. दोपहर 2:45 बजे के करीब श्रीबांके बिहार मंदिर से करीब ढाई किमी की दूरी पर स्थित केशी घाट के पास पर्यटकों से भरी एक नाव (मोटर बोट) पोंटून पुल (पीपा पुल) से टकराने के बाद यमुना नदी में पलट गई. नाव में 30 से अधिक लोग सवार थे, जो नदी में गिर गए. इनमें से 10 लोगों की डूबकर मौत हो गई, जबकि 22 को बचा लिया गया. अब भी कुछ लोग नदी में लापता हैं और उनकी तलाश की जा रही है. मथुरा के जिलाधिकारी चंद्र प्रकाश सिंह ने बताया कि नाम में सवार लोग पंजाब के लुधियाना के रहने वाले हैं. स्थानीय गोताखोर गुलाब ने इस हादसे के लिए तेज हवा को जिम्मेदार ठहराया. उन्होंने आजतक से बातचीत में कहा, 'तेज हवा चल रही थी. यमुना नदी के बीच में नाव अचानक तेज हवा से डगमगाने लगी और उसकी स्पीड भी बढ़ गई. देखते ही देखते नाव पीपा पुल (पांटून पुल) से टकराकर नदी में पलट गई और उसमें सवार सभी लोग गहरे पानी में गिर गए.'मथुरा जिला प्रशासन के आला अधिकारी मौके पर मौजूद हैं और स्थिति पर नजर बनाए हुए हैं. स्टेट डिजास्टर रिस्पांस फोर्स और नेशनल डिजास्टर रिस्पांस फोर्स की टीमें, स्थानीय पुलिस करीब और 50 स्थानीय गोताखोरों की मदद से नदी में लापता लोगों की तलाश कर रही हैं. मथुरा के डीआईजी शैलेश कुमार पांडे ने बताया कि दुर्घटना का प्रारंभिक कारण यह प्रतीत होता है कि नाव पोंटून पुल से टकरा गई, जिससे यह हादसा हुआ.

उन्होंने बताया कि घटनास्थल से दस शव बरामद किए गए हैं. एनडीआरएफ एसडीआरएफ फायर डिपार्टमेंट और पुलिस की टीमें, स्थानीय गोताखोरों और नाविकों के साथ मिलकर राहत और बचाव कार्यों में सक्रिय रूप से लगी हुई हैं. लापता लोगों की तलाश जारी है. मथुरा ग्रामीण के पुलिस अधीक्षक सुरेश चंद्र रावत ने कहा कि केशी घाट के पास यमुना नदी के एक हिस्से में नाव डूब गई है. अब तक 22 लोगों को नदी से बाहर निकाला जा चुका है. उन्होंने कहा, 'बचाए गए लोगों को एम्बुलेंस और पुलिस वाहन (पीआरवी) की मदद से तुरंत अस्पताल पहुंचाया गया. हम फिलहाल स्थिति का जायजा ले रहे हैं ताकि पता चल सके कि कितने लोग सुरक्षित हैं और कितने लोगों की जान गई है... यहां एक पोंटून पुल है. चूंकि यह पुल जर्जर हालत में था, इसलिए एक एजेंसी पोंटूनों की मरम्मत का काम कर रही थी. आशंका है कि यह दुर्घटना इसी मरम्मत कार्य के दौरान नाव के पोंटून से टकराकर पलटने के कारण हुई. मथुरा के जिलाधिकारी सीपी सिंह ने मीडिया से बातचीत करते हुए कहा कि पंजाब के लुधियाना से आए श्रद्धालुओं को ले जा रही एक नाव यमुना नदी में पलट गई, जिससे एक दुखद हादसा हो गया। अब तक छह शव बरामद किए जा चुके हैं, जबकि बचाव अभियान जारी है। उन्होंने कहा कि शुक्रवार दोपहर करीब 2:45 बजे यमुना नदी में एक बहुत ही दुर्भाग्यपूर्ण हादसा हुआ।

दिल को झकझोर देने वाली है ये घटना : सीएम योगी

सीएम योगी ने एक्स पर लिखा कि जनपद मथुरा में नाव पलटने से हुई मौतें बेहद दुखद और दिल को झकझोर देने वाली हैं. उन्होंने कहा कि इस हादसे में जान गंवाने वाले लोगों के परिवारों के प्रति उनकी संवेदनाएं हैं. उन्होंने अधिकारियों को तुरंत मौके पर पहुंचकर राहत और बचाव कार्य तेज करने और घायलों का बेहतर इलाज कराने के निर्देश दिए. साथ ही उन्होंने दिवंगत आत्माओं की शांति और घायलों के जल्द स्वस्थ होने की प्रार्थना की। हादसा दोपहर पौने 3 बजे केशी घाट पर हुआ, जो श्रीबांके बिहार मंदिर से करीब ढाई किमी की दूरी पर है. नाव पीपा पुल से टकराने के बाद नदी में पलट गई. स्टेट डिजास्टर रिस्पांस फोर्स और नेशनल डिजास्टर रिस्पांस फोर्स की टीमें करीब 50 स्थानीय गोताखोरों की मदद से नदी में लापता लोगों की तलाश कर रही हैं.

घर में मिले थे भारी मात्रा में जले हुए नोट

हाईकोर्ट जस्टिस यशवंत वर्मा ने दिया इस्तीफा.....

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट में तैनात जस्टिस यशवंत वर्मा ने इस्तीफा दे दिया है। उनके दिल्ली वाले घर में भारी मात्रा में जले हुए नोट मिलने के मामले में उनके खिलाफ आंतरिक जांच चल रही थी। साथ ही महाभियोग की भी चर्चा थी। इसी बीच उन्होंने पद से त्याग पत्र दे दिया है। दिल्ली वाले घर में जले हुए कैश मिलने के बाद उनका स्थानांतरण इलाहाबाद हाईकोर्ट में कर दिया गया था। पांच अप्रैल 2025 को उन्होंने शपथ ग्रहण किया था। न्यायिक कार्य से उनको फिलहाल अलग किया गया था। उनके खिलाफमहाभियोग लाने के मामले में कमेटी का गठन किया गया है। कई सांसदों ने संसद में जस्टिस

वर्मा को हटाने के लिए नोटिस दिया था। फिलहाल जस्टिस वर्मा के खिलाफ आतंरित जांच कमेटी जांच कर रही है। राष्ट्रपति द्रौपदी मूर्मू को दिए गए त्यागपत्र में जस्टिस यशवंत वर्मा ने लिखा है- यद्यपि मैं आपके आदरणीय कार्यालय को उन कारणों से विवश नहीं करना चाहता।

मनाली में ताज़ा बर्फबारी के बाद अटल टनल के पास बर्फ से ढके पहाड़ों और आस-पास के इलाकों का नज़ारा।

छत्तीसगढ़ में साड़ी घोटाला

कांग्रेस राज में होता था भ्रष्टाचार-लक्ष्मी राजवाड़े

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ में महिला एवं बाल विकास विभाग में साड़ी घोटाले को लेकर हंगामा मचा हुआ है। आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं और सहायिकाओं को वितरित की गई साड़ी में घोटाले की बात कही जा रही है। तमाम आरोपों के बीच महिला एवं बाल विकास विभाग मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े का बड़ा बयान सामने आया है। मंत्री राजवाड़े ने कहा कि कई जगहों से क्वालिटी को लेकर शिकायत मिली है, लेकिन ऐसा नहीं है कि वितरित की गई पूरी साड़ी खराब है। उन्होंने खुद इसका उपयोग करके, साड़ी को धोकर देखा है। हालांकि इसके बाद भी

जहां से शिकायत है, वहां खराब साड़ी को रिप्लेस कर नई साड़ी देने के निर्देश दिए गए हैं। गड़बड़ी की जांच करने के भी निर्देश दिए गए हैं। कांग्रेस पर पलटवार करते हुए उन्होंने कहा कि कांग्रेस के जमाने में साड़ी वितरण में भ्रष्टाचार होता था।

चुनावी रैली में भाजपा पर बरसीं सीएम ममता

सांप पर भी भरोसा किया जा सकता है,लेकिन उनपर नहीं..

कोलकाता/ एजेंसी

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने शुक्रवार को भाजपा पर तीखा हमला किया। उत्तर 24 परगना जिले के टेंटुलिया में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि भाजपा को असम के स्थानीय लोगों के वोटों पर भरोसा नहीं था। इसलिए पार्टी ने चुनाव जीतने के लिए बाहर से लोग बुलाए। ममता ने दावा किया कि उत्तर प्रदेश से 50,000 लोगों को ट्रेन में भरकर असम लाया गया। ममता बनर्जी ने केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि भाजपा के राज में देश

की कोई भी एजेंसी निष्पक्ष नहीं रह गई है। उन्होंने आरोप लगाया कि केसरिया पार्टी ने सभी एजेंसियों को खरीद लिया है। भाजपा पर कड़ा प्रहार करते हुए उन्होंने कहा, 'एक सांप पर तो भरोसा किया जा सकता है, लेकिन भाजपा पर कभी नहीं।' पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव से पहले टीएमसी और भाजपा के बीच जुबानी जंग काफी तेज हो गई है। रैली के दौरान मुख्यमंत्री ने वोटर लिस्ट से नाम हटाए जाने का मुद्दा भी उठाया। उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल में एसआईआर प्रक्रिया के दौरान 90 लाख नाम हटा दिए गए हैं। एक अखबार की रिपोर्ट का हवाला देते हुए उन्होंने बताया कि इन 90 लाख नामों में से 60 लाख हिंदू और 30 लाख मुस्लिम हैं। उन्होंने असम के एनआरसी का उदाहरण देते हुए कहा कि वहां भी 19 लाख नाम लिस्ट से बाहर किए गए थे, जिनमें 13 लाख हिंदू और 6 लाख मुस्लिम थे।

आधी रात को महिलाओं के अंडरगारमेंट्स चुराता है यह मनोरोगी

चामराज। कर्नाटक के चामराजनगर जिले से एक बेहद शर्मनाक और हैरान करने वाला मामला सामने आया है। यहां की एक हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी में एक अज्ञात मनोरोगी ने स्थानीय महिलाओं की रातों की नींद उड़ा दी है। यह शख्स न सिर्फ रात के अंधेरे में महिलाओं के अंत:वस्त्र (अंडरगारमेंट्स) चुराता है, बल्कि उन्हें सरेआम पहनकर ऐसी घिनौनी हरकतें करता है जिसे सुनकर किसी के भी रोंगटे खड़े हो जाएं। इस सनसनीखेज घटना के सामने आने के बाद से पूरे इलाके में दहशत का माहौल है। कॉलोनी के लोगों ने बताया कि पिछले कुछ दिनों से घरों के बाहर तार पर सूखने के लिए डाले गए महिलाओं के कपड़े रहस्यमय तरीके से गायब हो रहे थे।

उच्च सदन से शुरू की नई पारी

नीतीश कुमार ने राज्यसभा के सदस्य के रूप में ली शपथ....

नई दिल्ली/ एजेंसी

बिहार के मुख्यमंत्री और जनता दल यूनाईटेड के राष्ट्रीय अध्यक्ष नीतीश कुमार आज राज्यसभा से अपनी नई पारी शुरू कर रहे हैं। आज दोपहर 12:12 बजे उन्होंने राज्यसभा सांसद के रूप में शपथ ली। इसके लिए समारोह का आयोजन किया गया। राज्यसभा में सारी तैयारी पहले ही पूरी हो चुकी है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार अपने आवास से निकलकर राज्यसभा पहुंचे। केंद्रीय मंत्री ललन सिंह, जदयू के कार्यकारी अध्यक्ष संजय झा, डिप्टी सीएम सम्राट

चौधरी भी उनके आवास से उनके साथ राज्यसभा पहुंचे। 16 मार्च को मुख्यमंत्री नीतीश कुमार राज्यसभा सदस्य के रूप में निर्वाचित हुए थे। 30 मार्च को उन्होंने विधान परिषद् सदस्य के रूप में इस्तीफा दिया। इसके बाद आज उन्होंने राज्यसभा सांदस के रूप में शपथ लिया। अब तीन से चार दिनों के अंदर वह अपना इस्तीफा राज्यपाल को सौंप देंगे। एक दिन पहले यानी नौ अप्रैल को दिल्ली पहुंचे नीतीश कुमार ने पत्रकारों से बातचीत करते हुए कहा कि अब हम यहीं रहेंगे, वहां नए लोगों को मौका मिलेगा। बहुत समय तक यहां (दिल्ली) काम किया है, अब फिर से यहीं काम करूंगा। 20 साल तक बिहार में बहुत काम किया है। यह काम आगे भी काम जारी रहेगा। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार राज्यसभा में शपथ लेने के बाद पीएम नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह से भी मुलकात करेंगे।

बंगाल के लिए बीजेपी का घोषणा पत्र

45 दिन के अंदर 7वां वेतन आयोग लागू करेंगे,यूसीसी भी लागू होगा

कोलकाता/ एजेंसी

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह शुक्रवार को पश्चिम बंगाल के दौरे में है। इस दौरान वह विधानसभा चुनाव के लिए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) का घोषणापत्र जारी कर रहे हैं। अमित शाह ने पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव 2026 के लिए भारतीय जनता पार्टी का घोषणापत्र जारी करते हुए इसे 'भरोसे का पत्र' बताया। उन्होंने कहा कि यह संकल्प पत्र राज्य के हर वर्ग की उम्मीदों को ध्यान में रखते हुए तैयार किया गया है और मौजूदा निराशा के माहौल से बाहर निकलने का रास्ता दिखाएगा। अमित शाह के अनुसार, इस घोषणापत्र में किसानों, युवाओं और महिलाओं के लिए विशेष योजनाएं शामिल हैं। उन्होंने कहा कि कृषि क्षेत्र में आ रही चुनौतियों से जूझ रहे किसानों को इससे नई दिशा मिलेगी, जबकि युवाओं और महिलाओं के सशक्तिकरण पर भी खास जोर दिया गया है। इसके साथ ही बंगाल की सांस्कृतिक पहचान और गौरव को पुनर्स्थापित करने की बात भी इसमें प्रमुख रूप से शामिल है। इसके अलावा अमित शाह ने सरकारी कर्मचारियों के लिए बड़ा एलान करते हुए कहा कि सभी सरकारी कर्मचारियों और वेतनभोगियों के लिए डीए सुनिश्चित किया जाएगा और 45 दिनों के भीतर ही सातवें वेतन आयोग और आयुष्मान भारत समेत भारत सरकार की सभी योजनाओं को लागू करेंगे। साथ ही छह माह के अंदर ही यूसीसी भी लागू करेंगे। महिलाओं के लिए एलान करते हुए कहा कि हमारी सरकार 'लक्ष्मी भंडार' योजना के लाभार्थियों को हर महीने 1 से 5 तारीख

तक खाते में 3 हजार रुपए ट्रांसफर करेगी। महिलाओं के सशक्तिकरण को प्राथमिकता देते हुए राज्य में पुलिस बल सहित सभी सरकारी नौकरियों में महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण देने का वादा किया गया है। इसके साथ ही 75 लाख महिलाओं को 'लखपति दीदी' बनाने का लक्ष्य रखा गया है। सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए हर मंडल में महिला थाने और महिला डेस्क स्थापित करने की योजना है, ताकि महिलाओं को बेहतर और त्वरित सहायता मिल सके। यह भी कहा गया है कि ऐसा माहौल तैयार किया जाएगा, जहां महिलाओं की सुरक्षा पर सवाल न उठे और उन्हें किसी भी समय बाहर निकलने में असुरक्षा महसूस न हो। इसके अलावा, गर्भवती महिलाओं को 21 हजार रुपये की आर्थिक सहायता और 6 पोषण किट देने की योजना है। वहीं, राज्य संचालित बसों में सभी महिलाओं के लिए मुफ्त यात्रा की सुविधा लागू करने का भी वादा किया गया है। पीएम किसान सम्मान निधि में हम राज्य की तरफ से अतिरिक्त 3,000 रुपये जोड़ेंगे और किसानों को सालाना 9,000 रुपये की वित्तीय सहायता देंगे। राज्य के विकास को गति देने के लिए व्यापक योजनाओं का खाका पेश किया गया है। इसके तहत कोलकाता मेट्रो का पूरी तरह विद्युतीकरण करने का लक्ष्य रखा गया है, जिससे यातायात व्यवस्था को आधुनिक और सुगम बनाया जा सके।

युवाओं को हर महीने मिलेगा 3000 का भत्ता

अमित शाह ने कहा कि हाल ही में स्नातक पूरा करने वाले युवाओं को हर महीने 3,000 रुपये का भत्ता देने का वादा किया गया है, ताकि वे अपने करियर की शुरुआत में आर्थिक सहयोग प्राप्त कर सकें। इसके साथ ही, प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे अभ्यर्थियों को 15,000 रुपये की एकमुश्त आर्थिक सहायता देने की योजना भी शामिल है, जिससे उनकी पढ़ाई और तैयारी में मदद मिल सके इसके अलावा पेपर लीक और भर्ती प्रक्रियाओं में भ्रष्टाचार के कारण जिन युवाओं ने आयु सीमा पार कर ली है, उन्हें विशेष राहत देने का प्रस्ताव रखा गया है। ऐसे उम्मीदवारों को अधिकतम पांच साल तक की आयु सीमा में छूट दी जाएगी, ताकि वे दोबारा अवसर पा सकें। 2015 के बाद से जिन युवाओं को सरकारी नौकरियों में अवसर नहीं मिल पाए हैं, उनके लिए भी पर्याप्त भर्ती अवसर सुनिश्चित करने का आश्वासन दिया गया है।

संक्षिप्त समाचार

लगभग 200 ट्रैक्टर अवैध रेत नदी में वापस डलवाया गया, 2 हाईवा वाहन जब्त

जांजगीर-चांपा/ समय दर्शन / कलेक्टर श्री जन्मेजय महोबे के निर्देशानुसार जिले में अवैध खनिज उत्खनन, भंडारण एवं परिवहन पर नियंत्रण हेतु लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में राजस्व, खनिज एवं पुलिस विभाग के संयुक्त दल द्वारा ग्राम नवापारा में अवैध रेत उत्खनन एवं परिवहन के विरुद्ध जांच कर कार्रवाई की गई।

जिला खनि अधिकारी ने बताया कि जांच के दौरान स्थल पर अवैध रेत भंडारण पाए जाने पर प्रकरण दर्ज किया गया। साथ ही नदी किनारे डंप लगभग 200 ट्रैक्टर रेत को वापस नदी में डलवाया गया।कार्रवाई के दौरान अवैध परिवहन में संलिप्त 02 हाईवा वाहनों को जब्त कर पुलिस लाइन में सुरक्षार्थ रखा गया है।दर्ज प्रकरण पर खान एवं खनिज (विकास एवं विनियमन) अधिनियम, 1957 की धारा 21 से 23 (ख) के अंतर्गत कार्रवाई की जाएगी। जिला प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि अवैध उत्खनन, भंडारण एवं परिवहन के विरुद्ध सख्त कार्रवाई आगे भी निरंतर जारी रहेगी।

बेरहमी की हदें पार: प्रेम संबंध से नाराज लोगों ने युवक को पीटा, प्रताड़ना से तंग आकर दी जान

जांजगीर-चांपा //समय दर्शन //- शक्ति जिले के ग्राम किकिरदा से एक बेहद संवेदनशील और झकझोर देने वाला मामला सामने आया है, जहां अनुसूचित जाति के एक युवक के साथ कथित रूप से अमानवीय मारपीट और लगातार मानसिक प्रताड़ना के बाद उसने आत्महत्या कर ली। पीड़ित परिवार ने इस पूरे मामले को लेकर पुलिस अधीक्षक से न्याय की गुहार लगाई है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, ग्राम किकिरदा निवासी मनबोध चौहान के 27 वर्षीय पुत्र राजकुमार चौहान का गांव के ही लड़की के साथ आपसी सहमति से प्रेम संबंध था। इसी बात को लेकर गांव के कुछ लोग उससे रंजिश रखने लगे थे और उसे निशाना बनाया जा रहा था। शिकायत में बताया गया है कि 6 मार्च 2026 की रात करीब 11 से 12 बजे के बीच आरोपियों ने गांव के कोटवार एवं अन्य ग्रामीणों के सामने राजकुमार चौहान को घर से बुलाकर बेरहमी से पीटा। आरोप है कि युवक पर लात-घूंसे, लोहे की रॉड और चप्पलों से हमला किया गया, जिससे उसे गंभीर चोटें आईं।

शिकायत में नामजद आरोपी: दुलार देवांगन, लव देवांगन, कुश देवांगन, सीत देवांगन, बसंत देवांगन, अशोक देवांगन, नरेश बंजारे, संजू कुर्रे और महावीर देवांगन सभी ग्राम किकिरदा निवासी बताए गए हैं। परिजनों के मुताबिक, घटना के बाद भी युवक को लगातार जातिसूचक गालियां दी गईं और जान से मारने की धमकियां मिलती रहीं। इस मानसिक दबाव और भय के कारण 7 मार्च 2026 की सुबह लगभग 5:30 बजे राजकुमार चौहान ने अपने ही घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। परिवार का यह भी आरोप है कि घटना के बाद भी आरोपी पक्ष द्वारा घर में घुसकर धमकी दी जा रही है, जिससे पूरे गांव में दहशत का माहौल बना हुआ है। पीड़ित परिवार ने मांग की है कि आरोपियों के खिलाफ अनुसूचित जाति एवं जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम 1989 तथा भारतीय दंड संहिता की प्रासंगिक धाराओं के तहत तत्काल एफआईआर दर्ज कर कड़ी कार्रवाई की जाए और परिवार को सुरक्षा मुहैया कराई जाए।फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई

सैमसंग के और गैलेक्सी डिवाइसेस पर मिलेगा वन यूआई 8 .5 बीटा प्रोग्राम

गुरुग्राम। सैमसंग अपने वन यूआई 8.5 बीटा प्रोग्राम का विस्तार और अधिक गैलेक्सी डिवाइसों तक कर रहा है। मार्च में वन यूआई 8.5 बीटा 1 के विस्तार के बाद, अब यह प्रोग्राम गैलेक्सी S23 सीरीज़, गैलेक्सी Z फोल्ड5, गैलेक्सी ˆ फ्लिप5, गैलेक्सी S23 FE और पहली बार ए-सीरीज़ के गैलेक्सी A36 5G सहित अन्य डिवाइसेस के लिए जारी किया जा रहा है। यह बीटा प्रोग्राम भारत, कोरिया, यूके और अमेरिका 2 जैसे चुनिंदा बाजारों में चरणबद्ध तरीके से उपलब्ध होगा। एंड्रॉइड के साथ अपने निरंतर सहयोग को आगे बढ़ाते हुए, सैमसंग वन यूआई 8.5 बीटा पर क्विक शेयर के माध्यम से एयरड्रॉप के लिए सपोर्ट पेश कर रहा है, जिससे गैलेक्सी S25 सीरीज़, गैलेक्सी S24 सीरीज़, गैलेक्सी Z फोल्ड7, गैलेक्सी Z फ्लिप7, गैलेक्सी Z फोल्ड6 और गैलेक्सी Z फ्लिप6 3 जैसे चुनिंदा डिवाइसेस के उपयोगकर्ताओं के लिए क्रॉस-प्लेटफॉर्म फाइल शेयरिंग अधिक सुगम हो जाएगी। बीटा प्रोग्राम का विस्तार इस महीने के अंत में अन्य गैलेक्सी डिवाइसेस तक भी जारी रहेगा।

राधाकृष्ण मंदिर प्राण प्रतिष्ठा

सरायपाली ग्रामीण (समय दर्शन)। चिलचिलाती धूप में भी सरायपाली क्षेत्र के ग्राम्य जन जीवन इन दिनों आस्था और भक्ति के रंग में डूबा हुआ है।

ग्रामीण क्षेत्रों में अनेक ग्रामों में इन दिनों दुर्लभ भजन पूजन, कीर्तन, सत्संग,प्रवचन का दौर चल रहा है।

इसी तारतम्य में ग्राम केना मे ग्रामवासियों की भक्ति और उत्साह का प्रतीक बनकर राधाकृष्ण मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा समारोह आयोजित किया गया।

मंदिर समिति और स्थानीय प्रशासन के सहयोग से यह आयोजन सुव्यवस्थित और भव्य रूप में संपन्न हुआ। प्राण प्रतिष्ठा का मुख्य उद्देश्य मंदिर की मूर्ति में दिव्य ऊर्जा को स्थापित कर श्रद्धालुओं तक पहुंचाना

है। समारोह में भजन-कीर्तन, आरती और हवन जैसे धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किए गए। स्थानीय कलाकारों ने अपनी प्रस्तुति से अटूट भक्तिभाव को भगवान को समर्पित करते हुए ग्रामीणों ने मिलकर आयोजन को सफल बनाने में योगदान दिया। बच्चों और युवाओं की सक्रिय भागीदारी ने समारोह में उत्साह और जीवन्तता बनाए रखी।

स्थानीय लोगों का कहना है कि यह आयोजन केवल धार्मिक दृष्टि से ही नहीं, बल्कि सामाजिक और सांस्कृतिक दृष्टि से भी ग्रामवासियों को जोड़ने का अवसर है। उन्होंने इसे ग्राम की सांस्कृतिक धरोहर और सामूहिक श्रद्धा का महत्वपूर्ण हिस्सा बताया।

मंदिर परिसर को सजावट और रंग-बिरंगी रोशनी से भक्तिमय माहौल दिया गया। प्रत्येक दिन सुबह से शाम तक कार्यक्रम चले, जिनमें श्रद्धालुओं ने बड़ी संख्या में भाग लिया। समिति ने सुरक्षा और कार्यक्रम संचालन का पूरा ध्यान रखा।

समारोह अगले कुछ दिनों तक जारी रहेगा और अंतिम दिन भव्य आरती और विशेष प्रार्थना के साथ संपन्न होगा। इस आयोजन ने ग्रामवासियों में धार्मिक उत्साह के साथ सामाजिक समरसता और सहयोग की भावना भी बढ़ाई है।

ग्रामवासियों ने कहा कि ऐसे आयोजन नई पीढ़ी को धर्म और संस्कृति से जोड़ने में मदद करते हैं और समाज में एकता और भाईचारे को मजबूती प्रदान करते हैं।

खेल दिवस के अवसर पर खेल महोत्सव का आयोजन

जांजगीर-चांपा//, समय दर्शन / कलेक्टर श्री जन्मेजय महोबे के निर्देशन पर महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना अंतर्गत 1 से 6 अप्रैल तक अंतराष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर समस्त परियोजनाओं के स्थानों पर विभिन्न कार्यक्रम एवं गतिविधियां आयोजित किया गया। जिला कार्यक्रम अधिकारी श्रीमती अनीता अग्रवाल ने बताया कि परियोजना जांजगीर के ग्राम चौराभाठा, मैसदा, मैसमुड़ी, महंत, खैरा में, परियोजना अकलतरा के ग्राम मुरलीडीह एवं अकलतरा वार्ड नंबर 18 शासकीय स्कूलों में खेल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया इस आयोजन का उ?द्देश्य खेलों के माध्यम से समाज में समानता भाईचारा, शांति, शिक्षा, स्वास्थ्य एवं सामाजिक बदलाव में खेलों के भूमिका के संबंध में जानकारी, बालिकाओं को खेल के महत्व को बढ़ावा देते हुए वर्तमान परिदृश्य में सोशलमिडिया एवं मोबाईल से होने वाले हानिकारक प्रभाव के बारे में बताया गया एवं दैनिक जीवन में मोबाईल के उपयोग को कम करते हुए व्यायाम, योग, एवं खेल के प्रति रुची बढ़ाने के लिए

स्कुल के छात्र छात्राओं एवं शिक्षकों हेतु प्रेरित किया गया। खेल प्रतियोगिता में प्रथम द्वितीय तृतीय आये बालक बालिकाओं को सम्मानित किया गया। साथ ही बालिकाओं के अधिकारों के विभिन्न कानूनों, बाल विवाह रोकथाम, गुड टच, बैड-टच की जानकारी, लैंगिक अपराधों से बालको का संरक्षण, 1098, 112 चाइल्ड हेल्पलाईन नम्बर, 181 महिला हेल्पलाईन नम्बर, बाल आयोग की जानकारी, किशोर न्याय अधिनियम 2015 यथा संशोधित 2021, आदर्श नियम 2016 यथा संशोधित 2022, सखी वन स्टॉप सेंटर द्वारा हिंसा से पीड़ित, प्रताड़ित एवं संकटग्रस्त महिलाओं एवं बालिकाओं को सुविधा एवं सहायता (आपातकालीन अल्पकालिक अस्थाई आश्रय, मनोवैज्ञानिक परामर्श, विधिक सहायता, पुलिस सहायता, चिकित्सकीय सहायता), नवा बिहान योजना अंतर्गत घरेलू हिंसा से महिलाओं का संरक्षण अधिनियम 2006, टोनही प्रताड़ना अधिनियम 2005, महिलाओं के साथ होने वाली लैंगिक प्रकृति की हिंसा होने पर कार्यस्थल पर महिलाओं का लैंगिक उत्पीड़न (निवारण, प्रतिषेध और प्रतितोष) अधिनियम, 2013 एवं दहेज प्रतिषेध अधिनियम 1971, नोनी सुरक्षा योजना, सुकन्या समृद्धि योजना, मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना, प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना, मिशन शक्ति योजना, सखी निवास, शक्ति सदन इत्यादि विभागीय योजनाओं की जानकारी प्रदान करते हुए जागरूकता सत्र एवं कार्यशाला आयोजित किया गया।

भाजपा मण्डल बसना का गांव चलो,घर घर चलो अभियान जोरों पर

बसना (समय दर्शन)। विश्व की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी भारतीय जनता पार्टी के 47वें स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में गांव चलो घर घर चलो अभियान के तहत केंद्र सरकार एवम् राज्य सरकार के जनकल्याणकारी योजनाओं को घर घर पहुंच कर जन जन को बताने का संकल्प लेकर भाजपा मंडल बसना के वरिष्ठ नेताओं की अगुवाई में आज ग्राम रसोड़ा में नरेन्द्र मोदी जी की सर्व प्राथमिकता योजना स्वच्छ भारत मिशन की जानकारी देकर मनखे मनखे एक समान के संदेश को चरितार्थ करते हुए

हनुमान मंदिर एवं श्री जगन्नाथ मंदिर के आसपास सफाई कार्य किया गया।

बुजुर्गो, वरिष्ठ जनों का अभिवादन, स्वागत सम्मान किया गया ।

जिसमें ग्रामवासियों ने बड़ी संख्या में उपस्थिति दर्ज कराई। मोदी जी की महत्वाकांक्षी योजनाओं को लेकर भाजपा मंडल का कारवां आगे बढ़ता हुआ फिर भालूपतेरा पहुंचा, जहां ग्रामवासियों ने बहुत ही गर्मजोशी के साथ बड़ी संख्या में भाजपा जनों का स्वागत किया।

भाजपा द्वारा ग्राम के वरिष्ठ लोगों का फूल माला पहना कर व श्रीफल भेंटकर सम्मानित किया गया। फिर लोगो की भीड़ जुलूस का आकार लेकर ग्राम की गली में फेरा लगाते हुए भारत माता की जय एवं भारतीय जनता पार्टी जिंदाबाद के नारों के साथ गांव गली गुंजायमान हो गया।

घर घर जाकर लोगों को महिलाओं को युवाओं व बुजुर्गो को केंद्र सरकार व राज्य सरकार की जन कल्याणकारी योजनाओं के बारे में जानकारी दिया गया। इस दौरान भाजपा के वरिष्ठ नेता रमेश अग्रवाल, डॉ .एन के अग्रवाल , डॉ अखिलेश भोई,

नरेन्द्र यादव मंडल अध्यक्ष ने जन सभा को संबोधित किया। इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से महामंत्री सरोज पटेल, कोषाध्यक्ष अमृत चौधरी एवं महिला मोर्चा अध्यक्ष दीपा साहू, महामंत्री श्रीमती नेहा कानूनगो , पिछड़ा मोर्चा अध्यक्ष राकेश भारतीय की अगुवाई में उनके साथ मुख्य रूप से मंडल उपाध्यक्ष भरत चौधरी, मंत्री अरुण स्वर्णकार, मंत्री गिरिजा नंद,अजा मोर्चा मण्डल अध्यक्ष मोहर साय ओगरे, महामंत्री फगुलाल चौहान, महिला मोर्चा उपाध्यक्ष सुशीला चौधरी मंत्री किरण नायक,किसान मोर्चा के रामलाल बढ़ाई , अरुण साहू,रामनरेश बघेल नंदकुमार डडसेना,लोकनाथ डडसेना, नवीन भट्ट, मनीष साव, सुशांत साहू , विनय साहू,दुर्गेश नायक, शुभम नायक सहित आदि बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

सैमसंग ने भारत में टॉप माउंट फ्रीज़र रेफ्रिजरेटर्स तक बढ़ाया अपना बीस्पोक एआई लाइन-अप

गुरुग्राम। भारत के सबसे बड़े कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स ब्रांड सैमसंग ने अपने बीस्पोक एआई टॉप-माउंट फ्रीज़र रेफ्रिजरेटर लाइन-अप के विस्तार की घोषणा की है। यह नई रेंज भारतीय घरों में समझदारी भरी बिजली बचत और आधुनिक लुक लाने के लिए तैयार की गई है। शानदार बीस्पोक डिज़ाइन वाले इन रेफ्रिजरेटर्स में एडवांस एआई फीचर्स, स्मार्ट कनेक्टिविटी और भरोसेमंद परफॉरमेंस का बेहतरीन मेल है। रेफ्रिजरेटर्स की इस नई रेंज में 256 लीटर और 236 लीटर की क्षमता वाले चुनिंदा मॉडल्स वाई-फाई कनेक्टिविटी के साथ आते हैं, ताकि इन्हें स्मार्टथिंग्स ऐप के ज़रिए स्मार्टफोन से आसानी से कंट्रोल और मॉनिटर किया जा सके। इन मॉडल्स में स्टाइलिश फ्लैट-डोर डिज़ाइन के साथ-साथ तुरंत कूलिंग के लिए पावर कूल और पावर फ्रीज जैसे फीचर्स दिए गए हैं। इंडस्ट्री के बेहतरीन मानकों के साथ, ये रेफ्रिजरेटर्स बिजली बचाने और शानदार परफॉरमेंस देने के लिए बनाए गए हैं। सैमसंग इंडिया के डिजिटल अप्लायंसेज़ बिज़नेस के वाइस प्रेसिडेंट घुफरान आलम ने कहा, भारत में सैमसंग के 30 साल पूरे होने के मौके पर, हम भारतीय ग्राहकों के लिए लगातार नए और बेहतर एनर्जी-एफिशिएंट समाधान ला रहे हैं। 300 लीटर से कम क्षमता वाले हमारे नए एआई-इनेबल्ड रेफ्रिजरेटर्स, जिनमें बीस्पोक एआई टॉप माउंट फ्रीज़र भी शामिल है, भारतीय घरों में स्मार्टथिंग्स कनेक्टिविटी, मॉडर्न डिज़ाइन और बेहतर बिजली मैनेजमेंट की सुविधा देते हैं। यह एआई तकनीक को हर किसी तक पहुँचाने और लोगों की ज़रूरत के हिसाब से समाधान देने की हमारी कोशिश को दर्शाता है। रेफ्रिजरेटर की यह नई रेंज ग्राहकों को स्मार्टथिंग्स ऐप के ज़रिए फ्रिज की सेटिंग्स पर नज़र रखने और उन्हें बदलने की सुविधा देती है। इससे फ्रिज की कूलिंग और रोज़मर्रा के इस्तेमाल पर बेहतर कंट्रोल मिलता है, भले ही आप घर से दूर हों। उपकरण को लंबे समय तक दुरुस्त रखने के लिए स्मार्टथिंग्स होम केयर इसकी परफॉरमेंस की निगरानी करता है और कोई भी समस्या दिखने या किसी पुर्ज़े को बदलने की ज़रूरत होने पर यूज़र्स को अपने-आप अलर्ट भेज देता है।

रोबोटिक सर्जरी और रक्षा तकनीक में भारत की बड़ी उपलब्धि, एसएमआरएससी 2026 में 'प्रोजेक्ट विमाना' और 'प्रोजेक्ट ऑपेरियन' लॉन्च

नई दिल्ली: भारत में आयोजित तीसरे ग्लोबल एसएसआई मल्टी-स्पेशियल्टी रोबोटिक सर्जरी कॉन्फ्रेंस (SMRSC) 2026 के दौरान अत्याधुनिक चिकित्सा और रक्षा तकनीकों की ऐतिहासिक झलक देखने को मिली। इस अवसर पर एसएस इनोवेशंस इंटरनेशनल (SSII) ने दो क्रांतिकारी तकनीकों प्रोजेक्ट विमाना (Project Vimana) और प्रोजेक्ट ऑपेरियन (Project Operion) का अनावरण किया जो भविष्य की सर्जिकल और आपातकालीन चिकित्सा प्रणाली को नई दिशा देने वाली मानी जा रही हैं।

तीन दिवसीय इस वैश्विक सम्मेलन में दुनिया भर के 1500 से अधिक डॉक्टरों और 250 से अधिक विशेषज्ञों ने भाग लिया। सम्मेलन में रोबोटिक सर्जरी, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, टेली-सर्जरी और मोबाइल ऑपरेटिंग प्लेटफॉर्म जैसी अत्याधुनिक तकनीकों पर चर्चा की गई। इस दौरान एसएसआई मंत्रा-3 और मंत्रासन के माध्यम से 15 लाइव टेली- सर्जरी और 14 लाइव सर्जरी का सफल प्रदर्शन किया गया। सम्मेलन का उद्घाटन केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण राज्य मंत्री श्री प्रतापराव जाधव की उपस्थिति में हुआ। इस अवसर पर देश-दुनिया के कई प्रतिष्ठित विशेषज्ञ जैसे डॉ. नरेश त्रेहान, डॉ. संगीता रेड्डी, डॉ. फ्रेडरिक मोल, श्री मधुसूदन साई और डॉ. मायलस्वामी अन्नादुरई भी मौजूद रहे।

महासमुंद में `पालना घर' के नाम पर DMF फंड में बंदरबांट

नियमों को ताक पर रखकर अपनों को रेवड़ियां बांटने का आरोप, सामाजिक कार्यकर्ता ने की मामले की शिकायत

महासमुन्द (समय दर्शन)। महासमुंद जिले में खनिज संपदा से प्राप्त होने वाली जनहित की राशि (DMF फंड) के दुरुपयोग का एक बड़ा मामला सामने आया है। कलेक्ट्रेट परिसर स्थित 'गढ़कलेवा' को बंद कर वहां 'पालना घर' विकसित करने के नाम पर लगभग 10 लाख रुपये की राशि में भारी वित्तीय अनियमितता और भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप लगे हैं। सामाजिक कार्यकर्ता और पूर्व पार्षद पंकज साहू की शिकायत के बाद अब यह मामला तूल पकड़ता जा रहा है। शिकायत के अनुसार, तत्कालीन कलेक्टर प्रभात मलिक के निर्देश पर गढ़कलेवा को विस्थापित कर पालना केंद्र बनाया गया। इसके लिए डीएमएफ फंड से 9,99,133 की राशि स्वीकृत की गई। नियमत: DMF फंड का उपयोग उत्खनन प्रभावित क्षेत्रों के 7 किमी के भीतर विकास कार्यों के लिए होना चाहिए, लेकिन इस मामले में नियमों को दरकिनार कर कलेक्ट्रेट परिसर में ही राशि खपा दी गई।

कैसे हुआ भ्रष्टाचार, जानिए प्रमुख बिंदु एक नजर में- अधिकारी ही बने वेंडर: सबसे चौंकाने वाला तथ्य यह है कि महिला बाल विकास विभाग के तत्कालीन अधिकारी समीर पाण्डे ने स्वयं के नाम पर 32,500 का भुगतान लिया। वहीं, जिला बाल संरक्षण अधिकारी खेमराज चौधरी के नाम पर 75,000 और 94,069 के अग्रिम चेक व वाउचर के माध्यम से आहरण किया गया।

PWD बना सप्लायर: सरकारी कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए लोक निर्माण विभाग (PWD) को सप्लायर की भूमिका में दिखाया गया है। PWD के माध्यम से एयर कंडीशनर, CCTV और बिजली के सामानों की सप्लाई दिखाकर 2,65,590 का भुगतान प्राप्त किया गया।

साधनों की खरीद में भारी अंतर-

भ्रष्टाचार का आलम यह है कि एक ही आकार (32 इंच) की स्मार्ट टीवी को अलग-अलग वेंडरों से अलग-अलग कीमतों पर खरीदा गया। दाऊ अप्लायंसेज से जहाँ टीवी 19,200 में ली गई, वहीं एक अन्य स्थानीय स्तर पर गैर-ब्रांडेड टीवी के लिए 35,714 का भुगतान किया गया।

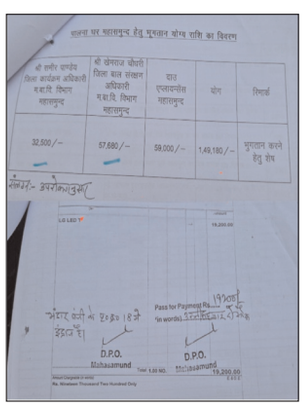

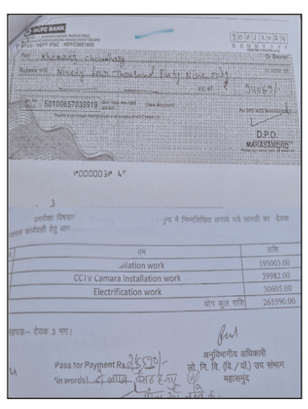

भंडार क्रय नियमों का उल्लंघन- लगभग 10 लाख रुपये के इस कार्य में किसी भी प्रकार के टेंडर या भंडार क्रय नियमों का पालन नहीं किया गया। किचन सामग्री, फर्नीचर, और सजावट के नाम पर मनमर्जी से बिल लगाकर शासन को राजस्व की क्षति पहुंचाई गई।

जांच और कानूनी कार्रवाई की तैयारी- इस पूरे मामले में महिला बाल विकास विभाग द्वारा प्रस्तुत नोटशीट और बिल-वाउचरों में भारी विसंगतियां पाई गई हैं। प्री-स्कूल किट के नाम पर रायपुर की फर्म को 2,36,164 का भुगतान और बिना स्पष्ट आधार के अंशकालीन स्टाफ को मानदेय का भुगतान भी संदेह के घेरे में है।

सामाजिक कार्यकर्ता पंकज साहू ने बताया कि, डीएमएफ फंड के करोड़ों रुपये का इसी तरह दुरूपयोग किया गया है। उन्होंने इस मामले की उच्च स्तरीय जांच और भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम 1988 के तहत न्यायालय में मामला दर्ज कराने की प्रक्रिया शुरू कर दी है।

> जब सरकारी विभाग ही सप्लायर बन जाएं और अधिकारी स्वयं को ही भुगतान करने लगें, तो पारदर्शिता की उम्मीद बेमानी है। यह सीधे तौर पर सरकारी खजाने की लूट है।
>
> **पंकज साहू**
> **शिकायतकर्ता**

वहीं मामले में महासमुंद कलेक्टर विनय कुमार लंगेह ने ढिंढोरा24 के चर्चा के दौरान कहा कि, मामले का संज्ञान आपके माध्यम से सामने आई है। मैनें भी विभागीय अधिकारियों से मामले की जानकारी मांगी है, यदि इस मामले में नियमों की अनदेखी की गई है, तो संबंधित अधिकारी कर्मचारियों पर कार्रवाई जरूर की जाएगी। बहरहाल अब देखना यह होगा कि, प्रशासन इस गंभीर भ्रष्टाचार पर क्या रुख अपनाता है और दोषियों पर कार्रवाई होती है या मामला ठंडे बस्ते में डाल दिया जाता है।

छत्तीसगढ़ कॉमन्स क्लिनिंग' के समापन समारोह में शामिल हुए मंत्री श्री नेताम

प्रकृति में जनजातीयों की अटूट आस्था, देवी-देवताओं के वास से जल जंगल का हो रहा संरक्षण व संवर्धन : मंत्री रामविचार नेताम

रायपुर। आदिम जाति विकास मंत्री श्री रामविचार नेताम ने कहा कि देश के लगभग सभी राज्यों में जनजातीय समुदाय के लोग निवास करते हैं। उन्होंने कहा कि 2011 की जनगणना के अनुसार देश में 10 करोड़ से अधिक जनजातीय समुदाय हैं। उन्होंने कहा कि जनजातीयों का जल, जंगल, जमीन, नदी-नालों और पहाड़ों में अटूट आस्था है। जनजातीय समुदाय पेड़ पौधों, नदी-नालों में देवी-देवताओं का वास मानते हैं और इन्ही संस्कृति और परंपराओं के कारण वनवासी समुदाय प्रकृति के संरक्षण और संवर्धन में पहले पायदान पर है।

मंत्री श्री नेताम ने आज नवा रायपुर स्थित जनजातीय अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान में आयोजित दो दिवसीय राज्य-स्तरीय संवाद सम्मेलन 'छत्तीसगढ़ कॉमन्स क्लिनिंग' के समापन समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि सामुदायिक संसाधनों के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए गहन मंथन हुआ है। इस मंथन में जो भी तथ्य निकलकर आएंगे उसकी उपयोगिता नीति निर्माण और जनहित में कैसी होगी इसके लिए हमारी सरकार तत्परता के साथ काम करेगी।

मंत्री श्री नेताम कहा कि राज्य सरकार जनजातीय समुदायों के विभिन्न समस्याओं और प्राकृतिक संसाधनों के प्रबंधन के लिए एक उच्च स्तरीय टास्क फोर्स का गठन करने जा रही है। इस टास्क फोर्स की संवेदनशीलता और महत्व को देखते हुए इसकी कमान स्वयं मुख्यमंत्री संभालेंगे, जो इस के अध्यक्ष होंगे। नीतिगत निर्णयों के धरातल पर प्रभावी और समयबद्ध क्रियान्वयन के लिए विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारियों को मिलाकर एक विशेष कार्यान्वयन समिति भी बनाई जाएगी, जो बेहतर समन्वय सुनिश्चित करेगी ।

श्री नेताम ने कहा कि पेसा (पंचायत उपबंध अधिनियम) और एफ्आरए (वनाधिकार अधिनियम) के क्रियान्वयन के दौरान आने वाली व्यावहारिक चुनौतियों, विशेष रूप से सीमाओं के निर्धारण (डिमार्केशन ऑफ बॉउंड्रिस) जैसी समस्याओं को प्राथमिकता के आधार पर हल करने की बात कही। उन्होंने प्राकृतिक संसाधनों के प्रति उत्तरदायित्व का भाव जागृत करते हुए कहा, हम केवल इन साझा संसाधनों के उपयोगकर्ता ही नहीं, बल्कि इनके संरक्षक भी हैं, और हमारा उपभोग केवल अपनी वास्तविक आवश्यकताओं की पूर्ति तक ही सीमित होना चाहिए।

इस टास्क फोर्स का मुख्य उद्देश्य राज्य भर में जनजातीय कल्याण से जुड़ी नीतियों के क्रियान्वयन में आने वाली बाधाओं को दूर करना और समुदायों को उनके अधिकार दिलाना है । आदिम जाति विकास विभाग के प्रमुख सचिव श्री सोनमणि बोरा ने कहा कि यह टास्क फोर्स विशेष रूप से पेसा और वनाधिकार अधिनियम के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करेगी। उन्होंने कहा कि हमारी विरासत में जनजातीय बोली, भाषा, समुदायिक नेतृत्व समृद्ध है। जल, जंगल, जमीन के संरक्षण व संवर्धन में इन जनजातीयों का महत्वपूर्ण योगदान है।

संक्षिप्त समाचार

हरी खाद - मिट्टी की खोई उर्वरता बढ़ाने का प्राकृतिक समाधान

रायपुर। हरी खाद - मिट्टी की खोई उर्वरता बढ़ाने का प्राकृतिक समाधानमिट्टी की घटती उर्वरता और रासायनिक उर्वरकों पर बढ़ती निर्भरता को लेकर कृषि विभाग गंभीर दिखाई दे रहा है। जिसके बेहतर व समाधान के रूप में विभाग द्वारा सूरजपुर जिले के किसानों से, हरी खाद अपनाने का आह्वान किया है। कृषि विभाग ने स्पष्ट किया है कि बढ़ती जनसंख्या और घटते जोत के कारण किसान एक ही भूमि पर सघन खेती करने को विवश हैं। इससे मिट्टी में जैविक कार्बन एवं पोषक तत्वों की तेजी से गिरावट आ रही है। रासायनिक उर्वरकों के अत्यधिक उपयोग और पशुधन में कमी के चलते गोबर खाद की उपलब्धता भी घटती जा रही है। ऐसी विषम परिस्थिति में मृदा स्वास्थ्य को बनाए रखने का सबसे सरल, सस्ता और टिकाऊ उपाय हरी खाद ही है। कृषि विभाग ने किसानों को हरी खाद अपनाने की सलाह देते हुए कहा कि यह न केवल मिट्टी को पुनर्जीवित करने का सबसे सस्ता उपाय है, बल्कि टिकाऊ खेती की दिशा में एक निर्णायक कदम भी है।

क्या है हरी खाद:- हरी खाद (ग्रीन मेन्युर) उन फसलों को कहते हैं जिन्हें विशेष रूप से उगाकर हरी अवस्था में ही खेत में जुताई करके मिट्टी में मिला दिया जाता है। ये मुख्यतः दलहनी फसलें होती हैं जिनकी जड़ों में पाया जाने वाला राइजोबियम जीवाणु वायुमंडलीय नाइट्रोजन को मिट्टी में स्थिर करता है - वही काम जो किसान अब तक महंगे यूरिया से कराता आया है। हरी खाद की प्रमुख फसलों में ढैंचा, सन, मूंग, उड़द, लोबिया, चरोटा, ग्वारफली एवं बरसीम शामिल हैं।

आंगनबाड़ी केवल पोषण नहीं, बल्कि संस्कार निर्माण की पाठशाला बने

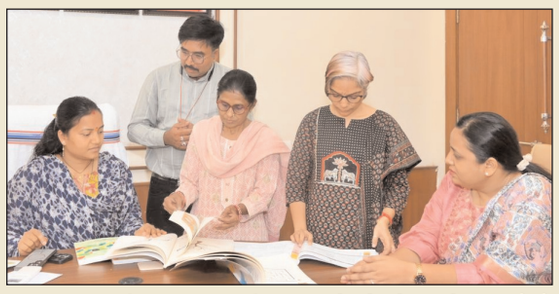

रायपुर। महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने कहा कि आंगनबाड़ी केंद्रों को केवल पोषण और पूर्व-प्राथमिक शिक्षा तक सीमित न रखते हुए उन्हें 'संस्कार निर्माण की पाठशाला' के रूप में विकसित करना समय की आवश्यकता है। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि 3 से 6 वर्ष की आयु बच्चों के सर्वांगीण विकास की सबसे महत्वपूर्ण अवस्था होती है, जिसमें दिए गए संस्कार जीवनभर उनकी सोच और व्यवहार को दिशा देते हैं।

मंत्री श्रीमती राजवाड़े अपने निवास कार्यालय में आयोजित बैठक में राज्य शैक्षणिक अनुसंधान केंद्र के ईसीसीई के राज्य स्तरीय रिसोर्स पर्सन एवं विभागीय अधिकारियों से चर्चा कर रही थीं। बैठक में प्रदेश के 52,518 आंगनबाड़ी केंद्रों के बच्चों को संस्कारपरक शिक्षा से जोड़ने के लिए ठोस पहल करने पर विचार किया गया।

उन्होंने कहा कि बच्चे का पहला विद्यालय उसका घर और आंगनबाड़ी होता है, इसलिए यहां दी जाने वाली शिक्षा में भारतीय जीवन मूल्यों का समावेश अत्यंत आवश्यक है। संस्कारपरक शिक्षा का उद्देश्य बच्चों में प्रारंभिक अवस्था से ही बड़ों का सम्मान, सत्य बोलना, स्वच्छता, अनुशासन, प्रकृति प्रेम तथा 'धन्यवाद' और 'क्षमा' जैसे व्यवहारिक गुणों का विकास करना है। मंत्री ने आंगनबाड़ी केंद्रों में इस प्रकार की शिक्षा को प्रभावी रूप से लागू करने के लिए कई व्यवहारिक सुझाव दिए। उन्होंने दिन की शुरुआत प्रार्थना, योग और प्राणायाम से करने, पंचतंत्र एवं लोककथाओं के माध्यम से नैतिक शिक्षा देने, त्योहारों और महापुरुषों की जयंती के जरिए सांस्कृतिक जुड़ाव बढ़ाने, तथा दैनिक व्यवहार में 'नमस्ते', स्वच्छता और अनुशासन को शामिल करने पर बल दिया। साथ ही बच्चों में श्रम के प्रति सम्मान और प्रकृति प्रेम विकसित करने के लिए पौधारोपण एवं स्वच्छता जैसे छोटे-छोटे कार्यों को दिनचर्या का हिस्सा बनाने की बात कही। उन्होंने अभिभावकों की भूमिका को भी महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि महीने में 'संस्कार सभा' आयोजित कर माता-पिता को भी इस प्रक्रिया से जोड़ा जाए, ताकि घर और आंगनबाड़ी दोनों स्थानों पर बच्चों को समान वातावरण मिल सके।

विकास की नींव रखने वाले हाथों का सम्मान

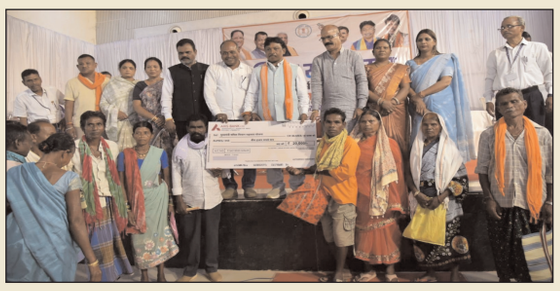

रायपुर। जगदलपुर के स्थानीय वीर सावरकर भवन में शुक्रवार को निर्माण श्रमिकों के सशक्तिकरण और उन्हें शासन की योजनाओं से जोड़ने के उद्देश्य से एक श्रमिक सम्मेलन का आयोजन किया गया। श्रम विभाग द्वारा छत्तीसगढ़ भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण मण्डल के मार्गदर्शन में आयोजित इस गरिमामयी कार्यक्रम में विकास की रीढ़ कहे जाने वाले श्रमिकों का न केवल सम्मान किया गया, बल्कि उन्हें विभिन्न योजनाओं से लाभान्वित भी किया गया। इस सम्मेलन में समूचे जिले के सुदूर अंचलों से आए बड़ी संख्या में श्रमिकों ने हिस्सा लिया, जिससे पूरा परिसर उनकी उत्साहजनक उपस्थिति से सराबोर नजर आया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित सांसद बस्तर श्री महेश कश्यप और नगर निगम सभापति श्री खेमसिंह देवांगन सहित अन्य जनप्रतिनिधियों ने दीप प्रज्वलित कर आयोजन का शुभारंभ किया। इस अवसर पर जन प्रतिनिधियों ने अपने संबोधन में श्रमिकों को राष्ट्र का असली निर्माता बताते हुए कहा कि सरकार का मुख्य लक्ष्य अंतिम छोर पर खड़े व्यक्ति के जीवन स्तर में सुधार लाना है। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सांसद श्री महेश कश्यप ने अपने उद्बोधन में कहा कि श्रमिक केवल मजदूरी करने वाला व्यक्ति नहीं, बल्कि नए भारत के निर्माण का आधार है। उन्होंने श्रमिकों को उनके अधिकारों के प्रति सजग रहने का आह्वान करते हुए विश्वास दिलाया कि सरकार सदैव उनके साथ खड़ी है। श्री कश्यप ने शासन द्वारा श्रमिकों के लिए चलाए जा रहे विभिन्न 31 योजनाओं की जानकारी और अन्य सुरक्षा योजनाओं के लाभ पर जोर देते हुए कहा कि हर श्रमिक का पंजीकरण होना अनिवार्य है ताकि शासन की मदद उन तक बिना किसी बाधा के पहुँच सके। इस अवसर पर नगर निगम सभापति श्री खेमसिंह देवांगन ने भी कार्यक्रम को संबोधित किया। मंच से जनप्रतिनिधियों के कर-कमलों द्वारा पात्र हितग्राहियों को विभिन्न विभागीय योजनाओं के तहत सहायता राशि के चेक वितरित किए गए, जिसे पाकर श्रमिकों के चेहरों पर संतोष और खुशी के भाव स्पष्ट नजर आए। इस सम्मेलन की सबसे बड़ी विशेषता मौके पर ही समाधान की रही, जहाँ श्रम विभाग द्वारा लगाए गए विशेष पंजीकरण शिविरों के माध्यम से नए श्रमिकों का तत्काल पंजीयन किया गया।

धोवाताल की 60 महिलाओं ने रची आत्मनिर्भरता की मिसाल

रायपुर। बकरी और मुर्गीपालन ग्रामीण क्षेत्रों में आत्मनिर्भरता का एक सशक्त और कम लागत वाला जरिया है। बिहान जैसी सरकारी योजनाओं से प्रशिक्षित होकर महिलाएं न केवल स्व-रोजगार कर रही हैं, बल्कि सालाना एक लाख से अधिक की कमाई कर परिवार की स्थिति सुदृढ़ बना रही हैं। यह व्यवसाय कम जगह में अधिक मुनाफा और पशु सखी के माध्यम से सही प्रबंधन प्रदान करती हैं। महिलाएं संगठित होकर बकरी पालन और पोल्ट्री; मुर्गीपालन के माध्यम से लखपति बन रही हैं, जो ग्रामीण अर्थव्यवस्था को बदल रही है।

छत्तीसगढ़ के मनेन्द्रगढ-चिरमिरी-भरतपुर जिले के वनांचल क्षेत्र का छोटा सा गांव धोवाताल आज आत्मनिर्भरता और सामूहिक प्रयास की मिसाल बनकर उभर रहा है। जहां कई जगह गौठान योजनाएं निष्क्रिय पड़ी हैं, वहीं इस गांव की 60 महिलाओं ने गौठान को किराए पर लेकर उसे आजीविका के मजबूत केंद्र में बदल दिया है। करीब 150 घरों और 510 की आबादी वाले इस गांव में महिलाओं ने स्वयं सहायता समूहों के जरिए आर्थिक क्रांति की शुरुआत की है। इनकी मेहनत से न केवल परिवारों की आय बढ़ी है, बल्कि गांव में रोजगार के नए अवसर भी पैदा हुए हैं।

5 समूह, एक लक्ष्य-आत्मनिर्भर गांव- बजरंगबली समूह (बकरी पालन) - अध्यक्ष सूरजवती के नेतृत्व में फूलमती, मानमती, सोनमती, सुभद्रा, गुड़िया, कमलिया, पुष्पलता, सुमित्रा सहित सदस्य बकरी पालन कर रही हैं। सिद्धबाबा समूह (मुर्गी पालन) - अध्यक्ष कृष्णकुमारी के साथ आभा, उर्मिला, केवली, प्रेमिया, कुन बाई, गुलबिया एवं सोनकुवर मुर्गी पालन से जुड़ी हुई हैं। महिला सशक्तिकरण समूह (किराना दुकान) - अध्यक्ष इन्द्र कुंवर के नेतृत्व में फूलमतिया, संतोषी, धरम कुमारी, राजकुमारी, रूकमनी, मान कुंवर एवं सेती बाई किराना दुकान का संचालन कर रही हैं। सीता महिला समूह (बहुआयामी आजीविका) - अध्यक्ष दुरपतिया के साथ रूनिया, बसंती, लीलावती, कुशमिला, सूरजवती, चंदा एवं बिलासो बाई सुकर पालन के साथ बटेर और मछली पालन का कार्य कर रही हैं और दुर्गा महिला समूह (किराना व मनिहारी दुकान) - अध्यक्ष गीता के नेतृत्व में मानमती, कुसुम कली, रामकली, मंगलिया, सुमन, शांति, रूपा एवं चम्पाकली दुकान संचालन में जुटी हैं।

सहायता को बनाया निवेश, खड़ा किया व्यवसाय- महिलाओं को कलस्टर स्तर से मिली 60-60 हजार रुपये की सहायता को खर्च करने के बजाय उन्होंने इसे निवेश में बदल दिया। आज उनके उत्पाद बहरासी और चुटकी जैसे हाट-बाजारों के साथ-साथ मध्यप्रदेश तक पहुंच रही हैं।

खेल और खिलाड़ियों को आगे बढ़ाने टूर्नामेंट आवश्यक : श्री अरुण साव

रायपुर। उप मुख्यमंत्री तथा खेल एवं युवा कल्याण मंत्री श्री अरुण साव आज रायपुर के जोरा स्थित इंटरनेशनल टेनिस स्टेडियम में आयोजित गोंडवाना कप ऑल इंडिया टेनिस टूर्नामेंट-2026 के समापन समारोह में शामिल हुए। उन्होंने मिश्रित और एकल के विजेता खिलाड़ियों को पुरस्कार प्रदान किए। उप मुख्यमंत्री श्री साव ने खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ में गोंडवाना कप का आयोजन अनेक वर्षों से हो रहा है। प्रदेश में लगातार खेल प्रतियोगिताएं होने से खिलाड़ियों को बेहतर अवसर मिलता है और अच्छे खिलाड़ी निकल कर आते हैं। टूर्नामेंट में 20 राज्यों के 120 खिलाड़ियों का भाग लेना इसकी सफलता को बताता है। श्री साव ने कहा कि खेल और खिलाड़ियों को आगे बढ़ाने के लिए खिलाड़ी टूर्नामेंट आवश्यक हैं। इसके बिना खेल और खिलाड़ी दोनों आगे नहीं बढ़ सकते। गोंडवाना कप जैसी प्रतियोगिताएं लगातार होने चाहिए। इन विजेता खिलाड़ियों को प्रदान की ट्रॉफी महिला डबल्स के फाइनल मुकाबले में शताक्षी चौधरी और अनन्या जैन (उत्तर प्रदेश) की जोड़ी ने स्निग्धा पाटिबंडला और इरम जैदी को 3-6, 6-3, 10-7 से हराकर खिताब जीता। वहीं पुरुष डबल्स में निरव शेट्टी और अनुप बंगार्गी (महाराष्ट्र) की जोड़ी ने प्रसाद इंगाले और परितोष पवार को 6-2, 6-4 से हराया। वहीं महिला एकल में राजस्थान की आयुषी तनवार ने उत्तरप्रदेश की शताक्षी चौधरी को 2-6, 6-2, 6-2 से हराकर खिताब अपने नाम किया। पुरुष एकल में तेलंगाना के नैशिक रेड्डी गनागामा ने महाराष्ट्र के प्रसाद इंगाले को 7-6 (7-4), 6-3 से हराकर विजेता बने। उप मुख्यमंत्री श्री साव ने सभी विजेता खिलाड़ियों को ट्रॉफी प्रदान की। समापन समारोह में एआईटीए (AITA) के महासचिव श्री अनिल धुपर, स्टेट टेनिस एसोसिएशन के अध्यक्ष और हरिभूमि के प्रधान संपादक डॉ. हिमांशु द्विवेदी, श्री गुरुचरण सिंह होरा, उपाध्यक्ष श्री नरेश गुप्ता और श्री आशीष सराफ सहित बड़ी संख्या में खिलाड़ी एवं खेलप्रेमी मौजूद थे। श्री साव ने बताया कि 24 अप्रैल से 26 अप्रैल तक श्रीनगर में चिंतन शिविर का आयोजन हो रहा है। इसमें सभी राज्यों के खेल मंत्री और भारत सरकार के मंत्री व अधिकारी शामिल होंगे। उन्होंने बताया कि 2047 में जब देश आजादी के 100 वर्ष पूरा करे तो देश विकसित बने, इसके साथ ही खेल के क्षेत्र में भी भारत दुनिया में अग्रणी देश बने, इस लक्ष्य की प्राप्ति के लिए योजना बनाकर प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में काम हो रहा है।

आगामी मई -जून माह में संभावित स्थानीय निकायो के आम/उप चुनाव के दृष्टिगत मतदाता सूची पुनरीक्षण की तैयारियां तेज

रायपुर। छत्तीसगढ़ राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा आगामी नगरीय निकाय एवं त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव मई जून-2026 की तैयारियों को गति प्रदान की जा रही है। इसी क्रम में आज निर्वाचक नामावली प्रेक्षकों की ब्रीफिंग आयोजित की गई, जिसकी अध्यक्षता राज्य निर्वाचन आयुक्त श्री अजय सिंह ने की।राज्य निर्वाचन आयुक्त श्री अजय सिंह ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि मतदाता सूची पुनरीक्षण कार्य त्रुटिरहित, पारदर्शी एवं समयबद्ध ढंग से सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि किसी भी पात्र नागरिक का नाम मतदाता सूची से छूटना नहीं चाहिए तथा सभी दावा-आपत्तियों का गंभीरता से परीक्षण कर निर्धारित समय-सीमा में उनका निराकरण किया जाए। उन्होंने पुनरीक्षण कार्य की सघन निगरानी और प्रभावी सुपरविजन पर विशेष बल दिया। बैठक में आयोग ने स्पष्ट किया कि निर्वाचन प्रक्रिया के तहत मतदाता सूची का व्यापक पुनरीक्षण किया जा रहा है। इसके लिए 01 अप्रैल 2026 को अर्हता तिथि निर्धारित की गई है। इस तिथि तक 18 वर्ष की आयु पूर्ण करने वाले तथा भारत निर्वाचन आयोग की विधानसभा मतदाता सूची में शामिल नागरिक ही स्थानीय चुनाव में मतदाता बनने के पात्र होंगे। निर्वाचक नामावली का प्रारंभिक प्रकाशन 13 अप्रैल 2026 को किया जाएगा। इसके पश्चात 20 अप्रैल 2026 तक दावा-आपत्तियां प्राप्त की जाएंगी तथा 27 अप्रैल 2026 तक उनका निराकरण किया जाएगा। अंतिम मतदाता सूची का प्रकाशन 05 मई 2026 को किया जाएगा। आयोग द्वारा बताया गया कि मतदाता सूची में नाम जोड़ने, संशोधन एवं विलोपन के लिए निर्धारित प्रपत्रों के माध्यम से आवेदन प्राप्त किए जाएंगे। बैठक में रिक्त पदों की जानकारी भी साझा की गई। नगरीय निकायों में अध्यक्ष के 4पद एवं 60 पार्षद के पदों पर आम निर्वाचन तथा अध्यक्ष के 4 पद एवं 17 पार्षद पदों पर उप निर्वाचन प्रस्तावित है। वहीं, त्रिस्तरीय पंचायत निर्वाचन के अंतर्गत जनपद पंचायत सदस्य के 10 पद, सरपंच के 82 पद एवं पंचों के 1110 पद रिक्त हैं, जिन पर निर्वाचन संपन्न कराया जाएगा।

भाईचारे, सौहार्द और राष्ट्रीय एकता का दिया गया संदेश

रायपुर में सर्वधर्म मिलन समारोह का किया गया भव्य आयोजन

रायपुर। भारतीय पत्रकार संघ एवं स्टार वैदिक वेलफेयर फाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में 7 अप्रैल 2026, मंगलवार को सिविल लाइन स्थित वृन्दावन हॉल में भव्य सर्वधर्म मिलन समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य समाज में धार्मिक सौहार्द, आपसी भाईचारा और सामाजिक समरसता को मजबूत करना रहा।

कार्यक्रम का प्रभावशाली संचालन संजय शर्मा ने किया, जिन्होंने पूरे आयोजन को गरिमामय और सुव्यवस्थित ढंग से आगे बढ़ाया।

समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में छत्तीसगढ़ बाल संरक्षण आयोग की अध्यक्ष वर्णिका शर्मा जी उपस्थित रहीं। विशिष्ट अतिथियों के रूप में छत्तीसगढ़ चेम्बर ऑफ कॉमर्स की महिला विंग अध्यक्ष ईला गुप्ता जी, छत्तीसगढ़ प्रेस क्लब के पूर्व अध्यक्ष प्रकाश शर्मा जी, बृजेश चौबे जी, पूर्व महासचिव संदीप पुराणिक जी, प्रेस क्लब के वर्तमान

अध्यक्ष मोहन तिवारी जी, उपाध्यक्ष दिलीप साहू जी, कोषाध्यक्ष दिनेश यदु जी तथा संयुक्त सचिव भूपेश जांगड़े जी की गरिमामयी उपस्थिति रही।

इसके अलावा जनघोषणा के संपादक एवं वरिष्ठ पत्रकार विजय प्रकाश शुक्ला जी, डॉ. उदयभान सिंह चौहान जी, लक्ष्मीनारायण लाहोटी जी, नरेन्द्र पाण्डेय जी, पी.सी. रथ जी, सुधीर तम्बोली जी, प्रदीप दुबे जी, स्मार्ट सिनेमा के संपादक पी.एन. लकी जी, बंगबंधु के संपादक हैरी बैरागी जी, बी-फेर न्यूज़ के संपादक आनंद गुप्ता जी, भारतीय पत्रकार महासंघ के प्रदेश अध्यक्ष अब्दुल समिम, भारतीय पत्रकार महासंघ के प्रदेश सचिव परितोष शर्मा सहित अनेक गणमान्य नागरिक एवं पत्रकार साथी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के संरक्षक मो ज़ीशान विषेश अतिथि के रूप में शामिल हुए

स्टार वैदिक वेलफेयर फाउंडेशन की अध्यक्ष सैयद सलमा जी ने अपने उद्बोधन में कहा कि सर्वधर्म मिलन समारोह समाज में प्रेम, भाईचारे और आपसी सम्मान की भावना को मजबूत करने का एक महत्वपूर्ण प्रयास है। उन्होंने कहा कि भारत की संस्कृति विविधता में एकता की मिसाल है और हमें सभी धर्मों का सम्मान करते हुए मानवता के मार्ग पर आगे बढ़ना चाहिए।

वहीं फाउंडेशन की महासचिव श्रीमती आशा शर्मा ने अपने संबोधन में कहा कि ऐसे आयोजन समाज में सकारात्मक सोच और आपसी विश्वास को बढ़ाते हैं। उन्होंने कहा कि जब अलग-अलग धर्मों के लोग एक मंच पर आकर मानवता और शांति का संदेश देते हैं, तब समाज में नई ऊर्जा और सद्भाव का वातावरण बनता है।

कार्यक्रम के दौरान वक्ताओं ने समाज में आपसी सहयोग, सहिष्णुता और राष्ट्रीय एकता को मजबूत करने पर जोर दिया। अंत में आयोजकों ने सभी अतिथियों एवं उपस्थित जनों का आभार व्यक्त किया और भविष्य में भी ऐसे आयोजनों को निरंतर जारी रखने की बात कही। इस अवसर पर समाजिक संस्था एवं वरिष्ठ नागरिकों का सम्मान किया गया जिसमें दावतें ए इस्लामी मोहसिन ए आजम मिशन को बेहतरीन समाज सेवा के लिए पुरसकृत किया गया दावतें ए इस्लामी से मो शहज़ाद अत्तारी मो कासिम अत्तारी को इनाम से नवाजा गया वहीं मोहसिन ए आजम मिशन से मो आरिफ मो फ्हीम अब्दुल आबिद रफीक तालिब मो रौशन गुलाम हसन रुमी हाजी मो जाकिर शिक्षा के क्षेत्र में बेहतरीन स्थान के लिए सैय्यद स ईद जी इंडियन पब्लिक स्कूल का सम्मान किया गया समाज सेवा के लिए नवापारा मस्जिद के अल्तमस सिद्दकी जमात ए इस्लामी से मो शोहेब भाई को सम्मानित किया गया इस कार्यक्रम को सफल बनाने में प्रिया सेन आशु परवीन महिला पत्रकारों में मीनल दीदी विनिता मंडल शगुफ्ता शिरिन ज्योति राय सुघा बाघ सीमा दुबे वंदना पाटले रोमा दीदी सहीत सभी वरिष्ठ पत्रकार सम्माननीय वरिष्ठ नागरिक उपस्थित रहे।

संपादकीय

कॉलेजियम को लेकर बढ़ रहे असंतोष

कॉलेजियम सिस्टम के पक्ष में यही दलील दी जाती है कि जजों की नियुक्ति एवं तबादले सरकार के हाथ में चले गए, तो न्यायपालिका में राजनीतिक हस्तक्षेप होने लगेगा। मगर क्या कॉलेजियम ऐसे दखल से जजों को बचा पा रहा है? सुप्रीम कोर्ट के कॉलेजियम सिस्टम पर सवाल तो पुराने हैं, लेकिन अब इन्हें सर्वोच्च न्यायपालिका के अंदर से उठाया जा रहा है, तो स्पष्टत: इसे अधिक गंभीरता से लिया जाएगा। सुप्रीम कोर्ट के दो जजों- दीपांकर दत्त और मनमोहन ने इस व्यवस्था के संचालन को लेकर गंभीर टिप्पणियां की हैं। दोनों की शिकायतें अलग-अलग हैं, लेकिन उससे कॉलेजियम को लेकर बढ़ रहे असंतोष की झलक मिलती है। जस्टिस दत्त ने कहा कि जिन जजों ने साहस एवं नैतिक दृढ़ता का परिचय दिया, कॉलेजियम उन्हें संरक्षण देने में नाकाम रहा। उन्होंने चेताया कि ऐसी घटनाओं से सिद्धांतों को तरहीज देने वाले जज हतोत्साहित हो सकते हैं। न्यायमूर्ति मनमोहन ने कॉलेजियम के प्रति हाई कोर्ट के जजों में बढ़े अविश्वास की चर्चा की। कहा कि न्यायिक नियुक्तियों के मामले में हाई कोर्ट से आई सिफारिशों को अहमियत ना दिए जाने की शिकायत गहरा गई है, इसलिए कॉलेजियम को इस पर आत्म-निरीक्षण करना चाहिए। उन्होंने कहा कि कॉलेजियम और केंद्र सरकार हाई कोर्ट के मुख्य न्यायाधीशों के प्रति संदेह का रुख रखते हैं। तो मुद्दा यह है कि कॉलेजियम अगर कर्त्तव्यनिष्ठ जजों को संरक्षण नहीं दे सकता, तो फिर उसके होने का औचित्य क्या है? ये प्रणाली खुद सुप्रीम कोर्ट ने अपने फैसले से स्थापित की और इसमें बदलाव की कोशिशों को वह नाकाम करता रहा है। इसके पक्ष में यही दलील दी जाती है कि जजों की नियुक्तियां/तबादले सरकार के हाथ में चले गए, न्यायपालिका में राजनीतिक हस्तक्षेप की गुंजाइश बन जाएगी। मगर अब सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश भी संकेत दे रहे हैं कि प्रधान न्यायाधीश की अध्यक्षता वाला कॉलेजियम सियासी दखल से जजों को संरक्षण नहीं दे पा रहा है। कॉलेजियम के पीछे मुख्य धारणा यही है कि इसका मकसद ये सुनिश्चित करना है कि न्यायपालिका पूर्ण स्वतंत्रता से काम कर सके। मगर, ऐसा तभी संभव है, जब संस्था की अंदरूनी कार्य-प्रणाली आम-सहमति और व्यापक भागीदारी से प्रेरित हो। उच्चतम न्यायालय के पांच जज बाकी सबकी सिफारिशों की अनदेखी करने लगें, तो फिर इस व्यवस्था के लोकतांत्रिक स्वरूप पर प्रश्न खड़े होंगे। दुर्भाग्यपूर्ण है कि आज ऐसा ही हो रहा है।

महात्मा ज्योतिराव फुले: भारत के दिव्य पथ-प्रदर्शक

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी

आज 11 अप्रैल हम सभी के लिए बहुत विशेष दिन है। आज भारत के महान समाज सुधारकों में से एक और पीढ़ियों को दिशा दिखाने वाले महात्मा ज्योतिराव फुले की जन्म-जयंती है। इस वर्ष यह अवसर और भी अधिक महत्वपूर्ण है, क्योंकि उनके 200वें जयंती वर्ष का शुभारंभ भी हो रहा है।

महान समाज सुधारक महात्मा फुले का जीवन नैतिक साहस, आत्म चिंतन और समाज के हित के लिए अटूट समर्पण का प्रेरक उदाहरण है। महात्मा फुले को केवल उनकी संस्थाओं या आंदोलनों के लिए ही याद नहीं किया जाता, बल्कि उन्होंने लोगों के मन में जो आशा और आत्मविश्वास जगाया, उसका व्यापक प्रभाव हम आज भी महसूस करते हैं। उनके विचार देशवासियों के लिए प्रेरणापुंज हैं।

महात्मा फुले का जन्म 1827 में महाराष्ट्र में एक बहुत साधारण परिवार में हुआ। लेकिन शुरुआती चुनौतियां कभी उनकी शिक्षा, साहस और समाज के प्रति समर्पण को नहीं रोक पाईं। उन्होंने हमेशा यह माना कि चाहे कितनी भी कठिनाइयां क्यों न आएं, इंसान को मेहनत करनी चाहिए, ज्ञान हासिल करना चाहिए और समस्याओं का समाधान करना चाहिए, न कि उन्हें अनदेखा करना चाहिए। बचपन से ही महात्मा फुले बहुत जिज्ञासु थे और अपनी उम्र के अन्य बच्चों की अपेक्षा कहीं अधिक पुस्तकें पढ़ते थे। वो कहते भी थे, 卐हम जितना ज्यादा सवाल करते हैं, उनसे उतना ही अधिक ज्ञान निकलता है।卐 साफ है कि बचपन से मिली जिज्ञासा उनकी पूरी यात्रा में बनी रही। महात्मा फुले के जीवन में शिक्षा सबसे महत्वपूर्ण मिशन बनी। उनका मानना था कि ज्ञान किसी एक वर्ग की संपत्ति नहीं, बल्कि एक ऐसी शक्ति है, जिसे सभी के साथ साझा किया जाना चाहिए। जब समाज के बड़े हिस्से को शिक्षा से वंचित रखा जाता था, तब उन्होंने लड़कियों और वंचित वर्गों के लिए स्कूल खोले। वे कहते थे, बच्चों में जो सुधार मां के माध्यम से आता है, वह बहुत महत्वपूर्ण होता है। इसलिए अगर स्कूल खोले जाएं, तो सबसे पहले लड़कियों के लिए खोले जाएं। उन्होंने शिक्षा को न्याय और समानता का माध्यम बनाया।

शिक्षा के प्रति उनका दृष्टिकोण हमें आज भी बहुत प्रेरित करता है। पिछले एक दशक में भारत ने युवाओं के लिए रिसर्च और इनोवेशन को बहुत प्राथमिकता दी है। एक ऐसा इकोसिस्टम बनाने का प्रयास किया गया है, जिसमें युवा सवाल पूछने, नई चीजें सीखने और इनोवेशन के लिए प्रेरित हों। ज्ञान, कौशल और अवसरों में निवेश करके भारत अपने युवाओं को देश की प्रगति का आधारस्तंभ बना रहा है।

अपने शैक्षिक ज्ञान और बौद्धिकता से महात्मा फुले ने कृषि, स्वास्थ्य और ग्रामीण विकास जैसे क्षेत्रों की गहरी जानकारी हासिल की। वे कहते थे कि किसानों और मजदूरों के साथ

अन्याय समाज को कमजोर करता है। उन्होंने देखा कि सामाजिक असमानताएं खेतों और गांवों में लोगों के जीवन को कैसे प्रभावित करती हैं। इसलिए उन्होंने गरीबों, वंचितों और कमजोर वर्गों को सम्मान दिलाने के लिए अपना जीवन समर्पित कर दिया। इसके साथ ही उन्होंने सामाजिक सद्भाव बनाए रखने के लिए भी हरसंभव प्रयास किए।

महात्मा फुले ने कहा था, जोपर्यंत समाजातील सर्वांना समान अधिकार मिळत नाहीत, तोपर्यंत खरे स्वातंत्र्य मिळत नाही यानी जब तक समाज के सभी लोगों को समान अधिकार नहीं मिलते, तब तक सच्ची आजादी नहीं मिल सकती। इसी विचार को जमीन पर उतारने के लिए उन्होंने कई संस्थाओं की स्थापना की। उनका सत्यशोधक समाज, आधुनिक भारत के सबसे महत्वपूर्ण समाज सुधार आंदोलनों में से एक था। यह आंदोलन सामाजिक सुधार, सामुदायिक सेवा और मानवीय गरिमा को बढ़ावा देने में अग्रणी रहा था। यह महिलाओं, युवाओं और गांवों में रहने वाले लोगों की पुरजोर आवाज बना। यह आंदोलन उनके इस विश्वास को दर्शाता है कि समाज की मजबूती के लिए न्याय, हर व्यक्ति के प्रति सम्मान और सामूहिक प्रगति जरूरी है।

उनका व्यक्तिगत जीवन भी साहस की मिसाल रहा। लगातार लोगों के बीच रहकर काम करने का असर उनके स्वास्थ्य पर भी पड़ा। लेकिन गंभीर बीमारी भी उनके संकल्प को कमजोर नहीं कर सकी। एक गंभीर स्ट्रोक के बाद भी उन्होंने अपना काम और समाज के लिए संघर्ष जारी रखा। उनका शरीर कमजोर हुआ, लेकिन समाज के प्रति उनका समर्पण कभी नहीं डगमगाया। आज भी करोड़ों लोग उनके जीवन के इस पहलू से प्रेरणा लेते हैं।

महात्मा फुले का स्मरण, सावित्रीबाई फुले के सम्मानजनक उल्लेख के बिना अधूरा है। वह स्वयं भारत की महान समाज सुधारकों में से एक थीं। भारत की पहली महिला शिक्षिकाओं में शामिल सावित्रीबाई ने लड़कियों की शिक्षा को आगे बढ़ाने में बेहद अहम भूमिका निभाई। महात्मा फुले के निधन के बाद भी उन्होंने इस कार्य को जारी रखा। 1897 में प्लेग महामारी के दौरान उन्होंने मरीजों की इतनी सेवा की कि वह स्वयं भी इस बीमारी की शिकार हो गईं और उनका निधन हो गया।

भारतभूमि बार-बार ऐसी महान विभूतियों से धन्य होती रही है, जिन्होंने अपने विचार, त्याग और कर्म से समाज को मजबूत बनाया है। उन्होंने बदलाव का इंतजार नहीं किया, बल्कि स्वयं बदलाव का माध्यम बने। सदियों से हमारे देश में समाज सुधार की आवाज उन्हीं लोगों से उठी है, जिन्होंने पीड़ा को भाग्य नहीं माना, बल्कि उसे खत्म करने के प्रयासों में जुटे रहे। महात्मा ज्योतिराव फुले भी ऐसे ही महान व्यक्तित्व थे। मुझे 2022 में पुणे की अपनी यात्रा याद है, जब मैंने शहर में महात्मा फुले की भव्य प्रतिमा पर उन्हें श्रद्धांजलि दी थी। उनके 200वें जयंती वर्ष की शुरुआत पर हम उनके विचारों को अपनाकर ही उन्हें सच्ची श्रद्धांजलि दे सकते हैं। हमें शिक्षा के प्रति अपने संकल्प को मजबूत करना होगा। अन्याय के प्रति संवेदनशील बनना होगा और यह विश्वास रखना होगा कि समाज अपने प्रयासों से ही खुद को बेहतर बना सकता है। उनका जीवन हमें सिखाता है कि समाज की शक्ति को जनहित और नैतिक मूल्यों से जोड़कर भारत में क्रांतिकारी बदलाव लाए जा सकते हैं। यही कारण है कि आज भी उनके विचार करोड़ों लोगों में नई उम्मीद जगाते हैं। महात्मा ज्योतिराव फुले 200 साल बाद भी केवल इतिहास का नाम नहीं, बल्कि भारत के भविष्य के मार्गदर्शक बने हुए हैं।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लिए पश्चिमी बंगाल अग्नि परीक्षा?

अजय दीक्षित

23 और 29 अप्रैल को होने वाले पश्चिमी बंगाल विधानसभा चुनाव भारतीय जनता पार्टी और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विशेष महत्व रखते हैं इन चुनावों की उतनी ही अहमियत है जितनी उत्तर प्रदेश के विधानसभा चुनाव की होती है बल्कि उससे इस मायने में अधिक है कि भारतीय जनता पार्टी पश्चिमी बंगाल में अटलविहारी वाजपई के समय से जनाधार जुटाने में लगी है। अटलजी के मंत्री परिषद में तपन सिकदर पहली बार राज्य मंत्री 1999 में बने थे।तब से भारतीय जनता पार्टी ने पीछे मुड़कर नहीं देखा है।2014 के लोकसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी को 04 सीट मिली थी लेकिन 2016 के विधानसभा चुनाव में पार्टी को 03 सीट मिली पर वोट शेयर 10 फीसदी था ।तब पश्चिमी बंगाल में सीपीएम, कांग्रेस दूसरे और तीसरे स्थान पर थी । तृणमूल कांग्रेस सत्ता में बैठी और ममता बनर्जी दूसरी बार मुख्यमंत्री बनी। उस के बाद पश्चिमी बंगाल के लोगों ने भारतीय जनता पार्टी को गंभीरता से लिया और 2019 लोकसभा चुनाव में भाजपा को 39 फीसदी वोट और 42 में से 18 सीट मिली थी सीपीएम,कांग्रेस का एक एक सांसद चुना गया था यही से भारतीय जनता पार्टी की पश्चिमी बंगाल यात्रा शुरू हुई।सीपीएम का वोट शेयर मात्र 8 फीसदी पर आ गया और कांग्रेस का 03 फीसदी।2024 के लोकसभा और 2021 विधानसभा चुनाव में 77 विधायक जीतकर आए।वोट शेयर 39 फीसदी मिला । उल्लेखनीय यह रहा कि नंदीग्राम से भारतीय जनता पार्टी के नेता सुबेंदु अधिकारी ने ममता बनर्जी को हरा दिया। इन चुनावों में ममता बनर्जी ने बंगाल अस्मिता का मुद्दा उठाया और वह कामयाब रहा था लेकिन इस बार भाजपा ने रणनीत बदलकर ममता बनर्जी की सरकार को केंद्रित किया है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने विधानसभा चुनाव की अपने हाथ में ली है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कोलकाता, मुर्शिदाबाद की रैली में राज्य के विकास, महिलाओं की स्थिति, सरकार का भ्रष्टाचार, तृणमूल कांग्रेस की मनमानी,को मुख्य रूप से उठाया है । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लिए पश्चिमी बंगाल विधानसभा चुनाव बहुत मायने रखता है। पश्चिमी बंगाल से 2029 लोकसभा चुनाव का रास्ता निकलेगा। भारतीय जनता पार्टी, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ चाहता कि 2029 में भाजपा अकेले दम पर 350 सीट जीते उसके लिए पश्चिमी बंगाल में 42 लोकसभा सीट पर भी उनकी नजर है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ, भारतीय मजदूर संघ, और विद्या भारती,बनवासी कल्याण परिषद,सेवा भारती, संस्कृत भारती,आदि बुनियादी संगठनों का फैलाव भी इस विधानसभा चुनाव से जुड़ा है। पश्चिमी बंगाल में अवैध मुस्लिम, बांग्लादेशी घुसपैठ,सीमांत प्रदेश होने के कारण सामरिक विषय भी मुख्य मुद्दा है। चुनाव विश्लेषकों का मानना है कि अगर भारतीय जनता पार्टी 43 से 45 तक वोट शेयर करती है तो उसे पूर्ण बहुमत मिल सकता है। भारतीय जनता पार्टी का एक तबका चाहता है कि तुड़मूल के हिंदू समर्थक अगर जरा भी चेते तो बंगाल में सत्ता परिवर्तन करने से कोई रोक नहीं सकता। दूसरी मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने एस आई आर को मुख्य मुद्दा बनाया है। लेकिन इस मुद्दे हवा निकल रही है क्योंकि सर्वोच्च न्यायालय ने उनके अनुरोध को स्वीकार न्यायाधीश को काम पर लगाया है।मालदा में कुछ मुस्लिम ने उन पर ही हमला कर दिया है।अबकी बार चुनाव आयोग भी विशेष तैयारी से चुनाव कराने जा रहा है।उसने प्रत्येक मतदान केंद्र पर सीसीटीवी कैमरा लगाया और उसकी देखभाल अनुविभागीय अधिकारी करेगा ।दो चरणों होने वाले चुनाव में बेहिसाब अर्धसैनिक बलों की तैनादगी की गई है।

भारत की विकास गाथा के केंद्र में महिलाएँ

श्रीमती विजया रहाटकर

भारत की विकास गाथा को अक्सर संख्याओं, विकास दरों, अवसंरचना विस्तार और आर्थिक उपलब्धियों के रूप में व्यक्त किया जाता है। लेकिन, पिछले दशक का सबसे बड़ा बदलाव आँकड़ों से परे है। यह एक गहरे सामाजिक बदलाव में परिलक्षित होता है—महिलाओं का केवल भागीदार के रूप में नहीं, बल्कि राष्ट्र के भविष्य को आकार देने वाले अग्रिम व्यक्तियों के रूप में उभरना।

महिलाओं के नेतृत्व में विकास की ओर यह बदलाव न तो आकस्मिक है और न ही अलग-थलग है। यह एक सोच-समझकर किये गये सतत प्रयास का परिणाम है, जो जीवन के हर चरण में महिलाओं को समर्थन देने के लिए एक सक्षम इकोसिस्टम का निर्माण करता है। लड़की के जन्म से लेकर उद्यमी, पेशेवर, या सार्वजनिक प्रतिनिधि के रूप में उसकी यात्रा तक, यह दृष्टिकोण समग्र, सतत और परिवर्तनकारी रहा है।

राजनीतिक भागीदारी में एक महत्वपूर्ण परिवर्तन देखा गया है। निर्वाचित महिला प्रतिनिधियों की संख्या 12,14,885 है, जिनकी कुल 24,41,781 निर्वाचित प्रतिनिधियों में हिस्सेदारी 49.75 प्रतिशत है—इस प्रकार, महिलाएँ जमीनी स्तर पर शासन में सक्रिय रूप से भाग ले रही हैं। इस क्रम में, नारी शक्ति वंदन अधिनियम एक ऐतिहासिक और परिवर्तनकारी उपलब्धि है, जिसके तहत लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं के लिए एक-तिहाई आरक्षण की व्यवस्था की गयी है। यह उच्च विधायी क्षेत्रों में महिलाओं की नेतृत्व क्षमता को मजबूत करने में राष्ट्र की अडिग प्रतिबद्धता को प्रतिबिंबित करता है। इस ऐतिहासिक सुधार की वास्तविक क्षमता केवल इसके प्रभावी कार्यान्वयन के माध्यम से ही हासिल की जा सकती है। अधिनियम की प्रावधानों को जल्द से जल्द लागू करने की आवश्यकता है, ताकि महिलाओं की आवाज़ को सिर्फ मान्यता ही न मिले, बल्कि देश की लोकतांत्रिक संरचना में इसे संस्थागत रूप से समाहित किया जा सके। इसके जल्द लागू होने से न केवल समावेशी शासन को गति मिलेगी, बल्कि यह बेहतर प्रतिनिधित्व और न्यायसंगत राजनीतिक परिदृश्य के लिए एक शक्तिशाली उत्प्रेरक के रूप में भी कार्य करेगा। दशकों तक, लैंगिक पक्षपात ने भारत के जनसांख्यिकीय और सामाजिक संकेतकों को प्रभावित किया। आज, वह कहानी धीरे-धीरे फिर से लिखी जा रही है। बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ जैसी पहलों ने गहरी जड़ें जमा चुकी मानसिकताओं को चुनौती देने और लड़की के मूल्य को सुदृढ़ करने का प्रयास किया है। इसका प्रभाव राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण (एनएफएचएस-5) में दिखाई देता है, जिसमें 1,000 पुरुषों पर 1,020 महिलाओं का लैंगिक अनुपात दर्ज किया गया है, जो सिर्फ संख्यात्मक सुधार ही नहीं बल्कि सामाजिक बदलाव का भी संकेत देता है। मिशन इंद्रधनुष जैसे कार्यक्रम जीवन के प्रारंभिक चरण में पूर्ण टीकाकरण सुनिश्चित करते हैं। मिशन सक्षम आंगनवाड़ी, पोषण 2.0, तथा पोषण अभियान के प्रयास कुपोषण का समाधान करते हैं—यह मानते हुए कि स्वस्थ बचपन, सशक्त वयस्कता की ओर पहला कदम होता है।

माताओं के लिए, संस्थागत समर्थन में काफी विस्तार हुआ है। पीएमएमवीवाई के तहत, 4.28 करोड़ से अधिक महिलाओं को 20,149 करोड़ रुपये से अधिक की धनराशि वितरित की गयी है, जो गर्भावस्था के दौरान वित्तीय सहायता प्रदान करती है।

महिलाएं केवल भाग ही नहीं ले रही हैं—वे नेतृत्व भी कर रही हैं। भारत के स्टार्टअप इकोसिस्टम में संस्थापक और निर्णयकर्ताओं के रूप में महिलाओं की भूमिका में लगातार वृद्धि हो रही है और वे नवाचार और उद्यम में भी योगदान दे रही हैं। इस परिवर्तन में वित्तीय समावेश ने अहम भूमिका निभाई है। पीएमएमवाई के तहत, 40 लाख करोड़ रुपये से अधिक मूल्य के 57.79 करोड़ ऋण प्रदान किए गए हैं, जिनमें लगभग 66 प्रतिशत लाभार्थी महिलाएं हैं। प्रत्येक ऋण केवल वित्तीय सहायता का ही नहीं, बल्कि महिलाओं की आकांक्षाओं में विश्वास का भी प्रतीक है। इसके पूरक रूप में, जन धन योजना के तहत वित्तीय समावेश और गहरा हुआ है, जिसके अंतर्गत 57.93 करोड़ बैंक खाते खोले गए हैं, जिनमें से 32.29 करोड़ (55.7 प्रतिशत) महिलाओं के हैं।

जमीनी स्तर पर, परिवर्तन का पैमाना और भी अधिक प्रभावशाली है। लगभग 10 करोड़ महिलाओं को 90 लाख से अधिक स्वयं-सहायता समूहों में संगठित किया गया है, जिससे सामूहिक सहनशीलता, वित्तीय स्वतंत्रता और सामाजिक आत्मविश्वास को बढ़ावा मिला है। इस इकोसिस्टम ने 3 करोड़ से अधिक महिलाओं को लखपति दीदी के रूप में उभरने में सक्षम बनाया है और स्वयं सहायता समूहों को 12.50 लाख करोड़ रुपये से अधिक का बैंक ऋण प्राप्त हुआ है। इसके अलावा, 84 लाख ग्रामीण महिलाएं उद्यमी बन चुकी हैं, जबकि 5 करोड़ महिला किसानों ने उन्नत और सतत कृषि प्रथाओं में प्रशिक्षण प्राप्त किये हैं। स्वाभाविक रूप से अगला सवाल उठता है—क्या सशक्तिकरण, आजीविका से समृद्धि की ओर बढ़ सकता है? लखपति दीदी जैसी पहलों का लक्ष्य आय सृजन को मजबूत करना है, जबकि ड्रोन दीदी पहल, जिसका लक्ष्य 15,000 महिलाओं को ड्रोन पायलट के रूप में प्रशिक्षित करना है, एक दूरदर्शी दृष्टिकोण को परिलक्षित करती है—ग्रामीण महिलाओं को प्रौद्योगिकी-संचालित कृषि इकोसिस्टम में एकीकृत करना।

सशक्तिकरण का मतलब रोजमर्रा के बोझ को आसान बनाना भी है। प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के तहत 10.56 करोड़ से अधिक धुँआ-रहित रसोई घरों ने स्वास्थ्य में सुधार किया है और कठिनाइयों को कम किया है। स्वच्छ भारत मिशन के तहत 11.8 करोड़ से अधिक शौचालयों के निर्माण ने गरिमा और सुरक्षा में वृद्धि की है। प्रधानमंत्री आवास योजना, जिसकी 73 प्रतिशत लाभार्थी महिलाएं हैं, के तहत निर्मित घरों ने स्वामित्व और सुरक्षा को मजबूत किया है। साथ मिलकर ये सभी पहलें दैनिक जीवन में गरिमा की परिभाषा को नए सिरे से स्थापित करती हैं।

इसके साथ ही, महिलाएं उन स्थानों में भी प्रवेश कर रही हैं, जिन्हें कभी उनकी पहुँच से बाहर माना जाता था। सशस्त्र बल इस बदलती हुई वास्तविकता को दर्शाते हैं, जहाँ महिलाएँ नेतृत्व और जिम्मेदारी की भूमिकाएँ निभा रही हैं, जिसमें युद्ध क्षेत्र भी शामिल हैं। सवाल अब यह नहीं है कि महिलाएँ सेवा कर सकती हैं या नहीं, बल्कि यह है कि वे कितनी दूर तक नेतृत्व कर सकती हैं।

कार्यस्थल सुधारों ने भी इस बदलाव में योगदान दिया है। नयी श्रम संहिताएँ महिला कर्मचारियों को उचित सुरक्षा उपायों के साथ विभिन्न क्षेत्रों में, जिसमें रात की शिफ्ट भी शामिल है, काम करने में सक्षम बनाकर समावेश को बढ़ावा देती हैं। ये संहिताएँ समान वेतन, सामाजिक सुरक्षा और सम्मान पर जोर देती हैं—सुरक्षा से सशक्तिकरण की ओर बदलाव को रेखांकित करती हैं।

संस्थागत समर्थन एक महत्वपूर्ण स्तंभ रहा है। राष्ट्रीय महिला आयोग (एनसीडब्ल्यू) ने शिकायत निवारण से आगे बढ़कर सक्रिय जुड़ाव और क्षमता निर्माण के क्षेत्र में भी अपना विस्तार किया है। शी सर्वस जैसी पहल महिला अभ्यर्थियों का मार्गदर्शन करती हैं।

युद्ध के माहौल में ऊर्जा की मांग को पूरा करना बड़ी चुनौती!

दीपक कुमार त्यागी

देश व दुनिया के नीति-निर्माता यह अच्छे से जानते हैं कि किसी भी देश की ऊर्जा प्रणाली उस देश के विकास की नींव होती है, लेकिन पिछले एक माह से भी अधिक समय से चल रहे ईरान अमेरिका व इज़रायल के भीषण युद्ध ने इस नींव को जबरदस्त ढंग से हिलाने का कार्य कर दिया है। अमेरिका-इज़रायल व ईरान के इस युद्ध ने पूरी दुनिया को एक बहुत बड़ा कटु सबक दे दिया है, इस युद्ध ने बता दिया है कि ऊर्जा के क्षेत्र में किसी भी दूसरे देश पर बहुत ज्यादा ही निर्भर रहना आज के जबरदस्त प्रतियोगिता व व्यावसायिक दौर में ख़तरे से खाली नहीं है। इस युद्ध ने दिखा दिया है कि ऊर्जा के लिए किसी भी अन्य देश पर बहुत अधिक निर्भर रहना राष्ट्र के विकास से बहुत बड़ी बाधा उत्पन्न कर सकता है। आज के युग में विकास के पहिए को अनवरत चलाने के लिए ऊर्जा के क्षेत्र में विविधता अवश्य होनी चाहिए, देश को किसी भी एक तरह की ऊर्जा प्रणाली पर बिल्कुल भी निर्भर नहीं होना चाहिए, ऊर्जा के क्षेत्र में हर समय विकल्प अवश्य उपलब्ध होने चाहिए। वैसे भी देखा जाएं तो ऊर्जा क्षेत्र में विविधता जोखिम को अवश्य कम करने का कार्य करती है। इसलिए यह आवश्यक है कि युद्ध व किसी भी अन्य आपदा जैसी विषम परिस्थितियों में जीवन को सुचारू रूप है चलाने के लिए अपने प्यारे देश भारत में ऊर्जा की निरंतर आपूर्ति को सुनिश्चित करने के लिए ऊर्जा क्षेत्र में तेज़ी से विविधता लाने की आवश्यकता है। ऊर्जा क्षेत्र से जुड़े आंकड़ों की बात करें तो हाल ही में राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय ने 'ऊर्जा सांख्यिकी भारत 2026' से जुड़े महत्वपूर्ण आंकड़े जारी किये हैं, जिसमें भारत के ऊर्जा क्षेत्र से जुड़े हुए ऊर्जा संसाधनों के भंडार, उत्पादन, खपत और व्यापार के आंकड़े शामिल हैं। इस रिपोर्ट के आंकड़ों के अनुसार देश की कुल प्राथमिक ऊर्जा आपूर्ति (टीपीईएस) वित्त वर्ष 2024-25 में 2.95त्न बढ़कर 9,32,816 किलो टन तेल समतुल्य (केटीओई) तक पहुंच गई। रिपोर्ट देश में नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता में हो रही तीव्र वृद्धि को दर्शाती है, जोकि 31 मार्च, 2025 तक 47,04,043 मेगावाट तक पहुंच गई, जिसमें सौर ऊर्जा का कुल क्षमता का लगभग 71 प्रतिशत हिस्सा है, फ़िर पवन ऊर्जा और जलविद्युत परियोजनाएं हैं। इस रिपोर्ट में नवीकरणीय ऊर्जा की क्षमता में भी जबरदस्त वृद्धि देखी गई है, जो 2016 में 90,134 मेगावाट से बढ़कर 2025 में 2,29,346 मेगावाट हो गई है, नवीकरणीय स्त्रोतों से बिजली उत्पादन वित्त वर्ष 2015-16 में 1,89,314 गीगावाट घंटे से बढ़कर वित्त वर्ष 2024-25 में 4,16,823 गीगावाट घंटे तक हो गया है। हालांकि इस रिपोर्ट के आंकड़ों के अनुसार देश में कोयला आज भी ऊर्जा प्रदान का सबसे अहम स्त्रोत बना हुआ है, जिसके चलते ही कोयला की आपूर्ति वित्त वर्ष 2015-16 में 3,87,761 किलोटाइम ई.ई. से बढ़कर वित्त वर्ष 2024-25 में 5,52,315 किलोटाइम ई.ई. हो गई है। इस रिपोर्ट के आंकड़ों के मुताबिक देश में कच्चे तेल और प्राकृतिक गैस जैसे ऊर्जा के अन्य स्त्रोतों में भी लगातार वृद्धि हो रही है। देश में प्रति व्यक्ति ऊर्जा खपत में भी लगातार वृद्धि दर्ज की जा रही है, जोकि वित्त वर्ष 2015-16 में 15,296 मेगाजूल प्रति व्यक्ति से बढ़कर वित्त वर्ष 2024-25 में 18,096 मेगाजूल हो गई है। वहीं सभी क्षेत्रों में ऊर्जा की कुल अंतिम खपत (टीएफ्सी) में 30त्न से अधिक की वृद्धि हो गयी है, जोकि वित्त वर्ष 2024-25 में 6,08,578 केटीओई तक पहुंच गई, जोकि देश में औद्योगिक मांग और उपभोक्ता मांग में विस्तार का संकेत देती है। वैसे भी विकास की तेज गति के चलते भारत अब दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा ऊर्जा खपत करने वाला देश पहले से ही बन गया है और ऊर्जा जरूरतों में हर वर्ष 6.5 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि हो रही है। ऐसी स्थिति में युद्ध के इस माहौल में जब ईरान के द्वारा होर्मुज जलडमरूमध्य समुद्री मार्ग को बंद करके दुनिया की गैस व कच्चे तेल की सप्लाई को बड़े पैमाने पर बाधित किया गया है, उस दौर में ऊर्जा आपूर्ति को सुचारू रूप से निरंतर बनायें रखने के भारत की नरेन्द्र मोदी की सरकार के कूटनीतिक प्रयास काबिले-तारीफ हैं। अमेरिका-इज़रायल व ईरान के इस युद्ध ने हमारे प्यारे देश के नीति-निर्माताओं को यह सबक दे दिया है कि ऊर्जा क्षेत्र में अब विविधता बेहद ही आवश्यक है, क्योंकि देश को फ़िर कभी युद्ध के दौर में होर्मुज जलडमरूमध्य संकट जैसे हालातों से गुजरना ना पड़े। देश को तेल व गैस के रिजर्व के साथ-साथ रणनीतिक भंडार बढ़ानें और विभिन्न प्रकार के स्त्रोतों से प्राप्त होने वाली बिजली के उत्पादन को बढ़ाने की जरूरत है। जिससे कि देश में फ़िर कभी भी युद्ध या किसी भी अन्य तरह की आपदा जैसे हालात में ऊर्जा संकट के बादल ना मंडराएं। वैसे भी हमें यह समझना होगा कि युद्ध या युद्ध जैसी उत्पन्न स्थितियां अब पूरी दुनिया में ऊर्जा की आपूर्ति और अन्य सभी आवश्यक वस्तुओं की कीमतों को तुरंत प्रभावित करने का कार्य करती हैं, युद्ध के प्रभाव से मंहगाई का विस्फ़ोट होना एक स्वाभाविक प्रतिक्रिया है। जिस तरह से पिछले एक माह से अधिक समय से ईरान होर्मुज जलडमरूमध्य समुद्री मार्ग को बंद करके बैठा हुआ है, उससे पूरी दुनिया में लगभग 20 प्रतिशत कच्चे तेल और गैस की आपूर्ति बाधित हुई है, जिससे दुनिया भर में पेट्रोल-डीजल व गैस आदि का गंभीर संकट पैदा हो गया है, जिस वज़ह कुछ देशों में लॉकडाउन तक लगने लग गया है।

संक्षिप्त समाचार

सुकमा : जिला जेल सुकमा में बंदियों को आत्मनिर्भर बनाने की पहल

फास्ट फूड प्रशिक्षण से बदलेगी ज़िंदगी

सुकमा (समय दर्शन)। जिला जेल सुकमा में बंदियों के पुनर्वास और आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से एक सराहनीय पहल की जा रही है। जेल प्रशासन द्वारा बंदियों को कौशल विकास के तहत विभिन्न प्रशिक्षण दिए जा रहे हैं, ताकि वे जेल से बाहर निकलने के बाद सम्मानजनक जीवन जी सकें। इसी क्रम में रायपुर से आईं मास्टर ट्रेनर ज्योति पाल द्वारा 12 दिवसीय फास्ट फूड प्रशिक्षण कार्यक्रम संचालित किया जा रहा है। इस प्रशिक्षण में 35 बंदी भाग ले रहे हैं। उन्हें मोमोज, छोले-भटूरे, पानी पूरी, भेल पूरी, कचौड़ी, समोसा, नूडल्स, चाउमिन, सैंडविच, बर्गर, पुलाव और बिरयानी जैसे लोकप्रिय व्यंजन बनाना सिखाया जा रहा है। प्रशिक्षण के लिए आवश्यक सामग्री जेल प्रशासन द्वारा उपलब्ध कराई जा रही है और बंदियों को प्रायोगिक रूप से प्रशिक्षण दिया जा रहा है।

बंदियों ने जताया आभार

प्रशिक्षण ले रहे बंदियों ने इस पहल के लिए आभार व्यक्त किया। बंदी दिर्दो महेश ने बताया कि उन्होंने फ्राइड राइस, चाइनीज पकौड़ा, गोभी चिली और मंचूरियन बनाना सीख लिया है। वहीं बंदी अशोक कुमार ने कहा कि वे मोमोज और पानी पूरी जैसे व्यंजन बनाना सीखकर भविष्य में स्वयं का रोजगार शुरू करना चाहते हैं।

जेल अधीक्षक ने बताया उद्देश्य

सहायक जेल अधीक्षक श्री राजेश बिसेन ने बताया कि बंदियों को नई दिशा देने और आत्मनिर्भर बनाने के लिए ऐसे प्रशिक्षण कार्यक्रम नियमित रूप से आयोजित किए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि बंदियों के मानसिक और शारीरिक विकास के लिए योग, साक्षरता अभियान और प्रेरणात्मक गतिविधियां भी संचालित की जा रही हैं।

समाज की मुख्यधारा से जोड़ने की पहल

जिला जेल सुकमा की यह पहल बंदियों को न केवल रोजगार के अवसर प्रदान कर रही है, बल्कि उन्हें समाज की मुख्यधारा में वापस लाने की दिशा में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। यह कार्यक्रम प्रशासन की सकारात्मक सोच और दूरदर्शिता का उदाहरण है।

स्वास्थ्य अमला पहुंचा पीलियां प्रभावित वार्ड में स्थिति नियंत्रण में

दुर्ग (समय दर्शन)। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. मनोज दानी एवं जिला सर्वेलेंस अधिकारी डॉ. सी.बी.एस. बंजारे के मार्गदर्शन में वार्ड-67 सेक्टर 7 पश्चिम सड़क 37 ए में पीलिया के मरीजों की जानकारी होने पर प्रभारी अधिकारी, सिविल हॉस्पिटल सुपेला भिलाई डॉ. पियाम सिंग व जिला एपिडेमियोलॉजिस्ट श्रीमती रितीका सोनवानी, सुपरवाईजर श्री विजय सेजुले, बीईटीओ श्री हितेन्द्र कोसरे एवं स्थानीय स्वास्थ्य कार्यकर्ता एवं मितानिनों के साथ प्रभावित क्षेत्र का भ्रमण किया गया है। प्रभावित क्षेत्र का स्वास्थ्य विभाग एवं नगर निगम की संयुक्त टीम द्वारा 95 घरों का भ्रमण किया गया जिसमें 04 पीलिया से ग्रसित मरीज मिले। वर्तमान में स्थिति नियंत्रण में है। आम जनता के लिए प्रेस विज्ञप्ति जारी किया गया जिसमें जिला प्रशासन एवं स्वास्थ्य विभाग, दुर्ग आम जनता से अपील करता है। पीलिया हेतु पीलिया प्रदूषित जल व भोजन से फैलने वाला संक्रामक रोग है जो विषाणुओं के संक्रमण से होता है। विषाणुओं के शरीर में प्रवेश करने के 15 से 50 दिनों के भीतर बीमारी के लक्षण प्रगट होते है। पीलिया के प्रमुख लक्षण भुख न लगना, पीले रंग की पेशाब होना, भोजन का स्वाद न आना, उल्टी लगना या होना, सिर में दर्द होना एवं कमजोरी तथा थकावट का अनुभव करना, पेट के दाहिने तरफ उपर की ओर दर्द होना, आंखे व त्वचा का रंग पीला होना।

क्या करें -

तत्काल निकटतम स्वास्थ्य केन्द्र में उपचार हेतु जावे। पीने के पानी को 20 मिनट तक उबालकर ठंडा कर पीयें। 20 लीटर पीने के पानी में एक क्लोरिन गोली पीस कर डाले, एवं 30 मिनट पश्चात उपयोग करे। शौच के पश्चात एवं भोजन के पहले हाथ साबुन से धोवें।

क्या ना करें - चिकित्सक से परामर्श किये बिना हर्बल दवाईयों से बचें। धुम्रपान व शराब के सेवन से बचे। बिना उबाले दुध व पानी का सेवन न करे। फलो व सब्जियों के रस से बचें। कच्चे व अधपके मांस मटन, अण्डे व मछली का सेवन न करे।

बंदूक छोड़ मतपत्र थामा, अब पुनर्वासित युवा चुनेंगे अपना जनप्रतिनिधि

सुकमा : सुकमा में लोकतंत्र की नई शुरुआत

पुनर्वास केंद्र के 116 आत्मसमर्पित युवाओं का बना मतदाता कार्ड

सुकमा (समय दर्शन)। छत्तीसगढ़ शासन की नक्सल पुनर्वास नीति के तहत समाज की मुख्यधारा में लौट रहे आत्मसमर्पित युवाओं को अब लोकतंत्र से जोड़ने की दिशा में जिला प्रशासन ने एक ऐतिहासिक पहल की है। सुकमा जिले के पुनर्वास केंद्र में निवासरत 116 हितग्राहियों का मतदाता परिचय पत्र (वोटर आईडी कार्ड) बनाकर उन्हें मतदान का अधिकार सुनिश्चित किया गया है।

जिला शासन के इस सकारात्मक कदम से अब ये पुनर्वासित युवा अपने मताधिकार का प्रयोग कर पंच, सरपंच, जनपद सदस्य, जिला पंचायत सदस्य, विधायक सहित अन्य जनप्रतिनिधियों का चयन कर सकेंगे। इतना ही नहीं, लोकतांत्रिक प्रक्रिया में उनकी भागीदारी को और मजबूत करते हुए अब वे भविष्य में स्वयं भी चुनाव लड़ने के पात्र बन गए हैं। यह बदलाव उनके जीवन में सम्मान, अधिकार और आत्मविश्वास की नई शुरुआत माना जा रहा है।

सरकार की नीति से बदली जिंदगी

जिला प्रशासन द्वारा बताया गया कि छत्तीसगढ़ शासन की नक्सल पुनर्वास नीति का लाभ आत्मसमर्पित युवाओं को लगातार दिया जा रहा है। पुनर्वास केंद्र में निवासरत 116 हितग्राहियों के राशन कार्ड, जॉब कार्ड, आधार कार्ड, आयुष्मान कार्ड, श्रम कार्ड पंजीयन के साथ-साथ पीएम आवास योजना सर्वे भी पूरा कराया गया है। इससे उन्हें सरकारी योजनाओं का सीधा लाभ मिलना सुनिश्चित हो गया है।

कौशल प्रशिक्षण से आत्मनिर्भरता की ओर कदम

पुनर्वासित युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से जिला प्रशासन द्वारा उन्हें विभिन्न प्रकार के कौशल प्रशिक्षण भी प्रदान किए जा रहे हैं। उल्लेखनीय है कि कृषि उद्यमिता प्रशिक्षण में 48 हितग्राही, सिलाई मशीन प्रशिक्षण में 5 हितग्राही, कृषि उद्यमी एवं राजमिस्त्री प्रशिक्षण में 265 हितग्राही, वाहन चालक प्रशिक्षण में 14 हितग्राही और मुर्गी पालन प्रशिक्षण में 25 हितग्राही कुल मिलाकर 317 पुनर्वासित युवा कौशल प्रशिक्षण प्राप्त कर चुके हैं।

जिला प्रशासन की यह पहल न केवल पुनर्वासित युवाओं को पहचान और अधिकार दिला रही है, बल्कि उन्हें एक बेहतर भविष्य की ओर अग्रसर भी कर रही है।

उत्कृष्ट आवासीय विद्यालयों के इम्पैनलमेंट हेतु रूचि की अभिव्यक्ति आमंत्रित

सुकमा (समय दर्शन)। छत्तीसगढ़ शासन द्वारा अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति वर्ग के ग्रामीण प्रतिभावान विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने तथा उनके उज्ज्वल भविष्य को सुनिश्चित करने के उद्देश्य से संचालित मुख्यमंत्री अनुसूचित जाति एवं जनजाति विद्यार्थी उत्कर्ष योजना (पूर्व में जवाहर उत्कर्ष योजना) के अंतर्गत वर्ष 2026-27 के लिए छत्तीसगढ़ राज्य में स्थित उत्कृष्ट आवासीय शिक्षण संस्थानों के इम्पैनलमेंट हेतु रूचि की अभिव्यक्ति आमंत्रित की गई है। योजना के अंतर्गत चयनित विद्यार्थियों को कक्षा 6वीं से 12वीं तक राज्य के चयनित उत्कृष्ट आवासीय विद्यालयों में पूर्णत: नि:शुल्क शिक्षा एवं आवासीय सुविधा प्रदान की जाएगी। साथ ही चयनित संस्थानों को विभाग द्वारा निर्धारित मान्य शुल्क की प्रतिपूर्ति शासन द्वारा की जाएगी। इच्छुक शिक्षण संस्थानों को निर्धारित प्रारूप में अपना प्रस्ताव रूचि की अभिव्यक्ति के रूप में तैयार कर जिला सहायक आयुक्त, आदिवासी विकास कार्यालय में निर्धारित समय-सीमा के भीतर जमा करना होगा। प्रस्ताव जमा करने की अंतिम तिथि 23 अप्रैल 2026 को अपरान्ह 5:00 बजे तक निर्धारित की गई है। अधिक जानकारी के लिए विभाग की आधिकारिक वेबसाइट

http://tribal.cg.gov.in

का अवलोकन किया जा सकता है। इच्छुक संस्थान भरा हुआ आवेदन पत्र कार्यालय सहायक आयुक्त, आदिवासी विकास, सुकमा में जमा कर सकते हैं।

पाटन विधानसभा में विभिन्न विकास कार्यों के लिए 40 लाख रूपए स्वीकृत

दुर्ग (समय दर्शन)। कलेक्टर अभिजीत सिंह ने विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र विकास योजना अंतर्गत प्रदत्त अधिकारों का उपयोग करते हुए पाटन विधानसभा अंतर्गत जनहित के विभिन्न कार्यों के लिए 40 लाख रूपए की प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की है। प्रभारी मंत्री श्री विजय शर्मा द्वारा अनुशंसित इन कार्यों का संपादन क्रियान्वयन एजेंसी मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जनपद पंचायत पाटन द्वारा किया जाएगा।

जिला योजना एवं सांख्यिकी कार्यालय से प्राप्त जानकारी के अनुसार, स्वीकृत राशि से पाटन क्षेत्र के विभिन्न ग्राम पंचायतों में विकास कार्य कराए जाएंगे। इसमें ग्राम पंचायत कानाकोट में जैतखाम के पास शेड निर्माण कार्य हेतु 10.00 लाख रूपए तथा ग्राम पंचायत अमलीडीह के खेल मैदान में अहाता निर्माण कार्य हेतु 18.00 लाख रूपए स्वीकृत किए गए हैं। इसी प्रकार, ग्राम पंचायत तरीघाट में तोरण यादव के घर से बाजार चौक तक सी.सी. रोड निर्माण कार्य के लिए 12.00 लाख रूपए की प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की गई है।

मावा मोदोल कोचिंग सेंटर में प्रवेश हेतु काउंसलिंग आज

उत्तर बस्तर कांकेर (समय दर्शन)। जिला कलेक्टर श्री निलेश कुमार महादेव क्षीरसागर के निर्देशानुसार मावा मोदोल परीक्षा में चयनित विद्यार्थियों के लिए 10 एवं 11 अप्रैल को मावा मोदोल निशुल्क कोचिंग सेंटर कांकेर और भानुप्रतापपुर में सुबह 10 बजे से शाम 05 बजे तक काउंसलिंग आयोजित की जाएगी। सभी चयनित अभ्यर्थियों के लिए काउंसिलिंग में शामिल होना अनिवार्य है। इस प्रक्रिया के माध्यम से विद्यार्थियों को सीट अलॉटमेंट सुनिश्चित करने का अवसर मिलेगा। निर्धारित तिथि पर अनुपस्थित रहने वाले विद्यार्थियों का सीट पर दावा स्वत: निरस्त कर दिया जाएगा। काउंसलिंग में शामिल होने वाले अभ्यर्थियों को आवश्यक दस्तावेज साथ लाना अनिवार्य होगा। इनमें कक्षा 10वीं और 12वीं की अंकसूची, स्नातक, स्नातकोत्तर प्रमाण पत्र (यदि लागू हो), आधार कार्ड, दो पासपोर्ट साइज फोटो तथा जाति एवं निवास प्रमाण पत्र शामिल हैं। सभी दस्तावेजों का सत्यापन काउंसलिंग के दौरान किया जाएगा।

कलेक्टर श्री क्षीरसागर ने विद्यार्थियों से अपील की है कि वे इस अवसर को गंभीरता से लें और समय पर उपस्थित होकर काउंसलिंग प्रक्रिया पूर्ण करें। काउंसिलिंग प्रक्रिया विद्यार्थियों के भविष्य को दिशा देने और उन्हें प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए तैयार करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। यह योजना विशेष रूप से ग्रामीण और दूरस्थ क्षेत्रों के छात्रों को ध्यान में रखकर बनाई गई है। उन्होंने सभी चयनित अभ्यर्थियों को समय से पहले केंद्र पर पहुंचने और किसी भी असुविधा से बचने कहा है।

लंगूर का शिकार करने वाला आरोपी गिरफ्तार

दुर्ग, (समय दर्शन)। वन विभाग और पुलिस प्रशासन दुर्ग की संयुक्त टीम ने वन्यजीव अपराध के विरुद्ध कड़ा रुख अपनाते हुए ग्राम दनिया (बोरी), धमधा में दो लंगूरों के शिकार के मामले में बड़ी कार्यवाही की है। विभाग ने एयर गन से वन्य प्राणी का शिकार करने वाले मुख्य अभियुक्त अजय पटेल, पिता लुमन पटेल को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, 07 अप्रैल 2026 को वन विभाग और पुलिस की संयुक्त टीम ने सूचना के आधार पर कार्यवाही करते हुए ग्राम दनिया में दबिश दी थी। यहाँ अभियुक्त द्वारा दो लंगूरों (सेम्नोपिथेकस एंटेलस) का एयर गन से अवैध शिकार किया गया था। उल्लेखनीय है कि लंगूर वन्य प्राणी संरक्षण अधिनियम 1972 की अनुसूची 02 के अनुक्रमांक 24 के अंतर्गत संरक्षित वन्यजीव है। इस गंभीर कृत्य पर त्वरित संज्ञान लेते हुए वन विभाग दुर्ग ने वन्य प्राणी संरक्षण अधिनियम 1972 की धारा 09, 39 एवं 51 के उल्लंघन के तहत वन अपराध प्रकरण क्रमांक 6983/17 पंजीबद्ध किया है। इस मामले में कार्यवाही करते हुए पुलिस और वन विभाग की टीम ने अभियुक्त अजय पटेल को आज माननीय न्यायालय में पेश किया, जहाँ से उसे 21 अप्रैल 2026 तक की न्यायिक रिमांड पर जेल दाखिल कर दिया गया है। वन विभाग के अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि वन्य जीवों के विरुद्ध किसी भी प्रकार के अपराध को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और भविष्य में भी ऐसी सख्त कार्यवाही जारी रहेगी।

पैरी पखना गांव में कलेक्टर की चौपाल, हर महीने के तीसरे सोमवार को होगा स्वास्थ्य शिविर

जगदलपुर (समय दर्शन)। बस्तर जिले के दरभा विकासखंड के सुदूर अंचल स्थित ग्राम पंचायत करका के पैरी पखना गाँव में कलेक्टर श्री आकाश छिकारा ने गुरुवार को चैपाल लगाकर ग्रामीणों की समस्याएं सुनीं और मौके पर ही समाधान के निर्देश दिए। दुर्गम पहाड़ी क्षेत्र में स्थित इस गाँव तक पहुंचने के लिए कलेक्टर ने सुकमा जिले के बंकेपाल तक चारपहिया वाहन से यात्रा की, इसके बाद पैदल और मोटरसाइकिल से कठिन रास्ता तय कर गाँव पहुँचे।

गाँव पहुंचने पर ग्रामीण महिलाओं ने पारंपरिक तरीके से कलेक्टर श्री आकाश छिकारा और जिला पंचायत सीईओ श्री प्रतीक जैन का स्वागत किया। चौपाल के दौरान कलेक्टर ने ग्रामीणों से सीधे संवाद करते हुए मोबाइल कनेक्टिविटी, राशन व्यवस्था, आधार कार्ड निर्माण, पेयजल, शिक्षा और स्वास्थ्य सुविधाओं की जानकारी ली।

ग्रामीणों ने सड़क, बिजली, राशन दुकान, स्वास्थ्य सेवाएं और प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ दिलाने की मांग रखी। इस पर कलेक्टर ने कहा कि पूर्व में माओवाद गतिविधियों के कारण यह क्षेत्र विकास से वंचित रहा, लेकिन अब हालात में सुधार के साथ विकास कार्यों को तेजी दी जा रही है। उन्होंने बताया कि गाँव को सड़क से जोड़ने के लिए प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना के तहत प्रस्ताव भेजा गया है।

कलेक्टर ने निर्देश दिए कि आधार कार्ड बनाने के लिए प्रत्येक सोमवार को शिविर आयोजित किया जाए, वहीं हर महीने के तीसरे सोमवार को स्वास्थ्य शिविर लगाया जाए। उन्होंने ग्रामीणों को वन अधिकार पट्टा, आयुष्मान कार्ड, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि, महतारी वंदन योजना और मातृ वंदन योजना सहित विभिन्न शासकीय योजनाओं की जानकारी दी। इसके साथ ही पशुपालन और मत्स्यपालन विभाग की योजनाओं से लाभ लेने के लिए ग्रामीणों को प्रेरित किया गया।

आपातकालीन स्वास्थ्य सेवाओं के लिए बाइक एम्बुलेंस की व्यवस्था पर भी चर्चा की गई। कलेक्टर ने गाँव में पहुँचने के दौरान ग्रामीणों द्वारा उपयोग की जाने वाली स्थानीय परंपरागत पेयजल साधन (चुंआ) का भी अवलोकन किया।

इस अवसर पर अधिकारियों ने बच्चों को चॉकलेट, बिस्किट, टिफिन बॉक्स और पानी की बोतल वितरित की। इस दौरान स्वास्थ्य जांच शिविर में ग्रामीणों का स्वास्थ्य परीक्षण कर उन्हे मच्छरदानी एवं आवश्यक दवाई प्रदान किया गया। वहीं विभिन्न हितग्राहीमूलक योजनाओं के अंतर्गत चयनित हितग्राहियों को सामग्री का वितरण किया गया। चैपाल में जिला पंचायत सीईओ श्री प्रतीक जैन, अपर कलेक्टर श्री सीपी बघेल, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री महेश्वर नाग, सहायक कलेक्टर श्री विपिन दुबे, एसडीएम श्री शंकर लाल सिन्हा, एसडीओपी श्री लक्ष्मण पोटाई सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

संक्षिप्त समाचार

महतारी योजना से साय सरकार बैकफुट पर, बढ़ते टैक्स ने जनता की कमर तोड़ी : अशोक फड़नवीस

राजनांदगांव। कांग्रेस के वरिष्ठ सदस्य एवं पूर्व चेयरमैन ने प्रदेश की भाजपा सरकार पर हमला करते हुए कहा है कि चुनाव में किए गए वादे कागज के टुकड़े साबित हुए हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार ने महतारी योजना को लेकर उत्पन्न वित्तीय दबाव को विभिन्न करों और शुल्क बढ़ाकर जनता पर थोप दिया है। श्री फड़णवीस ने कहा कि गरीब और मध्यम वर्गीय परिवार अब गैस सिलेंडर, संपत्ति कर, जलकर और रजिस्ट्री शुल्क में वृद्धि के कारण आर्थिक संकट में हैं। उन्होंने बताया कि लोगों के निजी और व्यवसायिक भवनों पर संपत्ति कर डेढ़ से दुगुना कर दिया गया है। वहीं, भागीरथी योजना के तहत अब 700 रुपए की जगह 2,400 रुपए गरीब परिवारों से वसूले जा रहे हैं। गैस सिलेंडर की कीमत में वृद्धि और जमीनों की रजिस्ट्री शुल्क में बढ़ोत्तरी ने मकान बनाने का सपना भी तोड़ दिया है। फड़नवीस ने आरोप लगाया कि सरकार की यह नीति केवल बड़े पूंजीपतियों को लाभ पहुंचाने के लिए है और किसानों की भूमि खरीदने की योजना बनाई जा रही है। उन्होंने यह भी कहा कि अधिक टैक्स वसूली के बावजूद बेरोजगार युवाओं के लिए रोजगार सृजन नहीं हुआ है। प्रदेश की जनसंख्या बढ़ रही है, लेकिन सरकारी नियुक्तियों की संख्या आवश्यकतानुसार नहीं बढ़ाई गई। कुल मिलाकर, सभी क्षेत्रों में जनता परेशान है और सरकार जनता की अपेक्षाओं पर खरी नहीं उतर रही है।

जिस जोड़ी से दर्शक कभी आगे बढ़ ही नहीं पाए, उनकी वापसी—देखिए शबीर अहलूवालिया और सृति झा को 'तुम देना साथ मेरा' में, 20 अप्रैल से, रात 8 बजे, सिर्फ स्टारप्लस पर

सात लंबे सालों के बाद, टेलीविज़न की सबसे पसंदीदा जोड़ियों में से एक आखिरकार वापस आ रही है! शबीर अहलूवालिया और सृति झा बहुप्रतीक्षित शो *तुम देना साथ मेरा के साथ फिर से साथ नजर आएंगे, जिसका प्रीमियर 20 अप्रैल को सिर्फस्टारप्लस पर होगा। फैंस ने कभी भी इन दोनों की साथ में रची गई जादुई केमिस्ट्री को भुलाया नहीं है, और अब वही रोमांस और दोस्ती फिर से स्क्रीन पर लौट रही है। वक्त जरूर बीत गया है, लेकिन शबीर और सृति के बीच की गर्मजोशी, आकर्षण और सहज केमिस्ट्री आज भी उतनी ही ताज़ा और दिल को छू लेने वाली है। तुम देना साथ मेरा* पुराने और नए, दोनों ही तरह के दर्शकों के दिलों को छूने का वादा करता है। यह एक ऐसी कहानी है जो इमोशन, प्यार और उन खास पलों से भरी है, जो दर्शकों को याद दिलाएगी कि उन्होंने इस जोड़ी से पहली बार क्यों प्यार किया था। इस बहुप्रतीक्षित वापसी के साथ, रोमांस एक बार फिर अपनी राह ढूंढ लेता है।

कलेक्टर ने खाद बीज दुकानों में दी दबिश, खाद लेने पहुंचे किसानों से सीधे लिया फीडबैक

कवर्धा। जिले में गन्ने की खेती के लिए किसानों द्वारा खाद की खरीदी जोरों पर है। इसी क्रम में खाद विक्रय का निरीक्षण करने कलेक्टर गोपाल वर्मा ने गुरुवार शाम कवर्धा के विभिन्न खाद बीज दुकानों में अचानक दबिश दी। उन्होंने दुकानों में खाद खरीदने पहुंचे हुए किसानों से ही सीधे खाद की कीमतों को लेकर फीडबैक लिया। कलेक्टर ने शहर के वर्धमान बीज भंडार, महावीर कृषि केंद्र, शाकम्बरी कृषि सेवा केंद्र का निरीक्षण किया। यहां उन्होंने उपलब्ध स्टॉक, खाद के विक्रय दरों के बारे में जानकारी ली। उन्होंने दुकानदारों को सख्त निर्देश देते हुए कहा कि सरकार द्वारा तय कीमतों में ही खाद बेचा जाए। कहीं अधिक दर या कालाबाजारी की शिकायत मिलती है तो कड़ी कार्रवाई की जाएगी ।कलेक्टर वर्मा ने इन दुकानों में खरीदी कर रहे किसानों से यूरिया व डीएपी की कीमतों के बारे में जानकारी ली। किसानों ने बताया कि शासन द्वारा निर्धारित कीमत यूरिया 266 प्रति बोरी और डीएपी 1350 रुपए प्रति बोरी के दर से मिल रहा है। कलेक्टर ने दुकानदारों से कहा कि खाद की कीमतों और उपलब्ध स्टॉक का बोर्ड लगाएं। उन्होंने स्टॉक को रोजाना अपडेट करने के निर्देश दिए। इसके साथ ही उप संचालक कृषि को पूरे जिले भर में यह जांच अभियान चलाने के लिए निर्देशित किया। उन्होंने कहा कि किसानों के हितों से किसी प्रकार का समझौता नहीं चलेगा। सरकार द्वारा जो कीमतें तय की गई हैं, उसी दर पर बिक्री हो।

पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल का पलेनी में आगमन

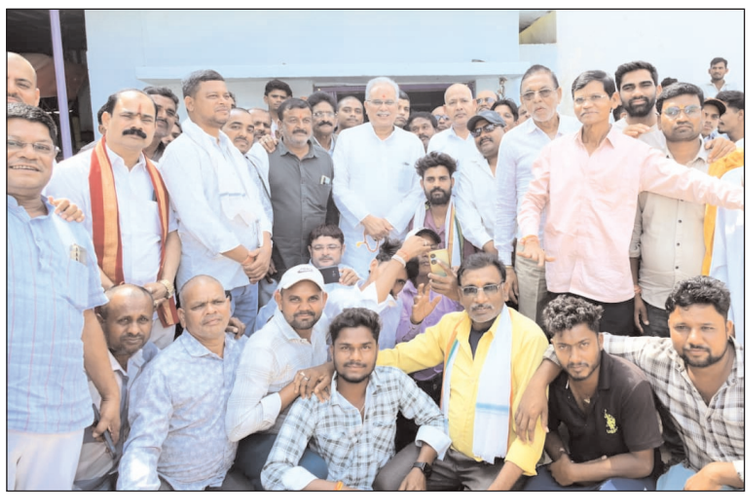

साजा (समय दर्शन)। प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल गुरुवार को बेमेतरा जिले के दौरे के दौरान उनकी सादगी देखने को मिली। बेरला-देवरबीजा प्रमुख मार्गों से होते हुए ग्राम पलेनी आ रहे बघेल जी ने रास्ते में बच्चों एवं ग्रामीणों का स्नेह देख न केवल अपना प्रोटोकॉल किनारे रखा, बल्कि सुरक्षा का घेरा छोड़कर उनसे मिलने सड़क पर उतर आए। दरअसल पलेनी आ रहे बघेल की ग्राम बरगा के

बच्चे व ग्रामीणजन हाथ में श्रीफल(नारियल) एवं गमछा लिए पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की आत्मीय स्वागत के लिए सड़क किनारे खड़े रहे। जैसे ही पूर्व मुख्यमंत्री का काफिला वहां से गुजरा, बच्चों एवं ग्रामीणों के चेहरों पर उत्साह देख बघेल ने अपनी गाड़ी रूकवा ली। उन्होंने मुस्कुराते हुए, ग्रामीणजनो से मुलाकात की और ग्रामीण द्वारा भेट किए गए श्रीफल को सहर्ष स्वीकार किया। आमतौर पर राजनीतिक दौरों में बड़े नेताओं के काफिले तेज रफ्तार से निकल जाते हैं , लेकिन भूपेश बघेल का इस तरह रूकना और आमजनों से आत्मीयता से मिलना चर्चा का विषय बना हुआ है। लोगों ने कहा कि यही स्वभाव उन्हें औरों से अलग बनाती है। पूर्व मुख्यमंत्री ने लोगों को खेतों में उपजाए फसले जैसे चना, गेहूं,तिवरा, मसूर की कटाई एवं साफसफाई की भी जानकारी ली। श्री बघेल जी जैसे ही ग्राम पलेनी पहुंचे लोग आतिशबाजी करते हुए जश्न एवं हर्षोल्लास में डूब गए। ग्रामीणों की स्नेह को देखकर बघेल गदगद हो गए। उनकी आत्मीयता स्वागत के लोगों की भीड़ उमड़ पड़ी। मुख्य रूप से बघेल जी लोधी समाज के पूर्व अध्यक्ष डॉ राजेन्द्र वर्मा के गृह ग्राम पलेनी व उनके घर पहुंचे, जहां उनकी परिवार के लोग पुष्प गुच्छ भेंट कर व गमछा पहनाकर आत्मीय स्वागत की। भूपेश बघेल दोपहर 2 बजे के करीब पलेनी पहुंचे। इस दौरान ग्रामीणों ने भी उनकी भव्य स्वागत की। इस मौके पर डॉ राजेंद्र वर्मा, हनुमान सिंह वर्मा, मुन्नालाल वर्मा, दालचंद वर्मा, दाऊराम वर्मा, छोटेलाल वर्मा,दाऊ सरकार सिंह वर्मा, कांता वर्मा, प्रकाश वर्मा, ज्ञान वर्मा, कमलेश वर्मा, गजेंद्र वर्मा, राजा वर्मा, राहुल वर्मा, विमल वर्मा, मनोज वर्मा, खेमसिंह वर्मा, खोम वर्मा,संजू वर्मा, उप-सरपंच कमलेश साहू बरगा,प्रताप साहू, दुर्गेश साहू,दादू साहू,सागर वर्मा,गौकरण साहू,धनेश साहू,पकलू अंगीरा,बेने साहू समेत बड़ी संख्या में कार्यकर्ता एवं ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

सरस ने बताया ब्रिलिएंट बहतराई की मान्यता 31 मार्च 2024 में समाप्त हो गई

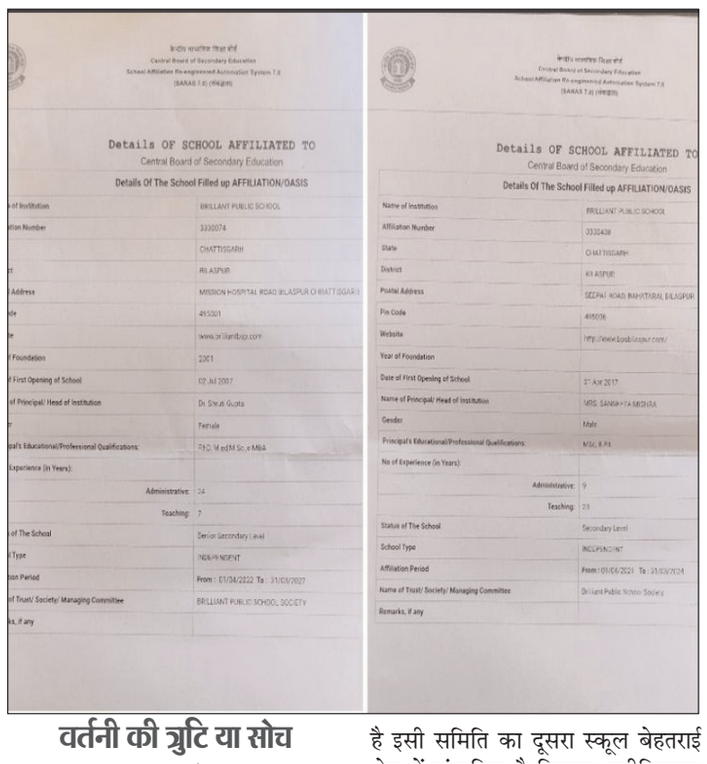

केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड
Central Board of Secondary Education
School Affiliation Re-engineered Automation System 7.0
(SARAS 7.0) (सरस7.0)

Details OF SCHOOL AFFILIATED TO
Central Board of Secondary Education
Details Of The School Filled up AFFILIATION/OASIS

...of Institution	BRILLANT PUBLIC SCHOOL
...ation Number	3330074
	CHATTISGARH
...t	BILASPUR
...l Address	MISSION HOSPITAL ROAD BILASPUR CHHATTISGARH
...de	495001
...e	www.brilliantbsp.com
...f Foundation	2001
...f First Opening of School	02 Jul 2007
...of Principal/ Head of Institution	Dr. Shruti Gupta
...r	Female
...pal's Educational/Professional Qualifications:	PhD, M.ed M.Sc, MBA
...Experience (in Years):	
Administrative:	24
Teaching:	7
...of The School	Senior Secondary Level
...l Type	INDEPENDENT
...tion Period	From : 01/04/2022 To : 31/03/2027
...of Trust/ Society/ Managing Committee	BRILLIANT PUBLIC SCHOOL SOCIETY
...ks, if any	

केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड
Central Board of Secondary Education
School Affiliation Re-engineered Automation System 7.0
(SARAS 7.0) (सरस7.0)

Details OF SCHOOL AFFILIATED TO
Central Board of Secondary Education
Details Of The School Filled up AFFILIATION/OASIS

Name of Institution	BRILLIANT PUBLIC SCHOOL
Affiliation Number	3330408
State	CHATTISGARH
District	BILASPUR
Postal Address	SEEPAT ROAD, BAHATARAI, BILASPUR
Pin Code	495006
Website	http://www.bpsbilaspur.com/
Year of Foundation	
Date of First Opening of School	01 Apr 2017
Name of Principal/ Head of Institution	MRS. SANGEETA MISHRA
Gender	Male
Principal's Educational/Professional Qualifications:	MSc, B.Ed
No of Experience (in Years):	
Administrative:	9
Teaching:	23
Status of The School	Secondary Level
School Type	INDEPENDENT
Affiliation Period	From : 01/04/2021 To : 31/03/2024
Name of Trust/ Society/ Managing Committee	Brilliant Public School Society
Remarks, if any	

वर्तनी की त्रुटि या सोच समझ धोखा

बिलासपुर (समय दर्शन। औद्योगिक मॉडल पर संचालित निजी स्कूल के सामने पालक अपने को संकुचित क्यों करता है जबकि वह सर्विस लेने वाला है और उसे सर्विस के एवज में वह हर महीने प्रबंधन को मोटी फीस देता है। तकनीक इतनी सुविधा तो दे दी है कि स्कूल खासकर सीबीएसई के संबंध में सब कुछ ऑनलाइन देखा जा सकता है। हमने 8 अप्रैल 2026 को लगभग 2:00 बजे सरस जो सीबीएसई बोर्ड की अधिकृत साइट है को देखा और शहर के बहुत चर्चित ब्रिलियंट पब्लिक स्कूल के मान्यता संबंधी विवरण देखें तो कुछ अचंभित करने वाली जानकारी लगी।

मिशन रोड वाला ब्रिलिएंट पब्लिक स्कूल की मान्यता 31 मार्च 2027 तक है यह सीनियर सेकेंडरी लेवल की है। प्रिंसिपल का नाम डॉक्टर श्रुति गुप्ता हैं। एफीलिएशन नंबर 3330074 है और संस्था का नाम "BRILLANT" public School है। जबकि बोर्ड पर संस्था ने ब्रिलिएंट की स्पेलिंग BRILLIANT लिखी है। यहां एक प्रश्न उठता है इसी समिति का दूसरा स्कूल बेहतराई क्षेत्र में संचालित है जिसका एफीलिएशन नंबर 3330408 है और यह ब्रिलिएंट की स्पेलिंग BRILLIANT है इस स्कूल की मान्यता शिक्षा साइट सरस के मुताबिक 31 मार्च 2024 को समाप्त हो गई और यह सेकेंडरी लेवल का स्कूल है। प्रिंसिपल का नाम श्रीमती संगीता मिश्रा है।

दो प्रश्न 31 मार्च 2024 को मान्यता समाप्त होने के बाद वेबसाइट पर कोई अपडेशन क्यों नहीं है। ब्रिलियंट की दो स्पेलिंग क्यों अंग्रेजी में डॉग वह मिशन अस्पताल के पास हो या बेहतराई के पास डॉग ही स्पेलिंग होता है। और यह तो अंग्रेजी माध्यम के स्कूल हैं क्या इनके प्रिंसिपल और मैनेजर , सीईओ को मान्यता संबंधी कागज पर जो वर्तनीय है और जो स्कूल के बॉर्डर पर लिखी है उसका अंतर दिखाई नहीं देता या यह एक धोखाधड़ी है और जानबूझकर की गई है क्योंकि प्रिंसिपल की दर्ज योग्यता बहतराई में एमएससी, बीएड और मिशन अस्पताल रोड पर पीएचडी, एमएड, एमएससी, एमबीए है। निश्चित ही दोनों स्कूल के मैनेजर/सीईओ उच्च शिक्षित ही होंगे।

तुम्हें अब कोई नहीं बचा सकता...' जज से मांगी 3 करोड़ की फिरौती,

बालोद (समय दर्शन)। जिले में न्यायिक व्यवस्था को चुनौती देने वाली एक गंभीर घटना सामने आई है, जहां बालोद जिले के गुंडरदेही के न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी प्रशांत कुमार देवांगन को एक धमकी भरा पत्र मिला है, जिसमें 3 करोड़ की फिरौती मांग और परिवार को जान से मारने की धमकी दी गई है. मामले में मजिस्ट्रेट ने 8 अप्रैल को एफ आई आर दर्ज कराई है. शिकायत दर्ज होने के बाद जिले में हड़कंप मच गया. पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है.

मामले तक सामने आया, जब पुलिस ने पोर्टल पर एफआई आर की कॉपी अपलोड की. जानकारी के अनुसार 27 मार्च 2026 को दोपहर लगभग 3 बजकर 25 मिनट पर कोर्ट कार्य के दौरान एक पोस्टमैन द्वारा मजिस्ट्रेट के कार्यालय में एक बंद लिफाफा दिया गया, जब मजिस्ट्रेट ने स्वयं लिफाफा खोलकर पत्र पढ़ा, तो उसमें लिखी बातों ने सभी को चौंका दिया. घटना के बाद न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रशांत कुमार देवांगन खुद थाने जाकर मामले की शिकायत दर्ज कराई. उन्होंने अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ मामला दर्ज कराया है और तत्काल जांच व सुरक्षा व्यवस्था की मांग की है.

पत्र में आरोपी ने स्वयं को नक्सली संगठन से जुड़ा हुआ बताया. उसने मजिस्ट्रेट से 2-3 करोड़ रुपये की फिरौती मांगी है. पत्र के जरिए मांग पूरी नहीं करने पर उन्हें और उनके परिवार को जान से मारने की धमकी दी गई है. पत्र में मजिस्ट्रेट पर रिश्वत लेने, गलत फैसले देने और गरीबों के साथ अन्याय करने जैसे आरोप भी लगाए गए हैं. पत्र के अंत में 'तुम्हारा मौत नक्सली संगठन, कांकेर-बस्तर (छत्तीसगढ़)' लिखकर स्पष्ट धमकी दी गई है कि 'तुम्हें कोई नहीं बचा सकता' यह पत्र पूरी तरह से नीली स्याही से हाथ से लिखा गया है. वहीं, लिफाफे पर 'एल. के. एल. बस्तर कांकेर छत्तीसगढ़' और न्यायालय का पता अंकित पाया गया, जिससे मामले की गंभीरता और बढ़ गई है.

इस घटना के सामने आने के बाद न्यायिक एवं प्रशासनिक महकमे में हड़कंप मच गया है. मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने जांच शुरू कर दी है और हर पहलू की बारीकी से पड़ताल कर रही है. न्यायपालिका जैसे संवेदनशील संस्थान को इस प्रकार की धमकी मिलना न केवल सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े करता है, बल्कि कानून व्यवस्था के लिए भी एक बड़ी चुनौती है इस मामले को लेकर गुण्डरदेही थाना प्रभारी नवीन बोरकर ने पुष्टि की है कि एक अज्ञात व्यक्ति द्वारा यह धमकी भरा पत्र भेजा गया है। पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए जांच शुरू कर दी है और पत्र भेजने वाले की पहचान करने की कोशिश की जा रही है।

बूथ कमेटी में स्थानीय जनप्रतिनिधियों को शामिल किए जाएंगे : अशोक फड़नवीस

बाकल, खपरीकला, साकल सेक्टर में पंचायत और बूथ कांग्रेस अध्यक्षों का गठन

राजनांदगांव। तुमडीबोड़ मंडल के प्रभारी अशोक फड़नवीस, मंडल अध्यक्ष हेमसिंह शर्मा और सेक्टर प्रभारी गोवर्धन वर्मा की उपस्थिति में बाकल, खपरीकला और साकल सेक्टर में पंचायत और बूथ कांग्रेस अध्यक्षों का गठन किया गया।

बैठक पूजा-अर्चना के साथ शुरू हुई, जिसमें कार्यकर्ताओं ने नए प्रभारियों का गर्मजोशी से स्वागत किया। बैठक में कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए बताया गया कि उदयपुर शिविर में लिए गए निर्णयों और राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री खड़गे, राहुल गांधी, प्रदेश अध्यक्ष दीपक बैज और जिला अध्यक्ष विपिन यादव के निर्देशों के अनुरूप संगठन को मजबूत किया जाएगा।

कांग्रेस कार्यकर्ताओं को बूथ चलो अभियान के तहत जनता तक पार्टी की विचारधारा और सिद्धांत पहुंचाने का संकल्प दिलाया गया। इस दौरान भाजपा सरकार के कार्यकाल में बढ़ती महंगाई और रोजगार की कमी पर भी चर्चा की गई।

श्री फड़नवीस ने बताया कि बूथ और पंचायत कमेटी में वर्तमान और पूर्व जनप्रतिनिधियों के साथ.साथ वरिष्ठ कांग्रेसी, युवाओं और महिलाओं को भी शामिल किया जाएगा, ताकि उनके अनुभव का लाभ संगठन को मिल सके।

बैठक का संचालन मंडल अध्यक्ष हेमसिंग साहू और सेक्टर प्रभारी गोवर्धन वर्मा ने किया। इस अवसर पर वरिष्ठ कांग्रेसी तीरथ निषाद, घनश्याम सिंह, गुमान साहू, रूपलाल सिरमौर, बीरेंद्र राजपूत, दुलारी बाई, नंदनी माहेश्वरी, देवेंद्र साहिल, करन यादव, राजकुमार खरे और देवराज गहने सहित अन्य कार्यकर्ताओं की उपस्थिति में वार्ड अध्यक्ष, बूथ अध्यक्ष और पदाधिकारियों का चयन सर्वसहमति से सम्पन्न हुआ।

राखड़ के खेल में कोयले से ज्यादा गंदगी

उड़ती है राखड़ पकड़ते हैं नोट

बिलासपुर(समय दर्शन)। सीपत एनटीपीसी के डेम से निकलने वाले राखड़ को डंप करने के नाम पर ट्रांसपोर्टर एवं एनटीपीसी के अधिकारियो की मिलीभगत से करोड़ो के फर्जीवाड़े को अंजाम विगत कई वर्षो से दिया जा रहा है! ज्ञात हो कि शिकायतकर्ता द्वारा आरोप लगाया गया है कि पूरे मामले को लेकर बिलासपुर के एक थाना में लिखित शिकायत किया गया था लेकिन शिकायत के लगभग साल भर बीत जाने के बाद भी जाँच पूरा नहीं हो पाया है. उक्त शिकायत कि खास बात यह थी कि एनटीपीसी के अधिकारी, एन एच ए आई अधिकारी, टोल प्लाजा पर भ्रष्टाचार में सम्मिलित होने का बड़ा आरोप लगाया है. इतने गंभीर मामलों में भी शिकायत होने के बावजूद

कार्यवाही कछुआ गति से चल रही है. दूसरे शब्दों में कहा जाए तो विभिन्न विभाग के अधिकारी ने जांच को ठंडा बस्ता में डाल दिया है??

शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया है कि एनटीपीसी डेम से निकलने वाले राखड (फ्लाईएस) को प्लांट क्षेत्र से लगभग 120 से 130 किमी या 4 से 5 सौ किमी दूर डंप करने काम दिया गया है मगर ट्रांसपोर्टर व एनटीपीसी के अधिकारियो की मिलीभगत से राखड (फ्लाईएस) को महज 15 से 20 किमी की दुरी पर डंप किया जा रहा है और कागजों में 120 से 130, 4 00सौ 500 या 1000 किमी दूर डंप करना बताकर लाखो, करोड़ो का व्यारा-न्यारा किया जा रहा है7 ट्रांसपोर्टर द्वारा ट्रको में लगे जीपीएस को कार के माध्यम से ले जाकर ऑनलाइन दुरी तय करना दिखाया जाता है वही नेशनल हाईवे में आने वाले टोल प्लाजा में लगे कैमरे एवं राखड डेम पर लगे कैमरे को जांच कर किया जा सकता है. शिकायतकर्ता के अनुसार टैक्स की फर्जी रसीदे भी बिल भुगतान में लगाकर करोड़ो के ट्रांसपोर्टेशन का राशि वसूली जा रही है7

बताया जाता है कि सीपत एनटीपीसी प्लांट में आर्शीवाद ट्रांसपोर्ट जिसके प्रोपाईटर मोनू राजपाल नामक व्यक्ति है व बिल्हा जिला बिलासपुर (छ.ग.) का निवासी है, जिन्हें सीपत एन.टी.पी.सी से फ्लाईएस राखड़ परिवहन करने के कार्य (वर्क ऑर्डर) मिला हुआ है, इनको राखड़ परिवहन सीपत एन.टी.पी.सी. से उरगा पत्थलगावं के लिए ट्रांसपोर्टिंग का कार्य दिया गया है जिसकी दूरी लगभग 120 से 130 कि. मी. होना बताया गया है किन्तु आर्शीवाद ट्रांसपोर्टर एवं एन.टी.पी.सी. अधिकारियों की मिली भगत से एन.टी.पी.सी. राखड़ डेम से राखड़ लोड कर जिस वाहन को पत्थलगावं परिवहन करना चाहिए वह वाहन पत्थगांव न जाकर जयरामनगर खैरा, बिल्हा, अकलतरा पत्थर खदान में डम्प किया जा रहा था7 उक्त अवैध परिवहन को स्थानीय लोगो के द्वारा विगत दिनों इस्पॉट पर ही कई बार पकड़ा था 7

शिकायतकर्ता के अनुसार स्थानीय लोगो ने मौके पर आठ वाहन (ट्रेलर) जिसका वाहन क्रमश: छ्त्त 10 BJ 9686, छ्त्त 10 BJ 9979, CG 10 BS 9455, छ्त्त 10 BJ 9389, CG 10 BJ 9474, छ्त्त 10 BJ 9383, CG 10 BS 9105 वाहनों को पकड़ा जिसमे एक वाहन का नंबर प्लेट नही दिख रहा था, यह भी बताया जा रहा है वाहन चालको के पास राखड़ खदान में पटिंग करने का कोई भी प्रकार का प्रशासनिक एनओसी मौके पर नही था!अधिकारी द्वारा कोई ठोस कार्यवाही नहीं किया गया है

जल जीवन मिशन योजना में गड़बड़ी

गरियाबंद (समय दर्शन). भीषण गर्मी में जब पानी की सबसे ज्यादा जरूरत होती है, तब जल जीवन मिशन की लचर व्यवस्था ने ग्रामीणों की मुश्किलें कई गुना बढ़ा दी हैं। करोड़ों खर्च के बावजूद नलों से केवल पतली धार निकल रही है, कहीं पानी पहुंच ही नहीं रहा, तो कहीं अधूरे निर्माण ने पूरी योजना पर सवाल खड़े कर दिए हैं। ज्ञात हो कि हर घर तक स्वच्छ पेयजल पहुंचाने के उद्देश्य से शुरू की गई जल जीवन मिशन योजना जिले के कई गांवों में दम तोड़ती नजर आ रही है। कागजों में शत-प्रतिशत कनेक्शन का दावा किया जा रहा है, लेकिन जमीनी हकीकत यह है कि ग्रामीण बूंद-बूंद पानी के लिए तरस रहे हैं। गांवों में नल तो लगाए गए, पाइपलाइन भी बिछाई गई, लेकिन पानी की आपूर्ति बेहद कमजोर है। कई स्थानों पर नलों से इतनी पतली धार निकल रही है कि एक बाल्टी भरने में घंटों लग जाते हैं। इससे महिलाओं, बुजुर्गों और बच्चों को भारी परेशानी उठानी पड़ रही है।

ग्रामीणों का आरोप है कि योजना के निर्माण कार्य में शुरू से ही भारी लापरवाही बरती गई। पाइपलाइन की कम गहराई, जगह-जगह लीकेज, खराब वाल्व फिटिंग, कम क्षमता के मोटर और टंकियों में तकनीकी खामियों के कारण जलापूर्ति बाधित हो रही है। नतीजतन अंतिम छोर तक पानी पहुंच ही नहीं पा रहा।

कई गांवों में हालात ऐसे हैं कि सप्ताह में एक-दो बार ही पानी मिल पा रहा है, जबकि कुछ जगहों पर रोजाना केवल कुछ मिनटों के लिए सप्लाई दी जाती है। इससे न पीने के लिए पर्याप्त पानी मिल रहा है और न ही घरेलू जरूरतें पूरी हो पा रही हैं। मजबूरी में ग्रामीणों को हैंडपंप, कुएं और दूर-दराज के जलस्रोतों का सहारा लेना पड़ रहा है। ग्राम भेंड़री में पाइपलाइन बिछने के बावजूद पानी की आपूर्ति पर्याप्त नहीं है। कापसीडीह में बनी पानी टंकी अब तक शुरू नहीं हो पाई है, जिससे बोर के जरिए पानी सप्लाई किया जा रहा है। वहीं रवेली गांव में पहली ही सप्लाई में टंकी से लीकेज सामने आ गया, जो निर्माण की गुणवत्ता पर सवाल खड़ा करता है।

आंकड़ों के मुताबिक फिंगेश्वर विकासखंड के 97 में से 55 गांवों में काम पूरा बताया गया है, जबकि छुरा विकासखंड के 157 में से केवल 58 गांवों में कार्य पूर्ण हुआ है। इसके बावजूद अधिकांश गांवों में जल संकट बना हुआ है और कई जगहों पर काम अब भी अधूरा पड़ा है।

ग्रामीणों का कहना है कि शिकायतों के बावजूद केवल औपचारिक नोटिस जारी किए गए, लेकिन कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। इससे विभाग और ठेकेदार की कार्यप्रणाली पर सवाल उठ रहे हैं।

स्थानीय जनप्रतिनिधियों और सामाजिक कार्यकर्ताओं ने पूरे मामले की स्वतंत्र तकनीकी जांच की मांग की है। उन्होंने निर्माण कार्य की गुणवत्ता जांच, पाइपलाइन निरीक्षण, जलदाब परीक्षण और दोषी ठेकेदारों पर सख्त कार्रवाई की मांग की है।

ग्रामीणों का स्पष्ट कहना है कि जब तक हर घर तक पर्याप्त और नियमित पानी नहीं पहुंचेगा, तब तक योजना का कोई औचित्य नहीं है। अब देखना यह है कि प्रशासन इस गंभीर मुद्दे पर क्या कदम उठाता है या फिर ग्रामीणों को यूं ही पानी के लिए जूझते रहना पड़ेगा।

खबर-खास

विद्यार्थियों की छात्रवृत्ति के लिए आधार सीडेड खाता अनिवार्य करने दिए निर्देश

कवर्धा। जिले के सभी शालाओं में अध्ययनरत अनुसूचित जनजाति, अनुसूचित जाति एवं पिछड़ा वर्ग के विद्यार्थियों की राज्य छात्रवृत्ति का भुगतान डीबीटी के माध्यम से किया जाना है। शासन द्वारा लिए गए इस निर्णय के तहत विद्यार्थियों के बैंक खातों का आधार से सीडेड होना अनिवार्य किया गया है। जिले में राज्य छात्रवृत्ति योजना अंतर्गत अब तक 37 हजार 599 विद्यार्थियों का आधार सीडिंग कार्य पूर्ण किया जा चुका है। हालांकि, संस्थाओं से मिली जानकारी के अनुसार अनेक विद्यार्थियों के बैंक खातों में अभी भी आधार सीडिंग नहीं होने की स्थिति सामने आई है। कलेक्टर श्री गोपाल वर्मा ने जिले के सभी शाखा प्रबंधकों एवं डाक विभाग को निर्देशित किया है कि वे विद्यालयों में शिविर आयोजित कर विद्यार्थियों के नि:शुल्क आधार सीडेड बैंक खाते खोलें। साथ ही जिन विद्यार्थियों के खातों में आधार सीडिंग नहीं हुई है, उनके खातों को शीघ्र आधार से लिंक किया जाए। कलेक्टर ने प्राथमिकता के साथ समय-सीमा में कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए हैं।

नगर पंचायत सहसपुर लोहारा के अध्यक्ष उप निर्वाचन के लिए रिटर्निंग एवं सहायक रिटर्निंग ऑफिसर नियुक्त

कवर्धा। क्कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी गोपाल वर्मा ने छत्तीसगढ़ नगर पालिका निर्वाचन नियम 1994 के नियम 13 एवं 14 के अंतर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए अधिकारियों को नगर पंचायत सहसपुर लोहारा के अध्यक्ष पद के उप निर्वाचन के लिए रिटर्निंग ऑफिसर एवं सहायक रिटर्निंग ऑफिसर नियुक्त किया है। कलेक्टर श्री वर्मा ने नगर पंचायत सहसपुर लोहारा के लिए अनुविभागीय अधिकारी राजस्व को रिटर्निंग ऑफिसर और तहसीलदार, मुख्य नगर पालिका अधिकारी सहसपुर लोहारा को सहायक रिटर्निंग ऑफिसर नियुक्त किया है।

सेवा पखवाड़ा कार्यक्रम डोंगरडुला में

धमतरी। नगरी- भारतीय जनता पार्टी - सेवा ही संगठन- गांव/बस्ती चलो अभियान के तहत आज नगरी मंडल के अंतर्गत शक्तिकेंद्र डोंगरडुला में पहुँच कर प्रधानमंत्री माननीय नरेन्द्र मोदी जी की केन्द्रीय योजनाओं - प्रधानमंत्री आवास व उज्जवल गैस योजना व मुख्यमंत्री विष्णु देव साय जी राज्य सरकार के महतारी वंदन योजना के हितग्राहियों से मुलाकात कर उनका श्रीफल भेंट कर सम्मान किया गया व सभी को भाजपा ध्वज भेंट किया गया। कार्यक्रम में शक्तिकेंद्र प्रभारी रामगोपाल साहू, मुख्य वक्ता में जनपद उपाध्यक्ष हृदय साहू रहे, सह प्रभारी राजेंद्र साहू, बूथ अध्यक्ष पेमन साहू, बूथ अध्यक्ष लच्छू राम नेताम, प्रताप साहू, अनराज साहू, श्याम लाल साहू।

उचित मूल्य की दुकान कोदवा कला में मनाया गया चावल उत्सव

कवर्धा (समय दर्शन)। राज्य सरकार का लक्ष्य के अनुरूप हर जरूरतमंद तक राशन पहुंचना के उद्देश्य से जिले के ग्राम कोदवा कला में सरकारी उचित मूल्य की दुकान में जनप्रतिनिधि एवं वरिष्ठ ग्रामीणों व हितग्राहियों की उपस्थिति में 7 अप्रैल को पूरे प्रदेश के साथ चावल उत्सव मनाया गया। इसका उद्देश्य चावल वितरण प्रणाली में पारदर्शिता लाना है और पात्र हितग्राहियों को समय पर चावल उपलब्ध कराना है।

ग्राम पंचायत कोदवा कला में स्थित उचित मूल्य की दुकान में खाद्य नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग विकासखण्ड पंडरिया के तत्वधान में चावल उत्सव मनाया गया इसी क्रम में सभापति प्रतिनिधि अश्वनी यदु सरपंच प्रतिनिधि संतोष ध्रुवे, उपसरपंच अशोक सिंगरौल, सालिक साहू, रतन साहू ने हितग्राहियों को चावल वितरण का शुभारंभ किए। जनपद पंचायत पंडरिया के सभापति प्रति. अश्वनी यदु ने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की अगुवाई वाली सरकार द्वारा खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री दयालदास बघेल के विभाग के लिए वित्तीय वर्ष 2026-27 में 6216 करोड़ 73 लाख रुपए की अनुदान मांगें सर्वसम्मति से पारित हुई। मंत्री ने कहा कि सरकार किसानों और गरीब परिवारों की खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए लगातार काम कर रही है। राज्य में सार्वजनिक वितरण प्रणाली के तहत 73 लाख से अधिक राशन कार्डधारियों को मुफ्त चावल दिया जा रहा है.। इसके साथ ही नमक, चना और गुड़ जैसी योजनाएं भी चलाई जा रही हैं। एक किलो आयोडीन युक्त नमक मुफ्त वहीं 85 विकासखंडों में 5 रुपए किलो की दर से 2 किलो चना वितरित हो रहा है. बस्तर संभाग में रियायती दर पर 2 किलो गुड़ भी दिया जा रहा है। इन योजनाओं के लिए अलग-अलग बजट प्रावधान किया गया है। वहीं पंडरिया विधानसभा क्षेत्र में पंडरिया विधायक भावना बोहरा की अगुवाई में राशन दुकान को और सुविधा युक्त किया जा रहा है। सरपंच प्रतिनिधि संतोष धुर्वे ने ग्राम पंचायत के सभी कार्ड धारियों को बेहतर से बेहतर सुविधाएं मिलने की बात कही। वहीं छत्तीसगढ़ सरकार की महत्वपूर्ण योजना का सरहाना किया। उप सरपंच अशोक सिंगरौल ने सभी ग्रामवासियों को राशन दुकान में किसी तरह की तकलीफ हितग्राहियों को न हो इस ओर ध्यान आकर्षित किया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में ग्रामीणों के साथ हितग्राही उपस्थित रहे।

जिले के 516 राशन दुकानों में खाद्यान्न वितरण के साथ मनाया चावल उत्सव

कवर्धा (समय दर्शन)। जिले के 516 राशन दुकानों में खाद्यान्न वितरण के साथ 7 अप्रैल को चावल उत्सव मनाया गया। इस दौरान सतर्कता समिति सदस्यों, जनप्रतिनिधियों और गणमान्य नागरिकों की उपस्थिति में पात्र हितग्राहियों को चावल वितरण किया गया।

उल्लेखनीय है कि सरकार ने हितग्राहियों को तीन महीने का राशन एकमुश्त देने का निर्णय लिया है। इसके लिए राशन केंद्रों में भंडारण करवाया जा रहा है। कलेक्टर गोपाल वर्मा ने इसे लेकर खाद्य अधिकारी को सभी केंद्रों में समुचित खाद्यान्न उपलब्धता और सुचारु वितरण सुनिश्चित करने के लिए विशेष रूप से निर्देशित किया है।

जिला खाद्य अधिकारी चंद्रशेखर देवांगन ने बताया कि जिले के सभी 516 उचित मूल्य की राशन दुकानों में चावल उत्सव के मद्देनजर भंडारण और वितरण सतर्कता समिति, जनप्रतिनिधियों और गणमान्य नागरिकों की उपस्थिति में किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि सार्वजनिक वितरण प्रणाली में पारदर्शिता और जनभागीदारी सुनिश्चित करने के लिए यह व्यवस्था बनाई गई है। इस दौरान राशन केंद्रो में सतर्कता समितियों की बैठक भी आयोजित की गई।

यातायात जागरूकता और साइबर सुरक्षा शिविर का किया गया, आयोजन

परिवहन विभाग द्वारा 250 युवाओं से लर्निंग लायसेंस बनाने के लिए आवेदन

गरियाबंद। थाना शोभा क्षेत्रातंर्गत कन्या आश्रम परिसर में आयोजित कार्यक्रम में उपस्थित नागरिकों को यातायात नियमों के प्रति जागरूक करने और बढ़ते साइबर अपराधों से बचाने के उद्देश्य से आज ग्राम शोभा में एक विशेष जन-जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया।इस शिविर में मुख्य रूप से लर्निंग ड्रायविंग लायसेंस बनाने,सायबर फ्राड से बचाव और यातायात नियमों के पालन पर जोर दिया गया।कार्यक्रम में एसडीओपी.मैनपुर ओ.पी. कुजूर,थाना प्रभारी शोभा ज्ञानेष्वर सिंह गंगवाल, यातायात प्रभारी रामाधार मरकाम एवं अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के दौरान पुलिस अधिकारियों के द्वारा उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए कहा कि वर्तमान में डिजिटल लेनदेन के दौरान सतर्कता बरतना अनिवार्य है। किसी भी अनजान व्यक्ति से ओटीपी साझा न करने और संदिग्ध लिंक पर क्लिक न करने की सलाह दी गई। साथ ही, यातायात पुलिस के अधिकारियों ने हेलमेट पहनने, सीट बेल्ट लगाने और सड़क संकेतों के पालन का महत्व समझाया ताकि सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाई जा सके।परिवहन विभाग को लर्निंग ड्राइविंग लायसेंस बनवाने के लिए कुल 250 आवेदन प्राप्त हुए। मौके पर ही आवेदकों के दस्तावेजों की जांच कर प्रक्रिया आगे बढ़ाई गई।इस अवसर पर स्थानीय जनप्रतिनिधी और ग्रामीण जन उपस्थित थे।ग्रामीणों ने प्रशासन की इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे शिविरों से न केवल सरकारी सुविधाओं का लाभ आसानी से मिलता है,बल्कि वे अपराधों के प्रति भी सतर्क होते हैं।

// सूचना //

मैं सुंदर अजय साहू प्रो.अजय फर्शी उद्योग निवासी पुरानी बस्ती,वार्ड-7 कोहका, भिलाई नगर जिला दुर्ग यह सूचित करता हूं कि ग्राम-घोड़ारी, तहसील व जिला-महासमुंद (छ.ग.) के खसरा क्रमांक 6 (भाग) रकबा 0.64 हेक्टेयर पर पत्थर उत्खनन पट्टा स्वीकृत है। जिसके नियमित संचालन के लिये राज्य स्तर पर्यावरण प्रभाव आकलन प्राधिकरण छत्तीसगढ़ File No. OL/REAPP-EC/MIN/MAHASAMUND/3532 (2007) दिनांक 07/10/2025 के माध्यम से पर्यावरणीय स्वीकृत प्राप्त हो चुकी है। पर्यावरण स्वीकृति पत्र में दी गई नियम के अनुसार उक्त सूचना का प्रकाशन किया जा रहा है।

कुंवर अजय साहू
जिला महासमुंद

!! न्यायालय अति. तहसीलदार पाटन जिला दुर्ग छ.ग.!!

ईश्तहार

राजस्व प्रकरण
ब/ 121 वर्ष 2025

एतद् द्वारा आम जनता एवं सर्वसाधारण को सूचना प्रकाशित किया जाता है कि आवेदक संदीप कुमार पाटिल आ0 पवन कुमार पाटिल निवासी छाटा तहसील पाटन जिला दुर्ग छ.ग. के द्वारा आवेदन पेश किया है कि मेरे भाई खेमलाल पुरनिया पिता शत्रुहन मृत्यु दिनांक 28.09.2025 को ग्राम छाटा प.ह.न. तहसील पाटन जिला दुर्ग में मृत्यु होने के कारण मृत्यु प्रमाण पत्र प्राप्त करने लिये आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। प्रकरण न्यायालय में विचाराधीन है।

अत: आवेदक संदीप कुमार पाटिल आ0 पवन कुमार पाटिल निवासी छाटा तहसील पाटन जिला दुर्ग छ.ग. द्वारा प्रस्तुत आवेदन पत्र के आधार पर उपरोक्तानुसार मृत्यु प्रमाण पत्र प्राप्त किये जाने की कार्यवाही पर जिस किसी व्यक्ति/संस्था को आपत्ति हो तो अपनी लिखित आपत्ति प्रकरण में सुनवाई तिथि 02/04/2026 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकते है। नियम तिथि के पश्चात् प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार का विचार नही किया जावेगा ।

आज दिनांक 19/03/2026 को मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय की साथ जारी ।

कार्यपालिक दण्डाधिकारी
पाटन, जिला दुर्ग (छ.ग.)

मुहर

न्यायालय तहसीलदार कवर्धा, जिला कबीरधाम छ.ग

!! ईश्तेहार !!

ई कोर्ट नंबर /4-121/2025-26 ग्राम-कवर्धा, प.ह.नं. 13

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक बलराम दुबे पिता देवेन्द्र दुबे, जाति- ब्राम्हण, निवासी ग्राम- नंबर 21 बहादुर गंज वार्ड कवर्धा, तह0-कवर्धा, जिला कबीरधाम के द्वारा अपने पुत्र सौरभ दुबै के लिए केन्द्र सरकार के अन्तर्गत शैक्षणिक संस्थाओं/शासकीय नौकरी में प्रवेश होने हेतु आर्थिक आधार पर आरक्षण का प्रमाण पत्र वर्ष वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए प्रदाय किये जाने हेतु आवेदनमय शपथ पत्र आय प्रमाण पत्र शैक्षणिक दस्तावेज सहित प्रस्तुत किया गया है।

आवेदक के द्वारा अपने स्वयं के नाम पर व अपने परिवार की वार्षिक आय 90,000/- अक्षरी नब्बे हजार रू0 होना तथा इसके अतिरिक्त अन्य कोई भूमि नहीं होना अपने नोटरीयुक्त शपथपत्र में स्वीकार किया है।

अतएव उपरोक्त संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति को आपत्ति अथवा दावा पेश करना हो अथवा आवेदक एब उनको परिवार के संपत्ति के बारे में जानकारी देना हो तो दिनांक 15.04.2026 को प्रात: 10.00 बजे तक मेरे न्यायालय में स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से दावा आपत्ति पेश अथवा जानकारी प्रदाय कर सकते हैं।

आज दिनांक 01.04.2026 को मेरे न्यायालय की मुंहर एवं हस्ताक्षर से जारी किया गया ।

तहसीलदार
कवर्धा
जिला कबीरधाम

कार्यालय नगर पालिक निगम रायपुर जोन क्रमांक -05

:: निविदा आमंत्रण सूचना ::

क्रं. 01/.../ जोन क्रं. 5/न.पा.नि./2026 रायपुर दिनांक 07/04/2026

एकीकृत पंजीयन प्रणाली के अंतर्गत''द'' से प्रवर श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से निम्नांकित कार्यों हेतु सीलबंद निविदायें तीन लिफाफा पद्धति में दिनांक 28/04/2026 तक को 4:00 बजे तक स्पीड पोस्ट के माध्यम से नगर पालिक निगम जोन कार्यालय क्रमांक 5 में आंमात्रित की जाती है। इस हेतु निविदा प्रपत्र प्राप्त करने के लिये दिनांक 17/04/2026 तक आवेदन के साथ निर्धारित निविदा प्रपत्र की राशि जमा करने से पश्चात् प्राप्त किये जा सकेंगे। दिनांक 21/04/2026 तक निविदा प्रपत्र जारी होंगे। प्राप्त निविदायें दिनांक 28/04/2026 की सांय 4:30 बजे खोली जावेगी।

क्रं.	कार्य का नाम	प्राक्कलन राशि (लाख में)	अमानत राशि (रूपये)	निविदा प्रपत्र का मुल्य	कार्य की अवधि	एस. ओ.आर. नॉन. एस.ओ. आर
1	वामनराव लाखे वार्ड, जोन क्रं. 05, रंगमंच निर्माण, पीयुष नगर, मलसाय तालाब के पास कुशालपुर न.पा.नि. रायपुर। (विधायक निधि) द्वितीय निविदा	3.00	4500/-	750/-	04 माह	PWD SOR Building 01.01.15
2	भक्तमाता कर्मा वार्ड क्रं. 67, जोन क्रं. 05, बिजली ऑफिस के पास अयोध्या नगर, चंगोराभाठा में सामुदायिक भवन निर्माण कार्य। (विधायक निधि)	4.54	7500/-	750/-	05 माह	PWD SOR Building 01.01.15
3	वामनराव लाखे वार्ड क्रं. 66 अंतर्गत हरिजन छात्रावास के पास नाली एवं स्पीड़ ब्रेकर निर्माण कार्य। द्वितीय निविदा	0.80	3000/-	300/-	01 माह	PWD SOR Building 01.01.15
4	जोन अंतर्गत विभिन्न वार्डों में विद्युत संधारण हेतु सामाग्री क्रय एवं संधारण कार्य	1.00	3000/-	300/-	02 माह	Electric SOR 01.06.20
5	जोन क्रं. 05, पं. दीनदयाल उपाध्याय व क्रं 40 अंतर्गत सेक्टर-04 नजराना खान के घर से पोल नं. 1041/41 एवं लिटिल फ्लावर स्कूल के सामने तक सीवरेज पाईप लाईन मरम्मत कार्य।	4.15	5700/-	750/-	03 माह	PWD SOR Building 01.01.15
6	डॉ. खूबचंद बघेल वार्ड क्रं. 68 अंतर्गत कर्मा चौक के पास स्थित सामुदायिक भवन में अतिरिक्त सुविधा हेतु शेड़ निर्माण कार्य। (पार्षद निधि	1.00	3000/-	300/-	02 माह	PWD SOR Building 01.01.15
7	ठाकुर प्यारेलाल वार्ड क्रं. 39 अंतर्गत मुकुट नगर गार्डन, शांति विहार गार्डन एवं कृष्णा नगर गार्डन का जीर्णोद्धार एवं सौन्दर्गीकरण कार्य। (पार्षद निधि	4.50	7500/-	750/-	05 माह	PWD SOR Building 01.01.15
8	वामन राव लाखे वार्ड क्रं. 66 अंतर्गत मॉ दंतेश्वरी अखाडा में मरम्मत एवं संधारण कार्य। (सामान्य मद)	9.00	9000/-	750/-	06 माह	PWD SOR Building 01.01.15
9	जोन क्रं. 05 अंतर्गत लाखे नगर चौक के पास इंटर कनेक्शन कार्य।	2.76	4000/-	750/-	02 माह	PHE SOR 01.06.20
10	जोन क्रं. 05 अंतर्गत रोहणीपूरम तालाब से मैत्री नगर में इंटर कनेक्शन कार्य।	3.73	6000/-	750/-	03 माह	PHE SOR 01.06.20

शर्त-
1 निविदा के दस्तावेज रजिस्टर्ड पोस्ट / स्पीड पोस्ट के माध्यम से प्रस्तुत करना होगा।
2 कार्य से संबंधित अन्य जानकारी एवं शर्ते कार्यालयीन दिवस में नगर पालिक निगम जोन क्रमांक 5 कार्यालय से प्राप्त की जा सकती है।
3 तीन वर्ष के आयकर की बाध्यता नए फर्मो के लिए बाध्यकारी नहीं होगी।

घरो से निकलने वाले गीला और सूखा कचरे को सफाई मित्र (वाहन)को देवें

जोन कमिश्नर
जोन क्रं. 5
नगर पालिक निगम, रायपुर

कलेक्टर ने ली खुड़िया में पर्यटन विकास को लेकर अहम बैठक

पर्यटन विकास की दृष्टि से व्यवहारिक एवं प्रभावी योजनाएं तैयार करने दिए निर्देश

मुंगेली(समय दर्शन)जिले के समग्र विकास एवं पर्यटन की अपार संभावनाओं को साकार करने के उद्देश्य से कलेक्टर कुन्दन कुमार ने बैठक लेकर खुड़िया में पर्यटन विकास की दृष्टि से व्यावहारिक एवं प्रभावी योजनाएं तैयार करने के निर्देश दिए। बैठक में पर्यटन के क्षेत्र में जिले को नई पहचान दिलाने तथा नया आयाम देने पर विस्तार से विचार-विमर्श किया गया। बैठक में रिसॉर्ट निर्माण, एडवेंचर गतिविधियों के विकास एवं आधुनिक शहरी योजनाओं के क्रियान्वयन पर विशेष जोर दिया गया। इस दौरान जिले में उपलब्ध प्राकृतिक एवं भौगोलिक संसाधनों का बेहतर उपयोग कर पर्यटन को बढ़ावा देने की संभावनाओं का आकलन किया गया। कलेक्टर कुन्दन कुमार ने संबंधित विभागों के अधिकारियों को निर्देशित किया कि पर्यटन विकास की दृष्टि से व्यवहारिक एवं प्रभावी योजनाएं तैयार की जाएं, जिससे जिले में रोजगार के अवसर सृजित हों और स्थानीय अर्थव्यवस्था को मजबूती मिले। बैठक में आर्किटेक्ट आशीष रॉय, मानस हल्दर, अर्बन प्लानर एवं श्री शुभम घाटगे ने अपने तकनीकी सुझाव प्रस्तुत किए। उन्होंने आधुनिक सुविधाओं से युक्त पर्यटन स्थलों के विकास, आकर्षक डिजाइन एवं सतत विकास के दृष्टिकोण पर अपने विचार साझा किए। इस अवसर पर जिले के विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे और प्रस्तावित योजनाओं के क्रियान्वयन को लेकर आवश्यक सुझाव एवं सहमति प्रदान की। बैठक में यह स्पष्ट किया गया कि मुंगेली को पर्यटन के मानचित्र पर स्थापित करने के लिए समन्वित प्रयास किए जाएंगे, जिससे जिले के विकास को नई गति मिल सके।

संक्षिप्त-खबर

ऋषि कौशिक बने सेन समाज के निर्विरोध अध्यक्ष

पाटन (समय दर्शन)। पाटन चंदा पारी सेन समाज की बैठक सेन भवन पाटन में आयोजित की गई, जिसमें समाज के सदस्यों की उपस्थिति में सर्वसम्मति से ऋषि कौशिक को निर्विरोध अध्यक्ष चुना गया। निर्वाचन के पश्चात नव-निर्वाचित अध्यक्ष ऋषि कौशिक ने कहा कि सेन समाज का सर्वांगीण विकास उनकी प्राथमिकता में रहेगा। उन्होंने समाज को संगठित और सशक्त बनाने के लिए सभी के सहयोग की आवश्यकता पर भी बल दिया। ऋषि कौशिक ग्राम दरबार मोखली के निवासी हैं और समाज में उनकी सक्रिय भूमिका को देखते हुए उन्हें यह जिम्मेदारी सौंपी गई है।

छत्तीसगढ़ी लोक संस्कृति की मिलेगी झलक, दौलत वाटिका में अनोखा प्रायस

बलराम यादव

पाटन। आधुनिकीकरण की तेज़ रफ्तार में जहां हमारी लोक संस्कृति और परंपराएं धीरे-धीरे विलुप्त होती जा रही हैं, वहीं इन्हें सहेजने और संरक्षित करने का एक सराहनीय प्रयास किया जा रहा है। दुर्ग जिला के पाटन ब्लॉक के जामगांव एम के पास स्थित ग्राम करगा में दौलत वाटिका एवं रिसॉर्ट में एक अनोखी पहल के रूप में उभर कर सामने आई है, जहां पूरे छत्तीसगढ़ की संस्कृति का जीवंत दर्शन कराया जाएगा। इसके लिए तैयारी भी शुरू कर दी है। आने वाले दिनों में यहां स्थानीय लोक कलाकारों को एक सशक्त मंच मिलेगा, जिससे न केवल उनकी कला को पहचान मिलेगी बल्कि नई पीढ़ी भी अपनी जड़ों से जुड़ सकेगी।

हरा-भरा वातावरण और पेड़-पौधों के बीच विकसित की गई दौलत वाटिका अब क्षेत्र में अपनी अलग पहचान बना रही है। यहां छत्तीसगढ़ की पारंपरिक जीवनशैली को दर्शाते हुए नागर बैला, चूल्हा, गोरसी, किसान बैलगाड़ी, जाता, पोरा और दिवाली जैसे त्योहारों से जुड़े सांस्कृतिक चित्रण देखने को मिलेंगे। यह पहल न सिर्फ संस्कृति को बचाने का प्रयास है, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए एक जीवंत विरासत भी है। दौलत वाटिका के संचालक दौलत सिंह ठाकुर ने बताया कि शुरू से ही मन में एक परिकल्पना थी कि छत्तीसगढ़ की विलुप्त हो रही संस्कृति, गीत संगीत, नृत्य , संसाधन को जीवंत बचाए रखने पहल करने का। इसी कड़ी में दौलत वाटिका में एक बड़ा डोम तैयार किया जा रहा है। जहां पर छत्तीसगढ़ को पुरानी सभी वस्तु जो आज वर्तमान में विलुप्त होती जा रही है। इन सबको यह यहां पर रखा जाएगा। जिसे नवयुवक देख सके। इसके अलावा लोक संस्कृति की झलक दिखाने के लिए स्थानीय कलाकारों को समय समय पर मंच दिया जाएगा। छत्तीसगढ़ मंडप के अलावा यहां पर आंगाकर रसोई का भी निर्माण कराया जा रहा है। जिसमें छत्तीसगढ़ी व्यंजनों को महक रहेगी। यहां पर आने वाले पर्यटकों के लिए खाने की भी सुविधा रहेगी। उन्होंने बताया कि पूरा ग्रामीण का अनुभव यहां आने वाले लोगों को हरियाली के साथ मिलेगा।

केसरा हायर सेकंडरी स्कूल में चोरी में मचाया उत्पात, तोड़ फोड़ किया

पाटन। पाटन ब्लॉक के रानीतराई थाना क्षेत्र अंतर्गत शासकीय हायर सेकेंडरी स्कूल केसरा में बीती रात अज्ञात चोरों ने धावा बोलकर जमकर उत्पात मचाया। चोरों ने स्कूल के डिजिटल क्लासरूम को निशाना बनाते हुए तोड़फोड़ की और कीमती सामान चोरी कर ले गए।

मिली जानकारी के अनुसार, चोर स्कूल के चैनल गेट का ताला तोड़कर अंदर घुसे और खिड़की के रास्ते कमरे में प्रवेश किया। इसके बाद उन्होंने डिजिटल क्लासरूम में रखे प्रोजेक्टर को चोरी कर लिया। इतना ही नहीं, बिजली कनेक्शन और तारों को भी क्षतिग्रस्त कर दिया तथा कई वायर अपने साथ ले गए।

चोरों ने स्कूल की आलमारी को काटने का भी प्रयास किया, लेकिन सफलता नहीं मिलने पर कटर वहीं छोड़कर फरार हो गए। साथ ही, कूलर के मोटर भी उखाड़कर ले गए। इस घटना में लगभग 25 हजार रुपये के सामान की चोरी का अनुमान लगाया जा रहा है।

स्कूल की प्राचार्य प्रतिभा मौर्य ने घटना की सूचना रानीतराई थाना में दे दी है। पुलिस मामले की जांच में जुट गई है।

कलेक्टर लंगेह ने राइस मिलर्स की बैठक लेकर 15 अप्रैल तक धान उठाव के दिए आवश्यक निर्देश

राईस मिलर्स को चावल शीघ्र जमा करने के निर्देश

महासमुन्द (समय दर्शन)। महासमुन्द कलेक्टर विनय कुमार लंगेह ने आज कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में धान उठाव के संबंध में राईस मिलर्स एवं सहकारी बैंक शाखा प्रबंधकों की बैठक लेकर आवश्यक निर्देश दिए हैं। उन्होंने जिले में सुगम तरीके से धान उठाव के लिए निर्देशानुसार कार्य करने कहा है। बैठक में बताया गया कि जिले में 195 रजिस्टर्ड राईस मिलर्स है। उन्होंने सभी राईस मिलर्स को कस्टम मिलिंग के तहत चावल जमा करने के निर्देश भी दिए।

इस अवसर पर अपर कलेक्टर रवि साहू, जिला विपणन अधिकारी आशुतोष कोसरिया, जिला प्रबंधक (नान) विनोद बोधिचा, जिला सहकारी केंद्रीय बैंक के नोडल अधिकारी अविनाश शर्मा एवं राईस मिलर्स मौजूद थे।

कलेक्टर विनय लंगेह ने आज शाम राइस मिलर्स की बैठक लेकर तेजी से उठाव के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि धान उठाव अंतिम चरण में है, अत: राईस मिलर्स तेजी के साथ उठाव सुनिश्चित करें। उन्होंने 15 अप्रैल तक समितियों में शेष धान 21 हजार मीट्रिक टन धान के उठाव के निर्देश दिए हैं। साथ ही एफसीआई और नान को चावल जमा करने के निर्देश दिए गए।

ऐसे राईस मिलर जिनके द्वारा वर्ष 2024-25 का चावल जमा करने में विलम्ब किया जा रहा है, ऐसे मिलरो को कलेक्टर श्री लंगेह ने निर्देशित किया है कि शेष चावल शीघ्र ही जमा करे अन्यथा उनके विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जाएगी। साथ ही ऐसे मिलर जिनके द्वारा 20 से अधिक दिनो तक आबंटित स्टेक पूर्ण नही किया गया है उन्हे भी शीघ्र ही स्टेक पूर्ण करने कलेक्टर ने निर्देशित किया गया। उपार्जन केन्द्रो में जिन मिलरो का डी.ओ. जारी हुआ है उन्हे भी एक सप्ताह के अंदर धान का उठाव करने कहा गया। कलेक्टर ने मिलरो को वर्ष 2024-25 का चावल शासन द्वारा निर्धारित तिथि 30 अप्रैल 2026 तक जमा करने का निर्देश दिए हैं।

उन्होंने सहकारी बैंकों के शाखा प्रबंधकों को समितियों में शेष बचे धान को उठाव के निर्देश दिए गए। प्रबंधकों को यूरिया के भंडारण के निर्देश दिए गए। इसके अलावा यूरिया के अवैध परिवहन और विक्रय पर सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए। उन्होंने पोर्टल में एंट्री करने के पश्चात ही वितरण के निर्देश दिए गए हैं। यूरिया का वितरण पॉस मशीन से ही किया जाए।

अवैध खनिज उत्खनन व परिवहन पर कड़ी कार्रवाई, दो टीपर जब्त

महासमुन्द (समय दर्शन)। महासमुंद कलेक्टर विनय कुमार लंगेह के निर्देशानुसार जिले में खनिजों के अवैध उत्खनन, परिवहन एवं भंडारण के विरुद्ध खनिज अमला द्वारा लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में अछोली क्षेत्र के भ्रमण के दौरान खनिज टीम ने भोरिंग के पास फर्शी पत्थर से भरे दो टीपर वाहनों को रोककर जांच की। जांच के दौरान टीपर मालिक शकुन साहू, निवासी बोरसी एवं टीपर क्रमांक मालिक सोनू अग्रवाल, निवासी महासमुंद के पास वैध अभिवहन पास नहीं पाया गया। इस पर दोनों वाहनों को जब्त कर तुमगांव पुलिस की अभिरक्षा में सुरक्षार्थ रखा गया है। इस कार्रवाई में सहायक खनिज अधिकारी देवेन्द्र कुमार साहू, सिपाही मनोज निर्मलकर, प्रशांत कालू एवं मनीष ढीढी उपस्थित रहे। खनिज अधिकारी फागुलाल नागेश ने बताया कि वित्तीय वर्ष 2025-26 में 8 करोड़ 70 लाख रुपये के राजस्व लक्ष्य के विरुद्ध 17 करोड़ 87 लाख 42 हजार रुपये की प्राप्ति हुई है, जो लक्ष्य से अधिक है।

उन्होंने बताया कि शासन के निर्देशानुसार खनिजों का परिवहन ई-ट्रांजिट पास (ईटीपी) के माध्यम से अनिवार्य किया गया है। बिना ई-अभिवहन पास के खनिज परिवहन करते पाए जाने पर संबंधित के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

महासमुन्द जिले में आजिविका को मिली नई रफ्तार

जिला पंचायत सीईओ नंदनवार ने किया आजीविका संवर्धन केंद्रों का निरीक्षण

महिलाओं को गुणवत्तापूर्ण उत्पाद एवं बाजार से जोड़ने के दिए निर्देश

महासमुन्द (समय दर्शन)। महासमुंद जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी हेमंत नंदनवार द्वारा गुरुवार को जिले के विभिन्न आजीविका संवर्धन केंद्रों का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने महासमुंद विकासखंड के बिरकोनी एवं कांपा स्थित केंद्रों तथा पिथौरा विकासखंड के बगारपाली आजीविका संवर्धन केंद्र में संचालित गतिविधियों का अवलोकन कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

सीईओ श्री नंदनवार ने स्व-सहायता समूह की महिलाओं को गुणवत्तापूर्ण उत्पाद तैयार करने तथा उन्हें उचित बाजार उपलब्ध कराने कहा गया। उन्होंने लखपति दीदी पहल के अंतर्गत अधिक से अधिक महिलाओं को नवीन आय आधारित गतिविधियों से जोड़कर आजीविका संवर्धन को बढ़ावा देने के निर्देश दिए। इसके पश्चात सीईओ श्री नंदनवार ने पिथौरा विकासखंड के बगारपाली आजीविका संवर्धन केंद्र का भी अवलोकन किया। जहां फ्लाई ऐश ब्रिक्स की नवीन यूनिट, सब्जी बड़ी निर्माण एवं अन्य पूर्व से संचालित गतिविधियों के सुचारू संचालन हेतु आवश्यक मार्गदर्शन प्रदान किया गया।

इस दौरान अन्य विभागीय योजनाओं के अंतर्गत किए जा रहे कार्यों का भी निरीक्षण किया गया। प्रधानमंत्री आवास योजना एवं महात्मा गांधी नरेगा के तहत तालाब गहरीकरण, शेड निर्माण सहित विभिन्न कार्यों की प्रगति की समीक्षा करते हुए समय-सीमा में गुणवत्तापूर्ण कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए गए। सीईओ ने नरेगा अंतर्गत अधिकाधिक श्रमिकों को रोजगार उपलब्ध कराने पर बल देते हुए जल संवर्धन के कार्य जैसे नए तालाब, डब्ल्यूएटी, एससीटी, सोखता गड्ढा, नाडेप एवं प्लांटेशन हेतु उपयुक्त स्थलों का चिन्हांकन कर स्वीकृति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इसके अलावा प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत अप्रारंभ आवासों के हितग्राहियों को 7 दिवस के भीतर निर्माण कार्य प्रारंभ करने के निर्देश दिए गए। उन्होंने सभी आवासों में स्व-प्रेरणा से अनिवार्य रूप से वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम स्थापित करने पर भी जोर दिया। इस दौरान संबंधित विभागों के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

राजनांदगांव में शिक्षा और सामाजिक कार्य का संगम, महिला महाविद्यालय ने संस्थाओं के साथ किया एमओयू

राजनांदगांव। नई शिक्षा नीति के प्रभावी क्रियान्वयन और शिक्षा की गुणवत्ता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से आज शासकीय कमला देवी राठी महिला महाविद्यालय ने जन कल्याण सामाजिक संस्थान और समता जन कल्याण समिति के साथ एक महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापन (एमओयू) संपन्न किया। महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. अंजली अवधिया ने बताया कि इस पहल का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को पारंपरिक शिक्षा के साथ-साथ प्रायोगिक और अनुभवात्मक शिक्षा से जोड़ना, उन्हें सामाजिक सरोकारों से परिचित कराना और नई शिक्षा नीति के अनुरूप कौशल आधारित शिक्षण को बढ़ावा देना है। इस समझौते के अंतर्गत विद्यार्थियों को इंटर्नशिप, कार्यशालाएँ, सेमिनार, प्रशिक्षण कार्यक्रम और सामुदायिक जागरूकता गतिविधियों में भाग लेने का अवसर मिलेगा। प्राचार्य ने कहा कि यह पहल विद्यार्थियों के व्यक्तित्व विकास के साथ-साथ समाज के प्रति उनकी जिम्मेदारी की भावना को भी मजबूत करेगी। कार्यक्रम में जन कल्याण सामाजिक संस्थान के अध्यक्ष योगेंद्र प्रताप सिंह और समता जन कल्याण समिति के अध्यक्ष शिशुपाल खोब्रागढ़े मुख्य रूप से उपस्थित रहे। महिला महाविद्यालय के समाजशास्त्र विभाग के अतिथि व्याख्याता सुरेंद्र कुमार पटले और डॉ. उषा सोनवानी ने भी कार्यक्रम में विशेष भाग लिया। महाविद्यालय प्रशासन और दोनों संस्थाओं ने इस पहल को शिक्षा के क्षेत्र में एक दूरगामी कदम बताते हुए भविष्य में और अधिक सहयोगात्मक कार्यक्रम आयोजित करने की प्रतिबद्धता व्यक्त की।

मुख्यमंत्री स्वेच्छा अनुदान राशि लेने से कई अनुदानार्थी ने किया इंकार। कहा बगैर आवेदन मिला

सांसद के पुत्र के नाम भी राशि जारी लेने से किया इंकार

खबर का असर

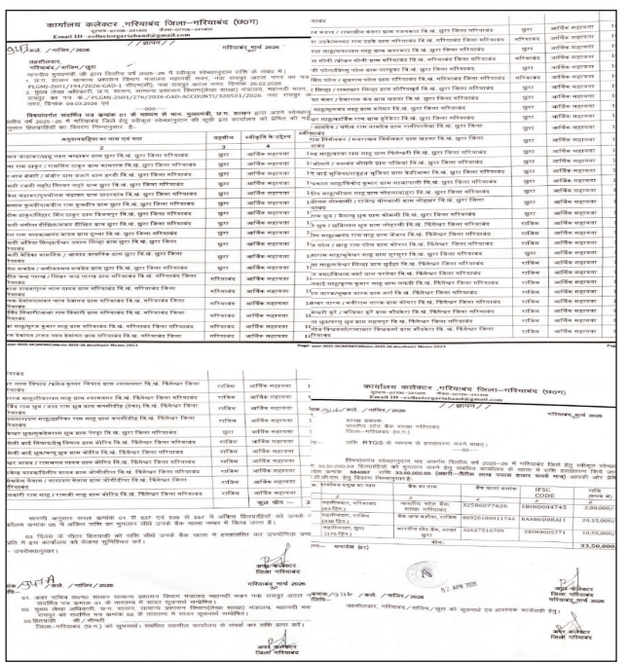

गरियाबंद (विश्व परिवार)। जिले मे इनदिनों शुर्खियों मे चल रहे मुख्यमंत्री स्वेच्छा अनुदान मे अजब गजब बातें सामने आ रही है। अब पता चला है कि मुख्यमंत्री स्वेच्छा अनुदान बगैर अनुदानार्थी के आवेदन के है प्रदेश के मुख्यमंत्री ने करुणा दिखाते हुए अपने मद से विशेषाधिकार के तहत भिजवा दिया जिन्हे अब कई लोगो ने लेने से ही यह कहते हुए इंकार कर दिया कि इसे किसी गरीब व जरूरतमंद कि दिया जाय, इसे अपना अपमान व बदनाम करने कि शाजिश तक कह कहा , साथ है एक गरियाबंद नगर कि तात्कालिक इनकम टैक्स पेयी जीवन बीमा अभिकर्ता पार्षद बैगैर मेहनत के पांच हजार पाकर इतना खुंश हुई कि अपना नाम लिस्ट मे देखने कइयों को फोन लगाती रही व अनुदान कि राशि प्राप्त करने प्रोसेस पूछने लगी जबकि उन्होंने ने भी इसे पाने कोई आवेदन नहीं किया था।

वंही प्रतिक्रिया देते हुए कई हितग्राही अनुदानार्थीयों ने इसे अपना अपमान बताते हुए कहा कि हम पार्टी मे काम करते है किसी लालच या पार्टी से किसी भी प्रकार कि धन कमाने कि उम्मीद कर नहीं करते हम तो अपने पुरे तन मन और धन लगाकर पार्टी का काम करते है। इन्होने हमारे कर्तब्यों और काम कि बोली लगा कर हमें आहत किया है।

इन अनुदानार्थीयों मे ऐसे लोग भी दिखे जिन्होंने आवेदन तो नहीं किया है ना हीं उन्हें ऐसी किसी लिस्ट जारी होने कि जानकारी थी । कोपरा के पार्षद से बात कर ज़ब उन्हें स्वेच्छानुदान कि जानकारी देने पर बता या कि ऐसी कोई जानकारी मुझे नहीं है न है मैंने इसे पाने आवेदन किया था। इसी तरह नगर के प्रतिष्ठित वकील से बात करने पर उन्होंने भी अनुदान लेने से इंकार कर दिया, भाजपा मिडिया प्रभारी ने भी अनुदान कि राशि को यह कहते हुए लेने से इंकार कर दिया कि इससे ज्यादा तो मैं पार्टी के एक प्रेस कॉन्फ्रेंस मे खर्च कर देता हूँ मुझे जरूरत नहीं है। पूर्व सांसद के पुत्र के नाम भी स्वेच्छा अनुदान कि राशि जारी हुई है यह मण्डल के कोषाध्यक्ष है चर्चा मे उन्होंने बताया कि कोई आवेदन नहीं दिया, कैसे मेरा नाम आया मैं नहीं जनता बदनाम करने कि शाजिश हो सकती है पर मैं मुख्यमंत्री जी से आवेदन कर किसी गरीब व जरूरतमंद व्यक्ति को इसे देने का आग्रह करुँगा।

उल्लेखनीय है कि राजिम विधानसभा के भाजपा पदाधिकारियों के नाम मुख्यमंत्री स्वेच्छा अनुदान कि राशि जारी कि गई, जिसमे सभी नियम क़ानून कायदो को ताक मे रखते हुए सरकार से मानदेय प्राप्त करने वाले नगर पालिका, नगर पंचायत के पार्षदो तक को दे दिया गया। एक घर मे दो लोगो को, कंही एक ही परिवार के दो लोगो को जारी किया गया, कोई मापदंड नहीं केवल भाजपा का कार्यकर्ता होने कि शर्त मे मुख्यमंत्री स्वेच्छा अनुदान दे दिया गया ।

स्वामित्वधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक रोहित खड़तकर द्वारा समय दर्शन प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स ग्राम छाटा, पोस्ट देवादा, तहसील पाटन, जिला दुर्ग (छ.ग.) 491111 से मुद्रित कर बी-4, प्रेस काम्प्लेक्स, इंदिरा मार्केट, दुर्ग छ.ग. 491001 से प्रकाशित। संपादक :- रोहित खड़तकर,
समाचार संपादक : दामोदर राव, फोन नं.-0788-4051213, मो. 9827104452, रायपुर कार्यालय:-0771-4218364, ईमेल - samay.darshan191@gmail.com पं. क्र. CHHHIN/2011/41517 डाक पंजीयन क्रमांक छ.ग./दुर्ग/61/2024-26